# कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

विश्वकर्मा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, मंगलवार, 17 सितंबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 126 मूल्य : 2 रुपए


## संक्षिप्त खबरें

### जमुई के अभिषेक को गूगल ने दिया 2 करोड़ रुपए सालाना का पैकेज

जमुई (ईएमएस)। बिहार के जमुई जिले के झाझा निवासी 24 साल के अभिषेक अब अमेरिकी कंपनी गूगल में जॉब करने वाले है। गूगल ने अभिषेक को 2 करोड़ रुपए सालाना का पैकेज दिया है। वे जॉइनिंग के लिए इसी महीने लंदन जाएंगे। गूगल से 2 साल पहले अभिषेक 1 करोड़ 8 लाख रुपए के पैकेज पर अमेजन कंपनी में थे। इस दौरान वे जर्मनी में रहे। कंप्यूटर साइंस से बीटेक करने वाले अभिषेक का कहना है कि, गूगल में जॉब करना मेरा सपना था। बचपन से ही अभिषेक को कोडिंग का शौक था। अभिषेक की शुरुआती शिक्षा झाझा के प्राइवेट स्कूल में हुई है। उनके माता-पिता ने बताया कि बचपन से ही अभिषेक को कोडिंग के प्रति काफी लगाव था। वहां कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में ही कुछ करना चाहता था। इसके लिए कोटा में रहकर अभिषेक ने तैयारी की और 2018 में एनआईटी पटना में उसका दाखिला हुआ। अभिषेक के पिता सिविल कोर्ट में वकील हैं, और मां ग्रामीण हैं। उनके बड़े भाई अमित कुमार दिल्ली में रहकर सरकारी जॉब की तैयारी कर रहे हैं। वे कहते हैं, जर्मनी जाने के बाद मुझे नए मौकों के बारे में पता चला। अब लंबे वक्त तक गूगल में ही जॉब करने का इरादा है। अभिषेक के मुताबिक, बीटेक पास करने के बाद कई कंपनियों में जॉब के लिए आवेदन किया था, लेकिन अच्छा ऑफर अमेजन से मिला। मुझे अमेजन ने एक करोड़ 8 लाख रुपए पैकेज दिया था। यहां एक साल तक जॉब करने के बाद गूगल में आवेदन किया। 5 राउंड के इंटरव्यू के बाद गूगल से मुझे जॉब ऑफर किया है। अभिषेक ने बताया कि गूगल जैसी बड़ी कंपनी में जॉब लेने का प्रोसेस सबके लिए एक ही सामान होता है। बस हमें करियर पोर्टल पर जाकर अप्लाई करना होता है।

### सीबीएसई ने अनियमितताओं के चलते 27 स्कूलों के खिलाफ एक्शन लिया

अजमेर (ईएमएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने राजस्थान और दिल्ली में बोर्ड से संबद्ध 27 स्कूलों के खिलाफ एक्शन लिया है। इन स्कूलों में किए गए निरीक्षण के दौरान निमयों के उल्लंघन की कई अनियमितताएं मिली। ये नोटिस दिल्ली से सीबीएसई के सचिव की ओर से जारी किए गए है। इन स्कूल संचालकों से जांच में मिली अनियमितताओं के संबंध में जवाब मांगा है। खास तौर पर इन संस्थानों में नामांकन और उपस्थिति के नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आए है। निरीक्षण से पता चला कि स्कूलों ने कक्षा 11 व 12 में इसतरह के छात्रों की संख्या अधिक दर्ज की है, जो फिजिकल रूप से कक्षाओं में उपस्थित नहीं होते हैं। इसके अलावा, इन स्कूलों द्वारा बनाए गए उपस्थिति रिकॉर्ड में विसंगतियां मिली। जिससे सीबीएसई नियमों के अनुपालन पर संदेह पैदा हुआ। यह भी पाया गया कि कुछ संस्थान बोर्ड द्वारा निर्धारित बुनियादी ढाँचे के मानदंडों का उल्लंघन कर रहे थे, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों की सुरक्षा से समझौता हो रहा था। इसके बाद इन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

### एनएमसी ने किया नया पोर्टल शुरु, एमबीबीएस डॉक्टरों को करना होगा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली,(ईएमएस)। नैशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने सभी एमबीबीएस डॉक्टरों के लिए नए पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। सभी डॉक्टरों को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना जरूरी है। इससे डॉक्टरों को भारत में प्रैक्टिस करने के लिए एक यूनिक आईडी मिलेगी। जो डॉक्टर पहले से इंडियन मेडिकल रजिस्टर (आईएमआर) पर रजिस्टर्ड हैं, उन्हें भी एनएमसी पर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। सभी मेडिकल कॉलेज, संस्थान, और स्टेट मेडिकल काउंसिल इस पोर्टल से जुड़े होंगे। एनएमसी और नैशनल हेल्थ अथॉरिटी ने मिलकर यह पोर्टल तैयार किया है, जो भारत में सभी एमबीबीएस डॉक्टरों का एक डेटाबेस होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि अभी तक ऐसे व्यापक डेटा नही था, जो देश में कुल डॉक्टरों की संख्या, देश छोड़ने वालों, प्रैक्टिस करने का लाइसेंस खोने वालों या जान गंवाने वाले डॉक्टरों की संख्या और विवरण जैसे पहलुओं की विस्तार से रिपोर्ट दे सके।

## अवकाश

विश्वकर्मा पूजा के शुभ अवसर पर कोयलांचल संवाद के ऑफिस में 17 सितंबर को अवकाश रहेगा। अतः आपको अगला अंक 19 सितंबर को प्राप्त होगा।

लगातार बारिश से झारखंड के डैम लबालब और नदियां उफान पर

# डीप डिप्रेशन से पूरे झारखंड में तेज हवाओं के साथ हो रही बारिश, रेड अलर्ट जारी, भारी बारिश की चेतावनी

**रांचीः** बंगाल की खाड़ी से उठा डिप्रेशन डीप डिप्रेशन में तब्दील होकर झारखंड पहुंच चुका है. इसके असर से पूरे झारखंड में तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है. झारखंड के कई जिलों में विश्वकर्मा पूजा के दिन भी भारी बारिश होगी. मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी कर तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी है. बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण रविवार से ही कई जिलों में भारी बारिश हो रही है. वहीं सोमवार को भी लोगों को बारिश से राहत नहीं मिली. लगातार हो रही बारिश के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है. मौसम केंद्र ने पलामू प्रमंडल में रेड अलर्ट जारी कर भारी बारिश से बचने की सलाह दी है. इस दौरान तापमान में भी कोई बदलाव न होने की संभावना है. भारत मौसम विज्ञान विभाग के रांची स्थित मौसम केंद्र के प्रमुख अभिषेक आनंद ने कहा है कि 17 सितंबर को पलामू और गढ़वा जिले में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. चतरा और लातेहार में भारी बारिश होगी.

#### राजधानी रांची समेत इन जिलों में येलो अलर्ट जारी

रांची, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, गिरिडीह, धनबाद में मंगलवार को भारी बारिश होगी. मौसम केंद्र ने इन जिलों में येलो अलर्ट जारी कर लोगों को सावधान रहने को कहा है. इस दौरान इन इलाकों में 7-11 सेमी बारिश

होने की संभावना है.

#### लगातार बारिश से सुग्गा बांध फॉल का दृश्य हुआ विकराल, लहरों के भयंकर शोर से खड़े हो जा रहे हैं रोंगटे

लातेहारः जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण लगभग सभी नदियां उफान पर हैं. सुग्गा फॉल ने विकराल रूप धारण कर लिया है. फॉल से पहले ही चट्टानों से नदी के पानी के टकराने से लहरों का जो भयंकर शोर उठ रहा है, उस कारण डर के मारे लोगों के रोंगटे खड़े हो जा रहे हैं. दरअसल सुग्गा बांध फॉल लातेहार जिले के गारू प्रखंड में पड़ता है. यह लातेहार जिले का एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है, जहां देश के कोने-कोने से लोग पहुंचते हैं. पिछले तीन दिनों से हो रहे बारिश के कारण नदी उफान पर है. नदी की तेज धार जब चट्टानों से टकरा रही है तो जो भयंकर शोर उठ रहा है, वह काफी दूर तक सुना जा सकता है.

#### स्वर्णरेखा और खरकई नदी में बढ़ा जलस्तर

लगातार हो रही बारिश से स्वर्णरेखा और खरकई नदी भी उफान पर हैं. दोनों नदियों में जलस्तर काफी बढ़ गया है. नदियों के किनारे रहने वालों से सर्तक रहने की अपील की गई है. साथ ही नदी की ओर नहीं जाने का भी आग्रह किया गया है.

#### कैबिनेट मंत्री ने किया आगाह

कैबिनेट मंत्री बन्ना गुप्ता ने नदियों के बढ़ते जल स्तर को लेकर आगाह किया है. उन्होंने सोशल मीडिया में पोस्ट कर जमशेदपुर डीसी से राहत एवं बचाव कार्य में जुटने का किया आह्वान किया है. कहा है कि लगातार तीन दिन से हो रही बारिश के कारण स्वर्णरेखा एवं खरकई नदी का जल स्तर बढ़ता जा रहा है और खतरे के निशान के करीब है, नदी तट पर रहने वाले लोगों से अनुरोध है कि सतर्क रहें. डीसी को कहा है कि मामले में सतर्कता बरतते हुए ऐसे पीड़ितों को चिन्हित करते हुए सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने का उपाय करें साथ ही उनके दवाइयों, रहने और खाने का भी इंतजाम सुनिश्चित करें.

## झारखंड में भारी बारिश से मसानजोर पहाड़ पर भू-स्खलन, 2 दुकानें जमींदोज

झारखंड में लगातार 3 दिन से हो रही बारिश के दौरान दुमका जिले में पहाड़ पर भू-स्खलन हुआ है. इसमें 2 दुकानें जमींदोज हो गईं हैं. घटना रानीश्वर के बांसकुली मसलिया सड़क के टोंगरा थाना क्षेत्र के मसानजोर डैम के दक्षिण भाग के डैम के 2 नंबर गेट के सामने हुई है. लगातार बारिश की वजह से पहाड़ से झरना निकलने की वजह से भू-स्खलन की घटनाएं हो रहीं हैं. रविवार की रात भू-स्खलन होने से पहाड़ के नीचे दो दुकानें इसकी चपेट में आ गईं. पहाड़ का मलबा दुकान के ऊपर गिरने से दुकानें दब गईं. उसके अंदर रखा सारा सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया. हालांकि, इसमें कोई हताहत नहीं हुआ. भू-स्खलन के समय रात में दुकान के अंदर कोई नहीं था. इसलिए सिर्फ सामान का नुकसान हुआ है. दुमका जिले में हो रही अतिवृष्टि को देखते हुए लोगों को पहले से इस बात का एहसास था कि भू-स्खलन हो सकता है. इसलिए रात में वहां कोई नहीं रह रहा था. दुकानदार रंजीत मुर्मू ने बताया कि भू-स्खलन से दुकान के दब जाने की वजह से उसे करीब 60 हजार रुपए का नुकसान हुआ है. सुरेश माल ने भी 50-60 हजार रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया है.

## कांग्रेस करेगी सीएम हेमंत सोरेन को सम्मानित, 22 को मंईयां सम्मान सम्मेलन का आयोजन

रांचीः कांग्रेस झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सम्मान करेगी. इसके लिए एक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है. कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की 22 सितंबर को मंईयां सम्मलन का आयोजन करने जा रहे हैं. रांची के आईटीआई

जतरा मैदान में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में सरकार की प्रमुख योजना मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना और महागठबंधन सरकार द्वारा शुरू की गई अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सम्मानित किया जाएगा. प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बंधु तिर्की ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा कई नई जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं. इससे राज्य के लोगों का जीवन बेहतर हो रहा है. समाज के आदिवासी, मूलवासी, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों को इन योजनाओं का लाभ मिल रहा है. मंईयां योजना, गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना, ज्योतिबा फुले छात्रवृत्ति योजना, विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति योजना समेत कई योजनाएं हैं, जिनका लाभ आम लोगों को मिल रहा है. इसके लिए मुख्यमंत्री के सम्मान में 22 सितंबर को मंईयां सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा.

उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में रांची समेत अन्य जिलों के 15 विधानसभा क्षेत्रों की महिलाएं भाग लेंगी. इस कार्यक्रम में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से कम से कम एक हजार महिलाओं के भाग लेने की योजना है.

बंधु तिर्की ने बताया कि लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, रांची और कोडरमा जिले के 15 विधानसभा क्षेत्रों की महिलाएं इसमें भाग लेंगी. इस सम्मान सम्मेलन में कांग्रेस के एससी-एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक अध्यक्ष के राजू और महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एन डिसूजा भी शामिल होंगी. इस कार्यक्रम में प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो, कमलेश और सीएलपी नेता रामेश्वर उरांव भी भाग लेंगे. बंधु तिर्की ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर के भी भाग लेने की संभावना है.

#### इन विधानसभा क्षेत्रों से पहुंचेंगी महिलाएं

मंईयां सम्मेलन में लातेहार, मनिका, लोहरदगा, गुमला, बिशनपुर, सिसई, सिमडेगा, कोलेबिरा, खूंटी, मांडर, रांची, कांके, हटिया, खिजरी, कोलेबिरा, तोरपा और कोडरमा विधानसभा से महिलाएं भाग लेंगी.

#### इन्हें किया जाएगा सम्मानित

प्रदेश महिला कांग्रेस और अन्य सामाजिक संगठनों से जुड़ी महिलाएं भी मंईयां सम्मेलन में शामिल होंगी. इस सम्मेलन के माध्यम से विधानसभा स्तर पर जो महिलाएं कार्य कर रही हैं उन्हें सम्मानित किया जाएगा. इसके माध्यम से आगे आने वाले विधानसभा चुनाव में महिलाओं की भूमिका, भागीदारी के साथ-साथ उनका मनोबल बढ़ाने पर विचार किया जाएगा.

## गोड्डा में जयराम की एंट्री से बनेंगे नए समीकरण, आसान नहीं होगी एनडीए और इंडिया गठबंधन की राह

गोड्डाः जिले की तीन विधानसभा सीट में गोड्डा सीट पर भाजपा का कब्जा है, जहां से विधायक अमित मंडल हैं. बाकी दो विधानसभा सीट महगामा और पोड़ैयाहाट पर कांग्रेस का कब्जा है. ऐसे में बीजेपी के मौजूदा विधायक अमित मंडल का दावा स्वाभाविक रूप से मजबूत है और उन्हें टिकट मिलना तय माना जा रहा है. इधर, भाजपा के पूर्व सांसद व मंत्री रहे सुदर्शन भगत रायशुमारी के लिए गोड्डा पहुंचे. जिन अन्य दो नाम की चर्चा थी वो हैं कभी झामुमो के जिलाध्यक्ष रहे रवींद्र महतो और युवा नेता सूरज सिंह. बता दें कि रवींद्र महतो पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष रही बसंती देवी के पति हैं. पिछले चुनाव में भी रवींद्र महतो गोड्डा से आजसू की टिकट पर लड़े थे. सूरज सिंह वर्तमान जिला परिषद अध्यक्ष बेबी देवी के पुत्र हैं. इसके अलावा कुछ ऐसे नाम हैं, जो भाजपा से टिकट की दौड़ में हैं. इनमें पूर्व विधायक भाजपा के मनोहर टेकरीवाल के भाई और शहर के बड़े व्यवसायी अमर टेकरीवाल और अन्य व्यवसायी संतोष सिंह के नाम की भी चर्चा है. इन सबके बावजूद विधायक अमित मंडल की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है.

गौरतलब है कि अमित मंडल के दादा सुमृत मंडल झामुमो से विधायक रहे तो पिता रघुनदंन मंडल भाजपा से विधायक थे. जिनके असामयिक निधन के बाद अमित मंडल विधायक बने. उन्होंने फिर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की. वहीं, झारखंड बनने के बाद से ही इंडिया गठबंधन से गोड्डा राजद के कोटे में जाता रहा है. जिसमें संजय यादव दो बार जीत चुके हैं. हालांकि पिछले चुनाव में कम मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था. इस बार भी उम्मीद की जा रही है कि संजय यादव की दावेदारी मजबूत होगी. संजय यादव की पत्नी कल्पना देवी भी पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष अध्यक्ष रहा चुकी हैं. इनके अलावा टाइगर जयराम की पार्टी से केपी महतो और प्रवीण महतो के नाम की चर्चा है. रांची में रायशुमारी में गोड्डा से कई लोगों ने दावेदारी की है. इस पूरे मसले पर पत्रकार नरेंद्र गांधी ने बताया कि एक बार फिर गोड्डा में भाजपा और राजद के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिल सकता है, लेकिन टाइगर जयराम की पार्टी के उम्मीदवार की अगर उपस्थिति दमदार हुई तो भाजपा का समीकरण बिगड़ सकता है. क्योंकि पिछले चुनाव में जीत अंतर महज पांच हजार था.

## जमीन के लिए पैसा लेने वाले परवेज को देना होगा 12 लाख रुपए वापस

**रांचीः** रांची सिविल कोर्ट ने चेक बाउंस में सजायाफ्ता हिंदपीढ़ी निवासी परवेज आलम की सजा को बरकरार रखते हुए उसकी क्रिमिनल अपील खारिज कर दी है. सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने अपीलकर्ता के विरूद्ध दोष सिद्धि के निर्णय और सजा के आदेश की पुष्टि कर दी है. परवेज को न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडे की अदालत ने 5 जुलाई 2024 को चेक बाउंस के आरोप में दोषी करार

देते हुए परवेज आलम को एक साल की सजा सुनाई थी और 12 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था. परवेज ने हिंदपीढ़ी निवासी मो. अर्श से 5.50 डिसमिल जमीन दिलाने के एवज में 31 अक्तूबर 2017 को पैसा लिया था. लेकिन पैसे लेने के बावजूद उसे जमीन नहीं दिया. जमीन के एवज में लिए पैसे वापस करने के लिए उसने 4 जनवरी 2022 को अर्शी को 10.30 लाख रुपए का चेक दिया. जो बाउंस कर गया. जिसके बाद अर्शी ने 18 जनवरी 2022 को चेक बाउंस का केस किया था.

# पीएम मोदी अहमदाबाद में बोले- मेरा मजाक उड़ाया गयाः मैं सरदार की भूमि में पैदा हुआ बेटा, चुपचाप देशहित में नीति बनाने में लगा रहा

**अहमदाबादः** गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में आयोजित भव्य स्वागत समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने के बाद पहली बार गुजरात आया हूं। आप लोगों ने हर वक्त मुझ पर प्यार लुटाया है। जब बेटा अपने घर आकर आशीर्वाद लेता है तो ऊर्जा कई गुना बढ़ जाती है।

उत्साह और जोश और बढ़ जाता है। पीएम ने ये भी कहा कि कई लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया, लेकिन मैं सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमि में पैदा हुआ बेटा हूं। चुप रहकर देशहित में नीति बनाने में लगा रहा। प्रधानमंत्री यहां 8000 करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। साथ ही 30 मेगावाट के सोलर सिस्टम का भी उद्घाटन करेंगे।

#### मोदी के भाषण की खास बातें

**लोगों ने तीसरी बार सेवा करने का मौका दिया**

इतनी बड़ी तादाद में आप मुझे आशीर्वाद देने आए, मेरा सौभाग्य है। मुझे आपकी अपेक्षाओं का भी अहसास है। आप चाहते थे कि तीसरी बार शपथ लेने के बाद मैं जल्द से जल्द आपके बीच आऊं। देश की जनता ने एक नया इतिहास रचा है।

#### 100 दिन में 15 लाख करोड़ की परियोजनाएं शुरू

लोग मोदी का के बारे में भांति-भांति की बातें करते रहे। मैंने भी सोच लिया था कि जितना मजाक उड़ाना है उड़ा लो, मैं एक शब्द भी नहीं बोलूंगा। हर अपमान को सहते हुए मैं देश के लोगों के कल्याण के लिए नीति बनाने और निर्णय लेने में जुटा रहा। मैंने तय किया था कि मुझे देश के कल्याण के जिस रास्ते पर चलना है, मैं उस रास्ते से भटकूंगा नहीं। आज खुशी है कि इन सभी अपमानों को हटाते हुए इन 100 दिनों में हर वर्ग के कल्याण की गारंटी पक्की हो गई है। इन 100 दिनों में 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की कई परियोजनाओं का काम शुरू हो गया है। चुनाव के दौरान मैंने 3 करोड़ घर बनाने का गारंटी दी थी। उनका काम भी शुरू हो गया है। आज से अहमदाबाद-भुज के बीच नमो भारत रैपिड रेल शुरू हो गई है। इस ट्रेन से मध्यम वर्ग के लोगों को फायदा मिलेगा। नमो भारत रैपिड रेल आने वाले समय में देश के कई शहरों को जोड़ने जा रही है। देश में 15 से ज्यादा रूटों पर नई नमो भारत रैपिड रेल शुरू होने वाली है। आज देश में 125 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें लोगों की सेवा कर रही हैं। अगले 25 वर्षों में हमें देश को विकसित बनाना है।

#### मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

पीएम ने अहमदाबाद से गांधीनगर के बीच चलने वाली मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद मेट्रो से ही गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी पहुंचे। यह मेट्रो अहमदाबाद के एपीएमसी से गांधीनगर के सेक्टर-1 तक 33 किमी की दूरी तय करेगी। इस सफर को पूरा करने में मेट्रो 65 मिनट का समय लेगी और किराया भी सिर्फ 35 रुपए होगा।

#### देश की पहली वंदे मेट्रो ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

देश की पहली स्वदेशी ट्रेन वंदे भारत के बाद अब कम दूरी के शहरों के बीच तेज कनेक्टिविटी मुहैया कराने के लिए स्वदेशी वंदे मेट्रो ट्रेन की शुरुआत की जा रही है। देश की पहली वंदे मेट्रो ट्रेन 16 सितंबर से अहमदाबाद और भुज के बीच शुरू की जाएगी। ट्रेन का शुभारंभ समारोह भुज में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम से ट्रेन को ऑनलाइन हरी झंडी दिखाई। वंदे मेट्रो का नाम बदलकर नमो भारत रैपिड रेल कर दिया है।

## लातेहार में पीएलएफआई के कमांडर समेत तीन उग्रवादी गिरफ्तार

**लातेहारः** पुलिस ने नक्सली संगठन पीएलएफआई के कमांडर समेत तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है. गिरफ्तार उग्रवादियों में पीएलएफआई का कमांडर राकेश जी उर्फ राम विजय लोहरा, सक्रिय कमांडर रूपेश राम और धर्मेंद्र लोहरा शामिल हैं. दरअसल, पीएलएफआई का कमांडर राकेश लोहरा कुछ दिनों से लातेहार जिले के कुछ इलाकों में सक्रिय था और लोगों को फोन कर लेवी के लिए धमका रहा था. इसी बीच लातेहार एसपी को गुप्त सूचना मिली कि राकेश अपने कुछ साथियों के साथ मोटरसाइकिल से लेवी वसूलने हेरहंज की ओर जा रहा है. सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम गठित कर नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई. जिसमें पुलिस ने मोटरसाइकिल पर सवार राकेश और उसके दो अन्य साथियों को पकड़ लिया. जब उनकी तलाशी ली गई तो गिरफ्तार लोगों के पास से पीएलएफआई के कुछ हस्तलिखित पर्चे और कुछ खाली पर्चे बरामद हुए. इसके बाद पुलिस तीनों को गिरफ्तार कर थाने ले आई.

**पूछताछ में पुलिस को मिली कई अहम जानकारी** : इधर, सोमवार को प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों से जब पूछताछ की गई तो पुलिस को कई अहम जानकारी मिली है. डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न ठेकेदारों व व्यवसायियों से रंगदारी मांग रहे थे. एक दिन पूर्व क्षेत्र में कार्यरत एक ठेकेदार से रंगदारी मांगी गई थी. जिसके खिलाफ ठेकेदार द्वारा हेरहंज थाने में मामला भी दर्ज कराया गया था. क्षेत्र में भय का माहौल बनाने के लिए उग्रवादियों ने हिंसक घटना को अंजाम देने की भी योजना बनाई थी, लेकिन उग्रवादियों की योजना पूरी होने से पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों में राम विजय लोहरा इचाक बालूमाथ का रहने वाला है. जबकि रूपेश राम हेरहंज व धर्मेंद्र लोहरा चंदवा का रहने वाला है.

## बरकट्ठा में अक़ीदत व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद मिलाद उन नबी का पर्व



बरकट्ठ(हज़ारीबाग)।ईद मिलाद उन नबी का पर्व बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में अक़ीदत व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बरकट्ठा के विभिन्न क्षेत्रों से भारी बारिश के बावजूद भी गाजे बाजे के साथ जुलूस मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस में बरकट्ठा, कोनहराखुर्द मजार शरीफ, बरकट्ठा डीह, बरवां के लोग एक साथ शामिल होकर पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया।जिसमें शामिल लोग अपने अपने हाथों में इस्लामिक झंडा और बैनर लेकर नारा लगाते चल रहे थे। पर्व को लेकर बरकट्ठा रजा जामा मस्जिद और कोनहराखुर्द मस्जिद को रंग बिरंगे लाईट व फुलझड़ियों से काफी आकर्षक ढंग से सजाया गया।कार्यक्रम के अंत में बरकट्ठा चौक पर जुलूस में शामिल लोग एकत्रित होकर दुआ में शरीक हुए।इमाम अताउल रहमान ने क्षेत्र में अमन चैन और खुशहाली के लिए दुआ मांगी।लोगों से हुज़ूर सल्ला वसल्लम के नक्शे कदम पर चलकर आप जिंदगी और आखिरत में कामयाबी पा सकते हैं। इस मौके पर यासीन खान, मो कलीम खान, मौलवी मो मेराज खान,सराज खान,मो जसीम, जाहिद खान, मो सत्तार , मो गफ्फार, बबलू खान, फहीम खान, सन्नी खान, सुल्तान अंसारी, अब्दुल शकूर अंसारी, खलील अंसारी, सहबाज खान, नाजा खान, जया अहमद, समीर अहमद, अयान अहमद, गोलू खान, नाजिस खान समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल रहें।बरकट्ठा के अलावा ईद मिलादुन्नबी का पर्व को लेकर ग्राम सक्रेज, घंघरी, तरबेचवा, कोनहराकला, शिलाडीह, जमुआ, बेडोकला, कलहाबाद, बसरामो, गोरहर में मोहम्मदी जुलूस निकाला गया।

## विश्रामपुर नप मुख्यालय व आंचलिक क्षेत्रो मे निकला ईद मिलाद-उन-नबी का भव्य जुलूस



संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर नगर परिषद व आंचलिक कक्षेत्रों मे आज ईद मिलाद-उन- नबी का भव्य जुलूस निकाला गया। भारी बरसात के बाद भी जुलूस में सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। इसके अलावा मुस्लिम बाहुल्य कोसियार,कविलाशी,झगरुआ,डीहरिया,डंडिला कला,सबौना,रकसाहा,घोरडीहा सहित दर्जनों गांव में इस अवसर पर जुलूस निकला और कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।इस दौरान विश्रामपुर के एसआई शिवनाथ रंजन,एसआई प्रदीप शर्मा पुलिस बल के साथ गस्ती करते रहे। ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। विश्रामपुर नप मुख्यालय सहित कई गांवों में वरीय समाजसेवी सह राजनेता अभिमन्यु सिंह उर्फ बबलू सिंह अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए। आयोजन कमिटी ने कार्यक्रम में शामिल अभिमन्यु सिंह का जोरदार स्वागत किया। मौके पर नप अध्यक्ष प्रतिनिधि नईमुद्दीन अंसारी,पार्षद सलीमुदिन अंसारी,आजम सिद्दीकी,जहीर अंसारी,नासिर अंसारी,श्याम बिहारी विश्वकर्मा,प्रवीन सिंह,राहुल दुबे,शमसेर आलम,अनीस अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे।

## पिछले दो दिनों से हो रही बारिश से बरकट्ठा में जनजीवन अस्त-व्यस्त



बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।पिछले दो दिनों से हो रही बारिश से बरकट्ठा प्रखंड में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। रविवार की सुबह से लगातार हो रही बारिश से कई मिट्टी के मकान गिर गया।जबकि बिजली संकट उत्पन्न होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश की वजह से लोग अपने अपने घरों में दुबके रहे। बरकट्ठा में सोमवार को लगने वाली साप्ताहिक हाट नहीं लगी बाजारों में सन्नाटा पसरा है। अधिक जरूरत पड़ने पर ही लोग मुश्किल से घर से बाहर निकल रहे हैं।बारिश से ग्राम चेचकप्पी निवासी केदार सिंह पिता स्व चरक सिंह का मिट्टी का मकान गिर गया।मकान गिरने से पूरे परिवार के लोग बाल बाल बच गये. जबकि पूरा परिवार बेघर हो गया। जिसकी सूचना मुखिया रीता देवी और मुखिया पति डेगलाल साव को दी। जिसके बाद मुखिया ने तुरंत पीड़ित परिवार के रहने के लिए पंचायत भवन में रहने को कहा।साथ ही इसकी जानकारी बरकट्ठा बीडीओ रोशमा डुंगडुंग को दी। इसके अलावा ग्राम चेचकप्पी निवासी जसवा देवी पति मथुरा सिंह, उपेंद्र मेहता पिता काशी सिंह का मिट्टी का भी मकान ध्वस्त हो गया।शिलाडीह के ग्राम तेतरिया टोला में बिजली का पोल सड़क पर गिर गया है।बारिश की वजह से पूरे प्रखंड क्षेत्र में 18 घंटे से बिजली आपूर्ति सेवा पूरी तरह बाधित है।

## चौपारण प्रखंड मैदान के हॉल में वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता हुआ आयोजन

अखिलेश पांडेय




चौपारण (हजारीबाग): महलक्खी चैरीटेबल ट्रस्ट के द्वारा प्रखंड मैदान के हॉल में वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन संस्था के संस्थापक अविनाश आर्या चन्द्रवंशी ने फीता काटकर और चेस्ट प्रैस कर किया शुभारंभ। इस प्रतियोगिता में बरही अनुमंडल के साथ ही,आस-पास के जिले हजारीबाग,कोडरमा,चतरा के सैकड़ों युवक ने भाग लिया प्रतियोगिता में,वेटलिफ़्टिंग ,डेट लिफ्टिंग,बेंच प्रेस,बॉडी सो और कई तरह का प्रतियोगिता का किया गया आयोजन। इस प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए श्री आर्या ने कहा कि इस तरह का आयोजन से समाज में युवा वर्ग स्वास्थ्य और शारीरिक गतिविधि कर अपनी फ़िटनेस पर ध्यान देंगे और स्वतः नशा से दूर होंगे।साथ ही इस प्रतियोगिता के माध्यम से भी युवा भाई-बहन अपने राज्य और देश का नाम रौशन कर सकते हैं और सरकारी नौकरी प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने उदाहरणस्वरूप पंजाब,हरियाणा,चंडीगढ़ के कई युवा खिलाड़ियों का नाम भी बताया और कहा यह लोग आज देश का नाम रौशन कर रहें हैं और सरकारी नौकरी में पदस्थापित है। इस मौके पर अविनाश आर्या ने यह भी कहा कि इस तरह का कार्यक्रम मेरी संस्था के द्वारा होते रहेगा और क्षमतावान खिलाड़ियों को अपने गाँव से निकलकर राज्य और देश का नेतृत्व करने का अवसर मिले इसके लिए हम पूरा-पूरा कोशिश करेंगे।

## इंडियन बैंक द्वारा बैंक मित्र शाखा का उद्घाटन

रांचीः इंडियन बैंक, ब्राह्मबे शाखा के अंतर्गत ठाकुरगांव में एक बैंक मित्र शाखा का उद्धघाटन किया गया है। इसका उद्धघाटन संजय कुमार सिंह,मुख्य प्रबंधक के कर कमलों से किया गया। इस समारोह में पंकज कुमार, शाखा प्रबंधक, बैंक प्रतिनिधि चंद्रहन्स भारती एवं रमेश कुमार वरिष्ठ प्रबंधक शामिल रहे। बैंक मित्र जकिर हुसैन द्वारा बैंक मित्र पॉइंट के कार्यो निष्पादन किया जाएगा। इस नए बैंक मित्र पॉइंट की शुरुआत से ठाकुरगांव के आम जनता को बैंकिंग कार्यो को करने हेतु अत्यंत सुविधा प्राप्त होगी।

## ईद मिलादुन्नबी पर जश्न मीलाद का आयोजन, 1984 से पहले स्वर्गीय अब्दुर रऊफ के यहां होता आया है जश्न मीलाद




रांचीः जश्ने ईद मिलादुन्नबी (स0) पूरे शान व शौकत के साथ मनाया गया। ईद मिलादुन्नबी पर कई जगह जश्न मीलाद का योजन किया गया। जगह जगह लंगर बांटे गए। जश्न मीलाद पर एदारे शरिया झारखण्ड व सुन्नी बरेलवी सेण्ट्रल कमिटी के सरपरस्त मो सईद के आवास मधुबन मार्केट मेन रोड में जश्ने मिलाद की धूम रही। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरे अकीदत व एहतराम के साथ पैगम्बर मोहम्मद(स) की आमद का जशन मनाया गया। इस मौके पर मदरसा इस्लामी मरकज़ के छात्रों द्वारा कुरान पाक की तिलावत की गई। उलेमा ए एकरम, पंचयात, तंज़ीम के ओहदेदार जश्न मीलाद में शामिल हुए और मोहम्मद (स0) के सीरत पर खूब चर्चा की गई। नारे रिसालत का नारा बुलंद किया गया। जलसे का आयोजन मो सईद के बेटे मो महजूद खलीफा, मो मकसूद, मो तौहीद ने किया। एम सईद ने कहा की हमारे यहां जश्न मीलाद 1984 से पहले मेरे पिता स्वर्गीय अब्दुर रऊफ करते थे। इस मीलाद में जितने लोग भी आते है उनका खाना पीना, लंगर का व्यवस्था रहता है। ज्ञात हो कि अभी कुछ माह पहले 22 जुलाई 2024 को एम सईद की पत्नी सैरुन निशा का निधन हो गया था। जिसकी मिट्टी मंजिल 23 जुलाई 2024 को रातु रोड कब्रिस्तान में अदा की गई थी। इस जश्न मीलाद में उनका इसाल ए सवाब किया गया। जश्न मीलाद में मुख्य रूप से क़री अयूब रिज़वी, मुफ़्ती जमील, मुफ़्ती ऐजाज हसन मिस्बाही, मौलाना नूर मोहमद, मौलना नेजाम, हाफिज मोजीबुर्रहमान, सुन्नी बरेलवी सेन्ट्रल कमिटी के सदर डॉ मौलाना ताजुद्दीन रिज़वी, महा सचिव अकीलुर्रहमान, मौलाना जसमुद्दीन, मौलाना अब्दुल्लाह रिज़वी, मुफ़्ती आकिब, मौलाना शमशाद, मौलाना कलीम रिज़वी, हाफिज शमसाद, हाफिज रेहान, मौलाना शेर मोहमद, मौलाना रिज़वान, एकराम पपु, हाजी इस्लाम अशरफी, मो महजूद खलीफा, मो मकसूद, अफताब आलम, मंसूर चिश्ती, मेराज अशरफी, मो इकबाल अशरफी, मो नौशाद, मो सरफ़राज़, साजिद उमर, मंजूर आलम, मो परवेज़,मो गुलज़ार, मो जाकिर, मो जहाँगीर, सहित बड़ी तादात आशिकाने रसूल इस बा बरकत महफ़िल में शामिल हुए।

## झुरझुरी में मां मनसा पूजा को लेकर निकाली गई कलशयात्रा



बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झुरझुरी में मां मनसा देवी पूजा को लेकर कलशयात्रा निकाली गई। कलशयात्रा में मुख्य रूप से बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, उपप्रमुख सूरजी देवी, मुखिया सुमन कुमार, पंसस मंजू देवी, मुखिया प्रतिनिधि बीरेंद्र शर्मा शामिल थे। मां मनसा देवी पूजा को लेकर निकाली गई कलश यात्रा में गांव की 501 महिला एवं कन्याओं ने पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया।इसके पश्चात उत्तर वाहिनी बरसोती नदी से जल भरकर पुनः मंदिर परिसर में आकर स्थापित किया गया।तीन दिवसीय मां मनसा देवी पूजा सोमवार से शुरू होकर 18 सितंबर को समाप्त होगा। इस अवसर पर पुजारी गुलाबचंद प्रसाद, पूजा समिति अध्यक्ष सोबरन प्रसाद, राजु प्रसाद, लालमोहन प्रसाद, चिंतामणि प्रसाद, विनोद कुमार, परमेश्वर प्रसाद, पवन कुमार, राजेश प्रसाद, छोटी राणा, कुलदीप प्रसाद, बद्री महतो समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे ।

## खेलो झारखंड द्वारा चैंपियनशिप एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन,1500 छात्र-छात्राओं ने लिया भाग




संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : खेलो झारखंड द्वारा जिला उच्च विद्यालय में पलामू चैंपियनशिप एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में पलामू जिला के 10 प्रखंडों से 15 सौ छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य अमृता सिंह,जिला ओलंपिक सचिव संजय त्रिपाठी व एकेडमी के निदेशक डॉ. अज्जो हसन सिद्दीकी ने संयुक्त रूप से दिप प्रज्वलित कर किया। वही परफेक्ट स्पोर्ट एकेडमी चैंपियनशिप एथलेटिक्स प्रतियोगिता के एक सौ,दो सौ व चार सौ मीटर रन,जेवलिन थ्रो,डिस्कस थ्रो,शाउटपुट थ्रो,हाई जम्प,लॉन्ग जम्प में 354 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। खेल कार्यक्रम का संचालन डॉ. अज्जो हसन सिद्दीकी ने किया। विभिन्न प्रतियोगिता में पडवां प्रखंड से चार सौ मीटर दौड़ में रिंकी कुमारी ने रजत पदक,नवा बाजार प्रखंड से जेवलिन थ्रो में निशांत कुमार ने स्वर्ण पदक,अविनाश कुमार ने रजत पदक,उंटारी रोड प्रखंड से रोहित कुमार ने कांस्य पदक,विश्रामपुर प्रखंड से एथलेटिक दौड़ में मोहम्मद हुसैन ने रजत व कांस्य पदक,शुभम कुमार ने रजत पदक,विवेक कुमार ने कांस्य पदक,सौरव कुमार ने लंबी दौड़ में रजत पदक,शाइस्ता परवीन ने स्वर्ण पदक,ओम शिवांकर ने स्वर्ण पदक,अभय कुमार ने रजत पदक व सौरव कुमार ने रजत पदक ने हासिल किया। मौके पर एकेडमी के जिला निदेशक शिहान संतोष कुमार,सेंसी सकेंद्र प्रजापति,जिला स्पोर्ट क्लब के वरिष्ठ कोच आशुतोष पांडेय सहित कई लोग मौजूद थे। इधर स्वर्ण पदक,रजत पदक व कस्य पदक हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों को कई लोगो ने बधाई दी है। बधाई देने वालो में आरके + 2 जनता उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक भोला राय,इरफान अंसारी,पंकज कुमार,स्पोर्ट क्लब के सचिव डॉ. नजरूल हक,सचिव असगर अंसारी सहित कई लोगो का नाम शामिल है।

## उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग
## (जिला भू-अर्जन शाखा)

प्रपत्र VII

**समाहर्त्ता या समुचित सरकार**

**अधिघोषणा**

**(अधिनियम-30/2013 की धारा-19(1) के अधीन)**

अधिघोषणा सं0:– 1640 / भू0अ0, हजारीबाग। दिनांकः– 11.09.2024

चूंकि झारखण्ड सरकार / समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा अडानी इन्टरप्राईजेज लि0, गोन्दुलपारा कोयला खान परियोजना हेतु ग्राम गोन्दलपुरा, थाना बडकागॉव, थाना संख्या 142, अंचल बडकागॉव, जिला हजारीबाग में कुल 285.715 एकड़ यानि 115.63 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू-खण्ड है, जो मानक माप से कमोवेश 285.715 एकड़ यानि 115.63 हेक्टेयर है और जो ग्राम गोन्दलपुरा, थाना बड़कागॉव, थाना संख्या 142, अंचल बड़कागॉव, जिला हजारीबाग में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है–

| क्र0 सं0 | खाता सं0 | सर्वे प्लॉट सं0 | स्वामित्व का प्रकार | भूमि का प्रकार | अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में) | हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता | सीमा (भूखण्ड सं0) उ0 | द0 | पू0 | प0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 633 | 27 | 785 | नीज | धान–III | 0.14 | यदु गोप, पुशन गोप माता स्व0 उगनी देवी (पति नान्दो गोप), बालदेव गोप–मृत –(गेन्सी देवी उर्फ गणेशी देवी पिता स्व0 बालदेव गोप), बन्धु गोप –मृत – (शंकर गोप वो दिनेश गोप पिता स्व0 बन्धु गोप) वो अकल गोप पुरण गोप पिता स्व0 करण गोप साकिन गोन्दलपुरा। | प्लॉट–787 | प्लॉट–1061 | प्लॉट–1053 | प्लॉट–786 |
| 634 | 58 | 786 | नीज | धान–III | 0.06 | श्रीकान्त निराला, इन्द्रनाथ महतो, सिकेन्दर दांगी, बिनोद कुमार दांगी पिता स्व0 रामदयाल महतो वो लखन महतो, भुखल महतो, मिठु महतो पिता स्व0 उदा महतो वो चेतनी कोईरीन माता स्व0 भीखनी कोईरीन वो फिरांगी महतो, बलकु महतो पिता स्व0 अर्जुन महतो सा0 देह। | प्लॉट–791 | प्लॉट–785 | प्लॉट–785 | प्लॉट–792 |
| 635 | 14 | 787 | नीज | धान–III | 0.45 | चैता भूईया, पिता स्व0 गणपतिया भूईयां वो मोसोमात मोहनी पति स्व0 चन्दरू भूईयां वो कैला भूईया माता स्व0 कमली भूईनी, कमली भूईनी पिता स्व0 चन्दरू भूईयां भदवा भूईयां माता स्व0 लुरकी भूईनी वो हुलाश भूईयां पिता स्व0 बिरसा भूईयां साकिन देह। | प्लॉट–788 | प्लॉट–785 | प्लॉट–1053 | प्लॉट–791 |
| 636 | 14 | 787/I | नीज | धान–III | 0.24 | तुलसी राणा वो खेमलाल राणा वो प्रभु राणा वो महाबीर राणा पिता स्व0 जग्रनाथ राणा वो दुखन राणा पिता स्व0 लेदो राणा निवास ग्राम गोन्दलपुरा | प्लॉट–788 | प्लॉट–785 | प्लॉट–1053 | प्लॉट–791 |
| 637 | 36 | 788 | नीज | धान–III | 0.495 | रामेश्वर महतो, अकलु महतो, चरका महतो पिता स्व0 जीवलाल महतो वो कोल्हा महतो, धमक महतो पिता स्व0 कृति महतो वो नागो महतो चतुर महतो, पुशन महतो, ईश्वरी महतो पिता स्व0 शिबन महतो कारू महतो, छटु महतो, लंगर महतो पिता स्व0 तेजा महतो वो डुमन महतो, जुगल महतो, रोशन महतो पिता स्व0 तिलक महतो वो सुमेर महतो, रघुनन्दन महतो पिता स्व0 पुरन महतो वो त्रिवेणी महतो, अर्जुन महतो, कारू महतो,...................... पिता स्व0 हसराम महतो साकिन देह। | प्लॉट–789 | प्लॉट–787 | प्लॉट–1637 | प्लॉट–790 |
| 638 | 36 | 788/I | नीज | धान–III | 0.095 | नरेश कुमार महतो पिता रूपलाल महतो निवास ग्राम गोन्दलपुरा। | प्लॉट–789 | प्लॉट–787 | प्लॉट–1637 | प्लॉट–790 |
| 639 | 36 | 788/II | नीज | धान–III | 0.07 | जागेश्वर गोप पिता सामु गोप निवास ग्राम गोन्दलपुरा। | प्लॉट–789 | प्लॉट–787 | प्लॉट–1637 | प्लॉट–790 |
| 640 | 36 | 789 | नीज | धान–III | 0.1 | रामेश्वर महतो, अकलु महतो, चरका महतो पिता स्व0 जीवलाल महतो वो कोल्हा महतो, धमक महतो पिता स्व0 कृति महतो वो नागो महतो चतुर महतो, पुशन महतो, ईश्वरी महतो पिता स्व0 शिबन महतो कारू महतो, छटु महतो, लंगर महतो पिता स्व0 तेजा महतो वो डुमन महतो, जुगल महतो, रोशन महतो पिता स्व0 तिलक महतो वो सुमेर महतो, रघुनन्दन महतो पिता स्व0 पुरन महतो वो त्रिवेणी महतो, अर्जुन महतो, कारू महतो,...................... पिता स्व0 हसराम महतो साकिन देह। | प्लॉट–1020 | प्लॉट–790 | प्लॉट–1022 | प्लॉट–794 |
| 641 | 36 | 789/I | नीज | धान–III | 0.03 | केतकी देवी पति तिलानाथ महतो 1 अंश वो सुरजी देवी पति जुगल महतो 1 अंश जाति कोयरी निवासी गोन्दलपुरा। | प्लॉट–1020 | प्लॉट–790 | प्लॉट–1022 | प्लॉट–794 |
| 642 | 5 | 790 | नीज | धान–III | 0.4 | आन्दु महतो रामचरण महतो बालेश्वर महतो पिता स्व0 दुखी महतो वो सहजू महतो पिता स्व0 बाना महतो साकिन देह। | प्लॉट–789 | प्लॉट–791 | प्लॉट–788 | प्लॉट–793 |
| 643 | 9 | 791 | नीज | धान–III | 0.38 | महेश राणा वो भूनेश्वर राणा पिता स्व0 बिगन राणा वो देवा राणा वो लक्ष्मुमण राणा वो धनी राणा वो मीठु राणा वो महेन्द्र राणा पिता स्व0 दिलचन्द राणा वो लालसहाय राणा वो कोमल राणा वो तिलक राणा पिता स्व0 भेखल राणा वो हिरू राणा वो भुनेश्वर राणा पिता स्व0 टेकल राणा वो मोगल राणा पिता स्व0 रीझन राणा निवास ग्राम गोन्दलपुरा | प्लॉट–790 | प्लॉट–786 | प्लॉट–787 | प्लॉट–792 |
| 644 | 13 | 792 | नीज | धान–III | 0.37 | भीखु राणा पिता स्व0 बंधन राणा वो नेपाल राणा पिता स्व0 बंशी राणा वो पुरन राणा, सीताराम राणा, जनार्दन राणा पिता स्व0 उतीम राणा वो गुलाबी राणा पिता स्व0 बुधन राणा वो फागुन राणा पिता स्व0 खुशी बढ़ही, वो देयाल राणा फुटानी राणा, गोविन्द राणा, पिता स्व0 सोना राणा, वो दुलारी देवी पति स्व0 रामेश्वर राणा, घमन राणा, लालो राणा, जुगल राणा पिता स्व0 खेदन राणा वो गोबिन्द राणा, अशोक राणा, मनोज राणा पिता स्व0 कमल राणा वो दशरथ राणा, बिन्दु राणा पिता स्व0 कोल्हा राणा, ईश्वरी राणा, हारो राणा पिता स्व0 जीतन राणा वो महेश राणा, नरेश राणा पिता स्व0 बिगन राणा वो देवा राणा, लक्ष्मण राणा, धनी राणा, मीठु राणा, महेन्द्र राणा पिता स्व0 दिलचन्द राणा वो लालसहाय राणा, कोमल राणा, तिलक राणा पिता स्व0 भेखल राणा, हिंद राणा, भूनेश्वर राणा पिता स्व0 टेकन राणा वो मोगल राणा पिता स्व0 रिझन राणा वो तुलसी राणा, खेमलाल राणा, प्रभु राणा, महाबीर राणा पिता स्व0 जग्रनाथ राणा वो दुखन राणा पिता स्व0 लेदो राणा साकिन देह। | प्लॉट–793 | प्लॉट–784 | प्लॉट–791 | प्लॉट–795 |
| 645 | 13 | 793 | नीज | धान–III | 0.29 | भीखु राणा पिता स्व0 बंधन राणा वो नेपाल राणा पिता स्व0 बंशी राणा वो पुरन राणा, सीताराम राणा, जनार्दन राणा पिता स्व0 उतीम राणा वो गुलाबी राणा पिता स्व0 बुधन राणा वो फागुन राणा पिता स्व0 खुशी बढ़ही, वो देयाल राणा फुटानी राणा, गोविन्द राणा, पिता स्व0 सोना राणा, वो दुलारी देवी पति स्व0 रामेश्वर राणा, घमन राणा, लालो राणा, जुगल राणा पिता स्व0 खेदन राणा वो गोबिन्द राणा, अशोक राणा, मनोज राणा पिता स्व0 कमल राणा वो दशरथ राणा, बिन्दु राणा पिता स्व0 कोल्हा राणा, ईश्वरी राणा, हारो राणा पिता स्व0 जीतन राणा वो महेश राणा, नरेश राणा पिता स्व0 बिगन राणा वो देवा राणा, लक्ष्मण राणा, धनी राणा, मीठु राणा, महेन्द्र राणा पिता स्व0 दिलचन्द राणा वो लालसहाय राणा, कोमल राणा, तिलक राणा पिता स्व0 भेखल राणा, हिंद राणा, भूनेश्वर राणा पिता स्व0 टेकन राणा वो मोगल राणा पिता स्व0 रिझन राणा वो तुलसी राणा, खेमलाल राणा, प्रभु राणा, महाबीर राणा पिता स्व0 जग्रनाथ राणा वो दुखन राणा पिता स्व0 लेदो राणा साकिन देह। | प्लॉट–794 | प्लॉट–792 | प्लॉट–790 | प्लॉट–795 |
| 646 | 13 | 793/I | नीज | धान–III | 0.04 | सिवरतीया देवी पति अकलु राणा निवास ग्राम गोन्दलपुरा। | प्लॉट–794 | प्लॉट–792 | प्लॉट–790 | प्लॉट–792 |
| 647 | 58 | 794 | नीज | धान–III | 0.0475 | श्रीकान्त निराला, इन्द्रनाथ महतो, सिकेन्दर दांगी, बिनोद कुमार दांगी पिता स्व0 रामदयाल महतो वो लखन महतो, भुखल महतो, मिठु महतो पिता स्व0 उदा महतो वो चेतनी कोईरीन माता स्व0 भीखनी कोईरीन वो फिरांगी महतो, बलकु महतो पिता स्व0 अर्जुन महतो सा0 देह। | प्लॉट–1020 | प्लॉट–793 | प्लॉट–789 | प्लॉट–803 |
| 648 | 58 | 794/I | नीज | धान–III | 0.0225 | प्रीति कुमारी पति सागर कुमार निवास ग्राम गोन्दलपुरा। | प्लॉट–1020 | प्लॉट–793 | प्लॉट–789 | प्लॉट–803 |
| 649 | 41 | 795 | नीज | धान–II | 0.245 | सुरेन्द्र भूईयां पिता स्व0 जगदिश भूईयां वो लिटा भूईयां, रेवा भूईया पिता स्व0 मुटका भूइयां साकिन देह। | प्लॉट–794 | प्लॉट–796 | प्लॉट–793 | प्लॉट–801 |
| 650 | 41 | 795/I | नीज | धान–II | 0.06 | दयाल राणा पिता सोना राणा निवास ग्राम गोन्दलपुरा। | प्लॉट–794 | प्लॉट–796 | प्लॉट–793 | प्लॉट–801 |
| 651 | 41 | 795/II | नीज | धान–II | 0.145 | श्रीकान्त निराला वो इन्द्रनाथ महतो वो सिकन्दर कुमार दांगी वो विनोद कुमार दांगी पिता रामदयाल महतो वो लखन महतो वो भूखल महतो वो मिठू महतो माता मोहरी देवी एवं पिता स्व0 उदा महतो निवास ग्राम गोन्दलपुरा | प्लॉट–794 | प्लॉट–796 | प्लॉट–793 | प्लॉट–801 |
| 652 | 41 | 795/III | नीज | धान–II | 0.07 | गुलिया देवी पति मिठू महतो निवास ग्राम गोन्दलपुरा | प्लॉट–794 | प्लॉट–796 | प्लॉट–793 | प्लॉट–801 |
| 653 | 41 | 796 | नीज | परती कदीम | 0.01 | सुरेन्द्र भूईयां पिता स्व0 जगदिश भूईयां वो लिटा भूईयां, रेवा भूईया पिता स्व0 मुटका भूइयां साकिन देह। | प्लॉट–795 | प्लॉट–797 | प्लॉट–792 | प्लॉट–798 |
| 654 | 41 | 797 | नीज | धान–III | 0.11 | सुरेन्द्र भूईयां पिता स्व0 जगदिश भूईयां वो लिटा भूईयां, रेवा भूईया पिता स्व0 मुटका भूइयां साकिन देह। | प्लॉट–796 | प्लॉट–784 | प्लॉट–792 | प्लॉट–798 |
| 655 | 23 | 798 | नीज | धान–III | 0.33 | बिगन तुरी पिता स्व0 हरदयाल तुरी वो गुरूदयाल तुरी पिता स्व0 जीरवा तुरी वो सुदामा तुरी, कोमल तुरी, जीतन तुरी पिता स्व0 अमर तुरी वो सहदेव तुरी, अशोक तुरी गणेश तुरी, सुनील पिता स्व0 पुसन तुरी वो रघु तुरी वो ईश्वर तुरी, चेतलाल तुरी, रमेश तुरी पिता स्व0 किशुन तुरी वो जगदेव उर्फ वकील तुरी, बिन्दु तुरी, नारायण तुरी, छोटे तुरी, बलदेव तुरी पिता स्व0 जदु तुरी वो चमन तुरी वो लटन तुरी पिता स्व0 जगन तुरी वो बासुदेव तुरी पिता स्व0 मगन तुरी वो दशमी देवी पति उगन तुरी वो कोल्हा तुरी पति स्व0 गंदौरी तुरी वो भीखारी तुरी वो रामधनी तुरी पिता हिरवा तुरी निवास ग्राम गोन्दलपुरा। | प्लॉट–799 | प्लॉट–784 | प्लॉट–797 | प्लॉट–812 |
| 656 | 23 | 799 | नीज | धान–III | 0.0225 | बिगन तुरी पिता स्व0 हरदयाल तुरी वो गुरूदयाल तुरी पिता स्व0 जीरवा तुरी वो सुदामा तुरी, कोमल तुरी, जीतन तुरी पिता स्व0 अमर तुरी वो सहदेव तुरी, अशोक तुरी गणेश तुरी, सुनील पिता स्व0 पुसन तुरी वो रघु तुरी वो ईश्वर तुरी, चेतलाल तुरी, रमेश तुरी पिता स्व0 किशुन तुरी वो जगदेव उर्फ वकील तुरी, बिन्दु तुरी, नारायण तुरी, छोटे तुरी, बलदेव तुरी पिता स्व0 जदु तुरी वो चमन तुरी वो लटन तुरी पिता स्व0 जगन तुरी वो बासुदेव तुरी पिता स्व0 मगन तुरी वो दशमी देवी पति उगन तुरी वो कोल्हा तुरी पति स्व0 गंदौरी तुरी वो भीखारी तुरी वो रामधनी तुरी पिता हिरवा तुरी निवास ग्राम गोन्दलपुरा। | प्लॉट–800 | प्लॉट–798 | प्लॉट–795 | प्लॉट–811 |
| 657 | 23 | 799/I | नीज | धान–III | 0.0275 | धर्मेन्द्र कुमार पिता नान्हु राणा निवास ग्राम गोन्दलपुरा | प्लॉट–800 | प्लॉट–798 | प्लॉट–795 | प्लॉट–811 |
| 658 | 23 | 799/II | नीज | धान–III | 0.04 | कविता देवी पति सिकेन्दर राणा निवास ग्राम गोन्दलपुरा | प्लॉट–800 | प्लॉट–798 | प्लॉट–795 | प्लॉट–811 |
| 659 | 23 | 800 | नीज | धान–III | 0.13 | ज्ञानी राणा वो अर्जुन कुमार राणा पिता खेमलाल राणा निवास ग्राम गोन्दलपुरा | प्लॉट–801 | प्लॉट–799 | प्लॉट–795 | प्लॉट–811 |
| 660 | 23 | 801 | नीज | धान–III | 0.0825 | बिगन तुरी पिता स्व0 हरदयाल तुरी वो गुरूदयाल तुरी पिता स्व0 जीरवा तुरी वो सुदामा तुरी, कोमल तुरी, जीतन तुरी पिता स्व0 अमर तुरी वो सहदेव तुरी, अशोक तुरी गणेश तुरी, सुनील पिता स्व0 पुसन तुरी वो रघु तुरी वो ईश्वर तुरी, चेतलाल तुरी, रमेश तुरी पिता स्व0 किशुन तुरी वो जगदेव उर्फ वकील तुरी, बिन्दु तुरी, नारायण तुरी, छोटे तुरी, बलदेव तुरी पिता स्व0 जदु तुरी वो चमन तुरी वो लटन तुरी पिता स्व0 जगन तुरी वो बासुदेव तुरी पिता स्व0 मगन तुरी वो दशमी देवी पति उगन तुरी वो कोल्हा तुरी पति स्व0 गंदौरी तुरी वो भीखारी तुरी वो रामधनी तुरी पिता हिरवा तुरी निवास ग्राम गोन्दलपुरा। | प्लॉट–802 | प्लॉट–800 | प्लॉट–795 | प्लॉट–811 |

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों को सुनने और अधिनियम सं0 30 / 2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जॉच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत हैः

ग्राम चन्दौल, थाना बड़कागॉव, थाना सं0 129, अंचल बड़कागॉव, जिला हजारीबाग क्षेत्रफल 161.99 एकड़ यानि 65.55 हेक्टेयर जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी, हजारीबाग के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन योजना के सार नीचे दिये गये हैः–

*1- RFCTLARR Act- 2013* के अनुसूची–I के अनुसार भूमि एवं परिसम्पति का मुआवजाः–

**(क) भूमि का मुआवजा**– प्रति एकड 24,56,986.00 रूपये (गुणाक घटक–2, सोलेशियम 100 प्रतिशत एवं तीन वर्ष की ब्याज की राशि सहित) देय होगा।

**(ख) भूमि पर अवस्थित परिसम्पतियों का मुआवजा**–संबंधित विभाग के द्वारा मुल्यांकन के पश्चात् मुल्यांकित राशि सोलिशियम सहित अर्थात मुल्यांकित राशि का दोगुना मुआवजा के रूप में प्रदान की जायेगी।

*2- RFCTLARR Act- 2013* के अनुसूची–II के अनुसार पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन संबंधी उपबंध / हकदारियॉ–

| कंडिका | पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन संबंधी उपबंध / हकदारियॉ। |
|---|---|
| 1. | **विस्थापन की दशा में आवासन इकाईयों की व्यवस्थाः–**<br>**विकल्प** – **विस्थापित परिवारों को दिये जाने वाले लाभ**<br>विकल्प–1 – • 10 लाख रू0 प्रति परिवार स्वः स्थानांतरण (Self Re- location) की स्थिति में।<br>विकल्प–2 – • पुनर्वास कॉलोनी में निर्मित मकान।<br>विकल्प–3 – • पुनर्वास कॉलोनी में उपलब्धता के अनुसार एक प्लॉट।<br>• 7,00,000/- रू0 पुनर्वास कॉलोनी में मकान के बदले। |
| 2. | **भूमि के लिए भूमि** :– लागू नहीं |
| 3. | **विकसित भूमि के लिए प्रस्थापना** :–लागू नहीं। |
| 4. | **रोजगार / वार्षिक वृतिः–**<br>➢ प्रभावित परिवार के एक सदस्य को समुचित प्रशिक्षण एवं कौशल विकास करने के पश्चात् योग्यता, अहर्ता एवं कम्पनी की आवश्यकता अनुसार नियोजित किया जायेगा।<br>अथवा<br>➢ प्रभावित परिवार को एक मुश्त 5,00,000/- (पांच लाख रूपये) देय होगा।<br>अथवा<br>➢ प्रभावित परिवार को नियमानुसार 2,000/- (दो हजार रूपये) प्रतिमाह 20 वर्ष तक वार्षिक वृति देय होगा। |
| 5. | **विस्थापित कुटुंबों के लिए एक वर्ष की अवधि तक जीवन–निर्वाह अनुदानः–**<br>➢ प्रत्येक विस्थापित कुटुंबों को एक वर्ष तक 3,000/- रू0 प्रति माह जीवन निर्वाह अनुदान प्रदान किया जायेगा। |
| 6. | **विस्थापित कुटुंबों के लिए परिवहन खर्चः–**<br>➢ प्रत्येक विस्थापित कुटुंबों को 50,000/- रू0 प्रति परिवार परिवहन खर्च देय होगा। |
| 7. | **पशुबाड़ा खर्चः–**<br>➢ पशुबाडा हेतु प्रत्येक विस्थापित कुटुंम्ब को वित्तीय सहायता के रूप में 35,000/- रू0 देय होगा। |
| 8. | **कारीगरों, छोटे व्यापारियों, छोटी दुकान और कतिपय अन्य को एक बारगी अनुदानः–**<br>➢ कारीगर, छोटे व्यापारी, छोटे दुकान रखने वाले या स्वनियोजित व्यक्ति के प्रत्येक प्रभावित परिवार या ऐसे परिवार जिसके स्वामित्वधीन प्रभावित क्षेत्र में गैर–कृषिक भूमि या वाणिज्यक, औद्योगिक या संस्थागत ढ़ांचा है तो ऐसे प्रभावित व्यक्ति को एक बारगी वित्तीय सहायता के रूप में प्रोत्साहन राशि 25,000/- (पच्चीस हजार रूपये) दिया जायेगा। |
| 9. | **मछली पकड़ने का अधिकारः– लागू नहीं।** |
| 10. | **एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ताः–**<br>➢ प्रत्येक प्रभावित परिवार को एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता के रूप में50,000/- (पचास हजार रूपये) एक मुश्त भुगतान किया जायेगा। |
| 11. | **स्टांप शुल्क और रजिस्ट्रीकरण शुल्कः–**<br>➢ प्रभावित परिवारों को आबंटित भूमि या मकान के रजिस्ट्रीकरण के लिए संदेय स्टांप शु ल्क और अन्य फीस का वहन अडानी इन्टरप्राईजेज लि0 के द्वारा किया जायेगा।<br>➢ प्रभावित परिवारों को आबंटित मकान के लिए भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होगी।<br>➢ आबंटित भूमि या मकान प्रभावित परिवार की पत्नी और पति दोनों के संयुक्त नाम में हो सकेगा। |

3. पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन कॉलोनी में अवसंरचनात्मक सुविधाएॅ / सहुलियतें एवं संसाधानः– *RFCTLARR Act- 2013* के अनुसूची–III के अनुसार उपलब्ध कराये जायेगें।

**अन्य लाभः**– उपर्युक्त मुआवजा / सुविधाओं के अलावा अन्य लाभ भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के अनुसार प्रभावित परिवारों को प्रदान किया जायेगा।

ह0 / –
उपायुक्त सह समुचित सरकार,
हजारीबाग।

**PR 335840Land Reforms(24-25)#D**

## सुदेश को लेकर वायरल हो रहा यह फेसबुक पोस्ट

रांची : आजसू सुप्रीमो और सिल्ली विधायक सुदेश महतो को उन्हीं के इलाके सिल्ली में घेरने की रणनीति चल रही है. जेबीकेएसएस से जुड़े राजू सिल्ली नामक युवक ने एक पोस्ट डाला है. जिसमें लिखा है कि 25 साल कम नहीं होते. सात सालों तक जल संसाधन विभाग मंत्रालय, फिर भी सिल्ली के किसानों को पलायन करना पड़ रहा है ? राढ़ू डैम और जलाशयों का निर्माण नहीं होने के लिए कौन है जिम्मेदार? इस पोस्ट के साथ एक गाना भी चलाया जा रहा है, जिसके बोल हैं- दुनिया भर को धोखा देकर कोई नहीं बच पायेगा....इस पोस्ट को 1.2 हजार व्यूज मिल चुके हैं. जिस व्यक्ति ने यह पोस्ट किया है, उसका परिवार कभी आजसू से जुड़ा रहा था. उसके परिवार ने महिला आजसू में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभायी, लेकिन अब वह जेबीकेएसएस से जुड़ गया है. उल्लेखनीय है कि सुदेश महतो सिल्ली से विधायक हैं. पिछले 25 सालों में चार बार सुदेश महतो ही विधायक रहे हैं. इस दौरान सुदेश महतो उप मुख्यमंत्री तक की कुर्सी तक पहुंचे. उनके रिश्तेदार चंद्र प्रकाश चौधरी अलग-अलग सरकारों में सात साल तक जल संसाधन मंत्री रहे हैं. पोस्ट में इसी पर सवाल उठाया जा रहा है कि इस सबके बाद भी सिल्ली के किसानों की जमीन के लिए पानी की व्यवस्था क्यों नहीं की गयी. क्यों आज भी सिल्ली के किसान पलायन करने को मजबूर हैं.

## छह इंस्पेक्टर का एसएसपी ने किया तबादला

रांचीः एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने छह इंस्पेक्टर रैंक के पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है. इससे संबंधित आदेश सोमवार को एसएसपी कार्यालय से जारी किया गया है. जारी आदेश के मुताबिक, राम कुमार वर्मा को बुंडू थाना, विमल किंडो को धुर्वा, आलोक सिंह को अरगोड़ा, अनिल कुमार तिवारी को ओरमांझी और दिग्विजय सिंह को जगन्नाथपुर थाना प्रभारी बनाया गया है. जबकि आनंद कुमार मिश्रा को पुलिस केन्द्र रांची में पदस्थापित किया गया.

## हाईकोर्ट ने स्टेट बार काउंसिल को दी जगह, जल्द खुलेगा एक्सटेंशन ऑफिस

रांची : झारखंड हाईकोर्ट में स्टेट बार काउंसिल का एक्सटेंशन ऑफिस जल्द ही खुलेगा. स्टेट बार काउंसिल के एक्सटेंशन ऑफिस के लिए हाईकोर्ट ने जगह उपलब्ध करा दी है. हाईकोर्ट के दूसरे टाइपिस्ट ब्लॉक के ग्राउंड फ्लोर पर एक्सटेंशन ऑफिस के लिए जगह उपलब्ध कराया गया है. एक्सटेंशन ऑफिस खुलने से हाईकोर्ट के वकीलों को काउंसिल से जुड़े काम कराने में काफी सुविधा होगी. स्टेट बार काउंसिल के लिए जो जगह हाईकोर्ट ने दी है, उसके लिए कुछ शर्तें भी रखी गई है.

## पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को दूसरे जेल में किया गया शिफ्ट, कारोबारियों से लगातार मांग रहा था लेवी

रांची : पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को रांची से पलामू जेल में शिफ्ट किये जाने की खबर है. सोमवार की सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिनेश गोप को जेल में शिफ्ट किया गया है. सूत्रों के अनुसार रांची जेल में बंद रहकर भी वह कारोबारियों से लेवी मांगने का काम कर रहा था. जिसके बाद जेल प्रशासन ने उसे दूसरे जेल में शिफ्ट करने का निर्णय लिया. बता दें कि दिनेश गोप को एनआइए ने 21 मई 2023 को दिल्ली से गिरफ्तार किया था. उसे ट्रांजिट रिमांड पर विमान से रांची लाया गया था. दिनेश गोप के खिलाफ झारखंड, बिहार और ओड़िशा में हत्या, अपहरण, धमकी, जबरन वसूली और पीएलएफआइ के लिए धन जुटाने से संबंधित 102 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं. झारखंड पुलिस द्वारा दिनेश गोप पर 25 लाख और एनआइए की ओर से पांच लाख... कुल 30 लाख इनाम घोषित था. एनआइए ने 22 मई 2023 को दिनेश गोप को कोर्ट में पेश किया था और 14 दिनों की रिमांड की मांग की थी. अदालत ने दिनेश गोप को आठ दिनों के रिमांड पर एनआइए को सौंपा था. पूछताछ के दौरान एनआइए ने दिनेश गोप की निशानदेही पर कई हथियार और गोलियां बरामद किये थे.

## मनोज कुमार बाबूलाल पुनमिया के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पीएमएलए कोर्ट में 82 चार्जशीटेड गवाहों में से 25 लोगों की हो चुकी है गवाही, हाईकोर्ट को दी गई जानकारी

रांचीः पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी मनोज कुमार बाबूलाल पुनमिया की ओर से दायर याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई. हाई कोर्ट की एकल पीठ के आदेश के आलोक में राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि मामले में 82 चार्जशीटेड गवाहों में से 25 लोगों की हो चुकी है. मधु कोड़ा के मामले में हाई कोर्ट ने निचली अदालत के ट्रायल पर रोक लगाई है इसलिए उनके मामले में ट्रायल नहीं चल रही है. ईडी ने बताया, मुख्य आरोपी मधु कोड़ा के खिलाफ हाईकोर्ट से निचली अदालत के ट्रायल पर रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में ईडी ने एसएलपी दायर की है. कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 25 अक्टूबर निर्धारित की है. दरअसल, हाई कोर्ट की एकल पीठ ने सरकार से मनोज कुमार बाबूलाल पुनमिया के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में निचली अदालत में चल रहे ट्रायल की वर्तमान स्थिति मांगी थी. बता दें कि मनोज पुनमिया की डिस्चार्ज पिटीशन को पीएमएलए की विशेष अदालत ने खारिज कर दिया था. इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है. मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मधु कोड़ा के अलावे अरविंद व्यास, मनोज कुमार बाबूलाल पुनमिया, अनिल बस्तावडे, विनोद सिन्हा, विकास सिन्हा आदि सात आरोपियों के खिलाफ ईडी ने ईसीआईआर 2/2009 दर्ज कराया था. मधु कोड़ा एवं अन्य पर करीब 3600 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है. फिलहाल इस मामले में पीएमएलए कोर्ट में गवाही चल रही है. नवंबर 2023 में हाई कोर्ट ने मामले में मधु कोड़ा के खिलाफ निचली अदालत के ट्रायल पर रोक लगा दी है.

## जेबीवीएनएल ने शुरू किया बिजली बिल माफ करने की प्रक्रिया, उपभोक्ताओं से अपील दलाल से बचें

रांचीः कैबिनेट में पारित प्रस्ताव के बाद झारखंड बिजली वितरण निगम ने बिजली बिल माफ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इसके तहत जेबीवीएनएल ने योजना का प्रचार-प्रसार भी करना शुरू कर दिया है. निगम की मानें तो मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाल योजना के तहत लोगों का बिजली बिल माफ किया जा रहा है. इसके तहत उपभोक्ताओं का बिजली बिल माफ किया जायेगा. उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ उठाने के लिये किसी तरह का आवेदन नहीं भरना है. सिर्फ उपभोक्ताओं को अपने नजदीकी बिजली कार्यालय में जाकर संबंधित अधिकारी से मिल कर इसकी जानकारी देनी होगी. जेबीवीएनएल ने लोगों से अपील की है कि इस योजना का लाभ लेने के लिये लोगों को किसी भी दलाल के चक्कर या आवेदन भरने की जरूरत नहीं है. बिजली कार्यालय के माध्यम से लोग इसकी जानकारी ले सकते है. वहीं, निगम की ओर से जारी व्हाट्सएप नंबर 9431135503 में संपर्क कर इसकी जानकारी ले सकते है. इस योजना के लागू होने के साथ ही लोगों को दो सौ यूनिट फ्री बिजली मिलने लगी है. जेबीवीएनएल ने इस योजना को भी लागू कर दिया है. बता दें योजना घरेलू उपभोक्ताओं के लिये है. निगम के पास वर्तमान में लगभग 49 लाख घरेलू उपभोक्ता है. जो इससे लाभान्वित हो सकते है.

## उदयातिथि के अनुसार मनाई जाएगी विश्वकर्मा पूजा

रांची. मंगलवार को भगवान विश्वकर्मा की पूजा करेंगे। भगवान विश्वकर्मा को हिन्दू ग्रंथों के अनुसार विश्व का पहला वास्तुकार और निर्माता माना जाता है। कन्या संक्रांति के दिन भगवान विश्वकर्मा की पूजा होती है। ज्योतिषियों और पंडितों के अनुसार मंगलवार को सुबह से ही शाम तक पूजा का शुभ मुहूर्त रहेगा। कारखानों, गेराजों और बिल्डरों के यहां वृहत स्तर पर पूजा की जाती है, जबकि वाहन मालिक अपने वाहनों की पूजा घरों पर करते हैं। मशीनों और उपकरणों के अलावा पार्ट-पुर्जों की भी पूजा की जाएगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान विश्वकर्मा की कृपा से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। व्यापार में तरक्की और उन्नति होती है। 17 सितंबर को सुबह से शाम तक पूजा की जा सकती है। पंडित रामदेव पांडेय के अनुसार विश्वकर्मा को साबुत चावल, फल, रोली, सुपारी, धूप, दीपक, रक्षा सूत्र, दही, मिठाई, शस्त्र अर्पित करें। फूल चढ़ाते हुए कहें हे भगवान विश्वकर्मा आएं और हमारी पूजा को स्वीकार करें। ऊं पृथिव्यै नम, ऊं अनंतम नम, ऊं कूमयि नम, ऊं श्री सृष्टतनया सर्वासिद्धया विश्वकर्माया नमो नम...मंत्र पढ़कर सभी चीजों पर रोली और अक्षत छिड़क दें। उसके बाद फूल चढ़ाएं और भगवान को भोग लगाएं और फिर जल पिलाएं।

# लगातार बारिश से टाटा से रांची तक डैमों और नदियों में पानी लबालब, मंत्री बन्ना ने तटीय क्षेत्रों में रहने वालों से की सावधानी बरतने की अपील

रांचीः सोमवार को और पिछले कुछ दिनों से जारी लगातार बारिश के कारण राजधानी से लेकर राज्य के दूसरे हिस्सों में डैमों और नदियों में पानी लबालब हो गया है. रांची में गेतलसूद डैम हो या टाटा की खरकई नदी, इनमें वाटर लेवल खतरे के निशान पर पहुंच गया है. स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता ने जमशेदपुर के तटीय क्षेत्रों में रहने वालों को सुरक्षित रखने की चिंता व्यक्त करते हुए पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को विशेष निर्देश जारी कर राहत एवं बचाव कार्य करने को कहा है.

सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने लिखा है कि लगातार तीन दिन से हो रही बारिश के कारण स्वणरिखा एवं खरकई नदी का जल स्तर बढ़ता जा रहा है. ये नदियां खतरे के निशान के करीब हैं. नदी तट पर रहने वाले लोगों से अनुरोध है कि सतर्क रहें. उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम को निर्देश देते हुए

उन्होंने कहा है कि मामले में सतर्कता बरतते हुए ऐसे पीड़ितों को चिह्नित करते हुए सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने का उपाय करें. साथ ही उनके दवाइयों, रहने और खाने का भी इंतजाम सुनिश्चित करें और राहत एवं बचाव कार्य चलाएं. उन्होंने तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की है. नदी में नहीं जाने का आग्रह किया है. साथ ही उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं अपने समर्थकों से भी क्षेत्र में भ्रमण कर पीड़ित परिवार का सहयोग करने का आह्वान किया है. गेतलसूद डैम, रांची में सोमवार को वाटर लेवल खतरे के निशान से 5 इंच ही कम रह गया है. इसकी क्षमता 1936-00 की है और सोमवार को 1931-03 पर पहुंच चुका है. इसी तरह से राज्य में करीब करीब सभी जगहों से भारी बारिश के कारण डैमों, तालाबों का वाटर लेवल खतरे के निशान के करीब पहुंचने, डैम का फाटक खोले जाने की खबरें आ रही हैं.

### एनडीआरएफ की टीम पहुंची धुर्वा डैम, लापता युवती की करेगी खोजबीन

एनडीआरएफ की टीम धुर्वा डैम पहुंची है. लापता युवती की तलाश करेगी. धुर्वा डैम में रविवार को प्रेम प्रसंग में एक युवती के कूदकर आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है. युवती का चप्पल और स्कूटी डैम के फाटक के पास से नगड़ी पुलिस ने बरामद किया है. घटना के संबंध में बताया गया कि युवती धुर्वा की रहनेवाली है और शनिवार की रात में ढाई बजे अपने घर से बिना किसी को कुछ बताए स्कूटी लेकर निकली थी. उसके घर से निकलने की जानकारी होते ही परिजन उसे आसपास खोजने लगे. खोजते हुए जब वे डैम की ओर गए तो उन्हें युवती की चप्पल और स्कूटी खड़ी मिली. परिजन डैम में युवती द्वारा छलांग लगाने की आशंका से घबराकर धुर्वा थाना पहुंचे वहां उन्हें बताया गया कि मामला नगड़ी थाना का है. इसके बाद वे रविवार की सुबह साढ़े चार बजे नगड़ी थाना पहुंचे और घटना की जानकारी दी. पुलिस द्वारा एनडीआरएफ की टीम को सूचना दी गई थी, परंतु वह शाम में डैम पहुंची. शाम में अंधेरा होने के कारण युवती की तलाश नहीं की गई थी. वह ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी कर घर में ही रहकर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी.

### आज से मिलेगी राहत

जानकारी हो कि बांग्लादेश और आसपास के क्षेत्रों में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन का प्रभाव से झारखंड समेत अन्य हिस्सों में पड़ रहा है. साइक्लोनिक सर्कुलेशन के निम्न दबाव में तब्दील होकर पश्चिम उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है.
मौसम विभाग की माने तो 17 सितंबर तक बारिश से राहत मिलने की संभावना है.

# ओरमांझी के गणेशपुर निवासी नीलमोहन बेदिया का शव कुएं से बरामद, परिजनों ने लगाया हत्या करने का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

**ओरमांझी(मोहसीनआलम):** ओरमांझी थाना क्षेत्र के गणेशपुर निवासी देवन बेदिया का 27 वर्षीय पुत्र नीलमोहन बेदिया का शव सोमवार क़ो बरतुआ और गणेशपुर गांव के सीमाना पर स्थित झाड़ियों से ढका एक कुएँ से बरामद किया गया,परिवार वाले व ग्रामीणों ने हत्या की आंशका जताई हैं.ग्रामीणों व परिजनों ने बताया उक्त युवक 14 सितम्बर क़ो करमा पुजा अखरा में पुरा लाईट लगाया था और रात्रि ग्यारह बजे तक पुजा में मौजूद था.किन्तु पुजा के बाद यहां परम्परा के अनुसार रात्रि में ही करमा डाली का पुजा स्थल के कुछ ही दुरी पर विसर्जन किया गया उस वक्त उक्त युवक को ग्रामीणों ने नहीं देखा तब से ही परिजनों व ग्रामीण लगातार खोज बीन करते रहे, वो की खोजबीन के लिए व्हाट्सएप व फेसबुक सभी जगहों पर साझा किया गया, इसी बीच सोमवार को सुबह बरतुआ गणेशपुर सीमाना के पास ग्रामीणों को मोबाइल और चप्पल मिला और कुछ आगे एक झाड़ी से ढंका कुआं में नीलमोह बेदिया का शव को देखा गया,जिसकी जानकारी युवक के परिजनों के साथ ओरमांझी पुलिस प्रशासन को दि गई,पुलिस ने पहल करते हुए शव को ग्रामीणों के सहयोग से कुआं से बाहर निकाल अपने कब्जे में लेकर रिम्स में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा.परिजनों का रो रो कर बुरा हाल बना था. परिवार और ग्रामीण आरोप लगा रहे हैं उक्त युवक की हत्या कर कुएँ में डाल दिया गया है इसकी जांच करने की गुहार लगा रहे थे.वहीं पुलिस मामले की ताबीज में छूट गई है।

## एनआईए का झारखंड पुलिस से अनुरोध, डीएसपी रैंक के अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर भेजें

रांची : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने झारखंड पुलिस से डीएसपी रैंक के अफसरों को प्रतिनियुक्ति पर भेजने का अनुरोध किया है. इस संबंध में एनआईए ने मुख्य सचिव और डीजीपी को पत्र लिखा है. पत्र में कहा गया है कि 17 डीएसपी की एनआईए के विभिन्न ब्रांचों में प्रतिनियुक्ति की जायेगी. प्रतिनियुक्ति एनआईए के दिल्ली, रांची, गुवाहाटी, हैदराबाद, मुंबई, लखनऊ, कोलकाता, कोच्चि, रायपुर, चंडीगढ़, इंफाल, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, जयपुर, पटना और अहमदाबाद में होगी.

### आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 अक्टूबर तक

विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर फॉर्म भरे जाने हैं. 22 अक्टूबर तक आवेदन करने की अंतिम तिथि है. इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 17 पद भरे जाने हैं. इन पदों पर बहाली डेपुटेशन के आधार पर की जायेगी. एनआईए में डीएसपी के पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास किसी भी क्षेत्र में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए और कम से कम तीन वर्ष का कार्य अनुभव होना चाहिए.

## 45 दिन में डेंगू के 264 केस मिले

रांची. 45 दिनों में ही 264 से ज्यादा केस मिल चुके हैं। अस्पतालों के ओपीडी में भी रोगियों की संख्या बढ़ रही है। लक्षण के अनुसार डॉक्टर लगभग 60 से 65% मरीजों को डेंगू व मलेरिया जांच की सलाह दे रहे हैं। लेकिन अधिकांश मामलों में जांच रिपोर्ट में भी संक्रमण की पुष्टि नही हो रही। राज्य के सरकारी व प्राइवेट ब्लड बैंकों व अस्पतालों से प्लेटलेट के आंकड़े निकाले। पता चला कि राज्य के 21 जिले ऐसे हैं जहां प्लेटलेट का एक यूनिट भी उपलब्ध नही है। समाजसेवी और रक्तदान के लिए समर्पित संस्था लाइफ सेवर्स के संस्थापक अतुल गेरा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लोगों से प्लेटलेट डोनेट करने की अपील की। लिखा कि डेंगू हमारे रांची शहर में विकराल रूप ले रहा है। झारखंड के 21 जिलों में प्लेटलेट नहीं मिलने के कारण बहुत सारे मरीज रांची आ रहे हैं और बहुत एसडीपी रक्तदाताओं की जरूरत पड़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सिर्फ डेंगू का प्रकोप ही नहीं बल्कि राज्य में चिकनगुनिया और जापानी बुखार के मामले भी बढ़े हैं। रिम्स के फिजिशियन डॉ. संजय सिंह ने कहा कि निगेटिव रिपोर्ट के बाद भी रोगियों को ल्यूकोसाइट (व्हाइट ब्लड सेल) काउंट कम हो रहे हैं। यह गिरकर 2 हजार से भी कम हो जा रहे हैं।

# रांची नगर आयुक्त ने पंचशील नगर जलजमाव का किया निरीक्षण

रांचीः लगातार हो रही भारी वर्षा से रांची नगर निगम के कई क्षेत्रों में जल-जमाव की स्थिति बन गई. जिसे लेकर आम नागरिकों ने नगर आयुक्त संदीप सिंह को वार्ड 33 में पंडरा रोड स्थित पंचशील नगर में जल-जमाव की समस्या से अवगत कराया गया. सोमवार को नगर आयुक्त ने पंचशील नगर में जल जमाव की स्थिति का निरीक्षण संबंधित टीम के साथ किया. नगर आयुक्त ने निगम के अभियाताओं को भविष्य में उक्त क्षेत्र में जल-जमाव ना हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया. साथ ही शांति नगर

एवं पंचशील नगर के कनेक्टिंग नालियों को साफ करते हुए पानी के बहाव के लिए रास्ता बनाने का निर्देश दिया गया. इसके साथ ही स्वच्छता शाखा की टीम को लगातार नालियों की सफाई करने का निर्देश दिया गया. इसके बाद नगर आयुक्त ने रांची नगर निगम की टीम को पूरे निगम क्षेत्र का भ्रमण कर, जहां कहीं भी जल-जमाव की स्थिति उत्पन्न हुई हो, उसे त्वरित ठीक करने का निर्देश दिया. मौके पर नगर प्रबंधक, निगम के अभियंता, जोनल सुपरवाइजर, वॉर्ड सुपरवाइजर और अन्य कर्मी उपस्थित थे. बता दें कि निगम ने जलजमाव की स्थिति की शिकायत के लिए नंबर 1800 570 1235 जारी किया है. जिसपर लोग अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं.

## एदलहातु में डायरिया प्रभावित गांव का जायजा लेने पहुंचे एसडीओ बुंडू, पीड़ित परिवारों से मिले

रांचीः प्रखण्ड क्षेत्र के एदलहातु अन्तर्गत बड़कोलमा गांव में डायरिया होने के पश्चात आज तीसरे दिन अनुमंडल पदाधिकारी बुंडू मोहनलाल मरांडी तथा अनुमंडलीय अस्पताल के डिप्टी सुप्रिडेंटेंट डॉ दिलीप कुमार पासवान द्वारा सम्बधित क्षेत्र का दौरा किया. अनुमंडलीय अस्पताल के डॉ. मधु तमवार के नेतृत्व में आज भी मेडिकल टीम ने घर घर जाकर सभी का स्वास्थ्य आदि का जायजा लिया. अनुमंडल अस्पताल उपाधिक्षक द्वारा बताया गया की सभी प्रभावित छेत्र में ब्लीचिंग आदि का सहिया के माध्यम से वितरण किया गया है. सभी को पानी गरम करके ही तथा साफ़ सफ़ाई में रहने का सुझाओ दिया गया है. मौके पर संबंधित छेत्र की सभी कर्मी, ईश्वर दयाल ,अमन कुमार, बीटीटी जितेंद्र महतो आदि मौजूद थे.

## जमीन के लिए पैसा लेने वाले परवेज को देना होगा 12 लाख वापस

रांचीः रांची सिविल कोर्ट ने चेक बाउंस में सजायाफ्ता हिंदपीढ़ी निवासी परवेज आलम की सजा को बरकरार रखते हुए उसकी क्रिमिनल अपील खारिज कर दी है. सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने अपीलकर्ता के विरूद्ध दोष सिद्धि के निर्णय और सजा के आदेश की पुष्टि कर दी है. परवेज को न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडे की अदालत ने 5 जुलाई 2024 को चेक बाउंस के आरोप में दोषी करार देते हुए परवेज आलम को एक साल की सजा सुनाई थी और 12 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था. परवेज ने हिंदपीढ़ी निवासी मो. अर्श से 5.50 डिसमिल जमीन दिलाने के एवज में 31 अक्तूबर 2017 को पैसा लिया था. लेकिन पैसे लेने के बावजूद उसे जमीन नहीं दिया. जमीन के एवज में लिए पैसे वापस करने के लिए उसने 4 जनवरी 2022 को अर्शी को 10.30 लाख रुपए का चेक दिया.

# झारखंडी परिवेश का होगा आरआर स्पोर्टिंग का दुर्गा पूजा पंडाल

रांचीः आरआर स्पोर्टिंग क्लब दुर्गा पूजा समिति का पूजा पंडाल इस बार भी अनूठा होगा. दर्शनार्थी यहां मां दुर्गा और अन्य देवी देवताओं की कलात्मक प्रतिमाओं का दर्शन तो करेंगे ही, साथ ही उन्हें वन्य जीवन और झांरखंडी परिवेश की झलक भी मिलेगी. समिति के विक्की यादव ने बताया कि पंडाल का अवलोकन करते ही अभिवादन जोहार के साथ गांव की संस्कृति, लोकनृत्य, पारंपरिक हथियार, वाद्ययंत्र आदि की मनोहारी छटा देखते ही बनेगी. पंडाल का बाह्य साज-सज्जा में झारखंड के वन्य जीवन को दर्शाया जाएगा. कुम्हार के चाक पर बनते मिट्टी के बर्तन, हाथी, घोड़ा और अन्य जीव का खूबसूरत नजारा होगा.
सोहराय पेंटिंग, छऊ नृत्य मंडली के साथ राज्य के महापुरुषों की आकृतियों का अलग आकर्षण रहेगा.

उन्होंने बताया कि इस बार पूजा में लगभग 45 लाख रुपया खर्च आने का अनुमान है. पश्चिम बंगाल के 50 कारीगर और मजदूर 60 फीट लंबे, 70 फीट चौड़े और 50 फीट उंचे पंडाल को जमीनी रूप देने में लगे हैं. उन्होंने बताया कि आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ कई तोरण द्वार बनाए जाएंगे, जिसकी खूबसूरती का अलग आकर्षण रहेगा. विक्की ने बताया कि क्लब के पदाधिकारी और सदस्य व्यवस्था बनाए रखने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा का खास ख्याल रखेंगे.

# 18 सितंबर से शुरू हो रहा पितृपक्ष, पितृपक्ष में एक नहीं दो-दो ग्रहण

रांची । पूर्वजों को समर्पित पितृपक्ष भाद्रपद पूर्णिमा 18 सितंबर बुधवार से शुरू हो रहा है। इस दौरान लोग पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करेंगे। शास्त्रों के अनुसार, श्राद्ध से तृप्त होकर पितृ गण समस्त कामनाओं को पूर्ण करते हैं। इसके अतिरिक्त, श्राद्धकर्ता से विश्वेदेव गण, पितृ गण, मातामह, तथा कुटुंबजन सभी संतुष्ट रहते हैं। 18 सितंबर को पहले श्राद्ध में चंद्रग्रहण लगने वाला है वहीं आखिरी श्राद्ध पर सुर्य ग्रहण लगने वाला है तो इस प्रकार इस बार पितृपक्ष में दो-दो ग्रहण लगने वाला है। पितृ पक्ष में पितृ लोग स्वयं श्राद्ध लेने आते हैं तथा श्राद्ध मिलने पर प्रसन्न होते हैं। पितृपक्ष में

गया श्राद्ध का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यताओं के अनुसार, गया में श्राद्ध कर्म, तर्पण और पिंडदान करने से व्यक्ति पितृ ऋण से मुक्त हो जाता है। स्वयं भगवान राम और माता सीता गया जी आए थे और पिता महाराज दशरथ को श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान किया था। तब से परंपरा चली आ रही है। भाद्रपद की पूर्णिमा से आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक पूरे 15 दिन पूर्वजों के लिए तर्पण करने का विधान है। पं. विवेकानंद पांडेय ने बताया कि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा का आगमन 17 सितंबर मंगलवार को दिन में 11 बजे हो रहा है, जो 18 सितंबर बुधवार को दिन में 8.41 बजे समाप्त हो जाएगा। इसी दिन यानी 18 सितंबर दिन से महालया शुरू होगा व लोग पितरों को तर्पण देना शुरू करेंगे। पूर्णिमा से अमावस्या तक 15 दिन जल देने का विधान है।
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पितृ पक्ष के 16 दिन बहुत खास होते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पितृ दोष का असर सुख समृद्धि में अवरोध उत्पन्न करते हैं। और व्यक्ति को कई तरह के संकटों का सामना करना पड़ता है। आपके घर में पितृ दोष है या नहीं इस संबंध में पंडित क्या कहते हैं इस रिपोर्ट में जानिए। पंडित रामदेव पांडे का कहना है कि पितृपक्ष की शुरुआत पूर्णिया से होती है और अमावस्या को इनका समापन होता है इस दौरान लोग अपने पितरों के निमित्त टी आश्विन कृष्ण पक्ष में तर्पण और श्राद्ध कर्म करते हैं पितृ पक्ष के पहले कुछ ऐसे संकेत भी देखने को मिलते हैं जिनके दिखाने से पता लगाया जा सकता है कि आपके घर में पितृ दोष है या नहीं। घर में अचानक पीपल का पौधा उगना घर के आस-पास कुत्तों का रोना और तुलसी के पौधों का अचानक सुखना मुख्य संकेत है।
आचार्य पंडित प्रणव मिश्रा का कहना है कि ऐसा माना जाता है कि जिन लोगों के घर में यह संकेत दिखाई दिन उन्हें सावधान हो जाना चाहिए पितृ दोष निवारण के लिए किसी जान का पुरोहित से पूजा पाठ और पितरों का श्राद्ध कर्म करवाना चाहिए इसके अलावा पिंडदान के लिए पितृपक्ष का समय भी शुभ माना जाता है। अगर पितृ नाराज है तो उनका विधि विधान से श्राद्ध कर्म करना चाहिए ताकि उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हो।

## ट्रक ने एक ही परिवार के 3 लोगों को रौंदा: हादसे में दादी-पोती की मौके पर मौत, एक महिला गंभीर रूप से घायल; घटना के विरोध में रोड जाम

पटना. पटना के रानी तालाब थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक ने एक ही परिवार को 3 लोगों को रौंद दिया। हादसे में दादी-पोती की मौके पर ही मौत हो गई। एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई हैं। घटना बिहटा-औरंगाबाद हाइवे के पकरौंधा गांव के पास की है। मृतका की पहचान दादी झरोखा देवी(65) और पोती कामती कुमारी(10) के तौर पर हुई। जबकि घायल महिला चंपा देवी(65) को इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया गया है। खेत से घर लौटते समय हादसा हुआ है। वहीं, घटना के विरोध में लोगों ने सड़क जाम कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रदर्शनकारी उचित कार्रवाई की मांग पर अड़े। काफी मशक्कत के बाद 4 घंटे बाद सड़क जाम हटाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना प्रभारी दुर्गेश कुमार गहलोत ने बताया कि एक महिला और बच्ची की मौत हुई है। घायल महिला का इलाज पटना में चल रहा है। ट्रक चालक को हिरासत में लिया गया है। लोगों ने रोड जाम कर दिया था। समझा-बुझाकर मामला शांत करा दिया गया है।

## नहर किनारे बाइक खड़ी कर नहर में लगाई छलांग

गोपालगंज. गोपालगंज के नगर थाना क्षेत्र के हरखूआ गांव के पास स्थित नहर में एक किशोर ने छलांग लगा दी। युवक के छलांग लगाते ही आसपास के लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया, जिसके बाद मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पाकर स्थानीय थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। एनडीआरएफ की टीम को इसकी सूचना दी गई है। सूचना मिलने पर पहुंची टीम युवक की तलाश में जुट गई है। लापता किशोर की पहचान मांझागढ़ थाना क्षेत्र के बहोरा टोला गांव निवासी जहांगीर अली के 17 वर्षीय बेटा बाबू अली के रूप में की गई। चाचा साबिर अली ने बताया कि वह बाइक पर सवार होकर अपने घर से बुआ के घर पैठान पट्टी गया था। वापस लौटने के दौरान नगर थाना क्षेत्र के हरखुआ गांव के पास पहुंचा और अपनी बाइक नहर के किनारे खड़ी कर दी, जिसके ऊपर उसने अपना मोबाइल, पर्स रख दिया। नहर के पास अपनी चप्पल खोल कर छलांग लगा दी। कुछ देर बाद जब उसके मोबाइल पर फोन किया गया तो अंजान युवक ने घटना की जानकारी दी। परिजन भी मौके पर पहुंच गए। बताया जाता है कि युवक को छलांग लगाता देख पास में मौजूद कुछ लड़कों ने देख लिया और शोर मचाया। मौके पर पहुंचे अन्य लोगों ने इसकी सूचना थाना को दी। सूचना पाकर नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। एनडीआरएफ की टीम को सूचना दी गई। टीम भी मौके पर पहुंच कर लगातार लापता युवक की तलाश कर रही है लेकिन अभी तक वह बरामद नहीं हो सका है। फिलहाल इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा है।

## कड़ी सुरक्षा के बीच हजरत पैगम्बर साहेब का जन्मदिवस मना: भागलपुर के कई इलाकों में निकाला गया जुलूस, भारी संख्या में लोग शामिल

भागलपुर. भागलपुर के विभिन्न इलाकों में सोमवार को हजरत पैगम्बर साहेब का जन्म-दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस मौके पर शहर और ग्रामीण इलाके से मुस्लिम समुदाय ने जुलूस निकाला। जुलूस में गाजा-बाजा, घोड़ा पर सवार और मोटरसाइकिल और छोटी वाहन पर सवार होकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने झंडा और निशान लेकर शहर भ्रमण किया। सुल्तानगंज से निकल कर ये जुलूस कोलगामा पहुंचा। वहां से वाहन पर सवार होकर अब्जुगंज, दिलगौरी होते हुए बड़ी शाही मस्जिद पहुंचकर जुलूस का समापन किया गया। इस मौके पर जुलूस में शामिल मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हजरत पैगम्बर साहेब का जन्मदिवस पर नारे तकदीर अल्लाह हो अकबर का नारा लगाते हुए एक दूसरे को मुबारक बाद दिया। इसे लेकर थानाध्यक्ष प्रियरंजन द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सभी जुलूस में एक एक सेक्टर पुलिस पदाधिकारी को नियुक्त करते हुए शांतिपूर्ण जुलूस का समापन करने में सहयोग करते हुए देखे गए। इस दौरान तिलकपुर मुखिया अमित कुमार, कोलगामा मस्जिद के सेकेट्री, एंव मो.सोनु, राजद नेता मो. मेराज, मो मंजूर, राजद के नगर अध्यक्ष अफरोज आलम ने हजरत पैगम्बर साहेब के जन्मदिवस पर सुलतानगंज के प्रशासनिक पदाधिकारी,एंव जनप्रतिनिधियों को मुबारक बाद देते हुए शांति व सोहार्द पुर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील किए। साथ ही थानाध्यक्ष प्रियरंजन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था अच्छी होने पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने धन्यवाद देते हुए। मुबारक बाद दिए। इस दौरान कई मुस्लिम समुदाय के लोगो और पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

## भागलपुर में किसान सम्मेलन का आयोजन:खेती में तकनीक अपनाने से मिलेंगे पोषण भी और आर्थिक आजादी भी- उत्तम बायोटेक्नोलॉजिस्ट

भागलपुर. भागलपुर के कजरैली बाजार में क्लोन क्रॉप केयर द्वारा नाथनगर प्रखंड के कजरैली बाजार में किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि मोहम्मद अरमान आलम, उत्तम बायोटेक्नोलॉजिस्ट, गुंजेश गुंजन, नियाज अहमद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को खेती के नई तकनीक के साथ होने वाले खाद दवाई का सही उपयोग कैसे करें। कब दवाई डालें, किसी रूप में और कितना डाले ताकि खेत में उत्पादन बड़े एवं बीमारी कम हो। उत्तम बायोटेक्नोलॉजिस्ट बताये जैविक कृषि को लेकर किसानों के बीच जागरूकता, बात, संवाद और खेती किसानी के क्षेत्र में नित नए प्रयोग कर रहे हैं। एग्रीकल्चर और किसानी को लेकर किसानों की समस्या, कीटनाशक उपयोग करने से खेती में उत्पादन नहीं बढ़ रहा है। पौधे में बीमारी भी आ रहा है। इसका असर स्वास्थ्य पर बुरा पड़ रहा है। हम सब जो खाना खा रहे हैं, दूषित हो रहा है। खेती में तकनीक अपनाएं, व्यवसायिक तरीके से खेती करें। सीजनल एक साथ एक से ज्यादा फसल उगाएं। ताकि मार्केट में अच्छा रेट मिले और लोगों को खाने से पोषण भी मिले। मौके पर उपस्थित किसान मिनाज अहमद, नीरज, विकास, विजय, मोहम्मद ईसार एवं एनके मिश्रा रहे।

## फतुहा रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग

पटना. फतुहा स्टेशन पर मानव अधिकार एकता मंच ने यात्री सुविधा और ट्रेन ठहराव की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। केंद्र और राज्य सरकार से स्टेशन का नाम बदलकर त्रिवेणी संगम करने की मांग की है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष राम यतन यादव ने कहा कि पटना-धनबाद एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, जन शताब्दी, राजेंद्रनगर-बांका और बुध पूर्णिमा एक्सप्रेस का ठहराव होना चाहिए। साथ ही स्टेशन के पूर्वी छोर पर फुट ओवरब्रिज बनने से यात्रियों को सुविधा होगी। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने एक मांग पत्र फतुहा स्टेशन प्रबंधक को सौंपा है। इसके अलावा गुलजारबाग, बंका घाट, खुसरूपुर और करौटा स्टेशनों पर भी यात्री सुविधा के साथ ट्रेन ठहराव की मांग रखी है। इस मौके पर शत्रुघ्न प्रसाद सिंह उर्फ गांधी जी, विजय कुमार, रोहित कुमार, संतोष कुमार, रणवीर कुमार, विनोद दास, सत्यम कुमार, सुनीता देवी और समाजसेवी गजेंद्र प्रसाद सिंह समेत कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

## औरंगाबाद में 2 सड़क हादसा, 1 की हालत गंभीर

औरंगाबाद. औरंगाबाद में सोमवार की दोपहर अलग-अलग 2 सड़क दुर्घटनाओं में एक किशोर समेत 3 लोग घायल हो गए। पहली घटना औरंगाबाद शहर के रमेश चौक के पास की है। जहां एक बाइक सवार को ऑटो ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे पिता-बेटे दोनों घायल हो गए। घायल को स्थानीय लोगों द्वारा औरंगाबाद सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां उनकी प्राथमिकी इलाज की जा रही है। घायल की पहचान ओबरा थाना क्षेत्र के जमुनी गांव निवासी गुड्डू पासवान(40) और भारती के बेटे अविनाश कुमार(13) के रूप में की गई है। घायल गुड्डू पासवान ने बताया कि अपने बेटे अविनाश कुमार का 20 दिन पहले स्कूल से लौटने के क्रम में गिर जाने से हाथ फैक्चर हो गया था। इसका इलाज शहर के रमेश चौक स्थित एक निजी क्लिनिक में करवा रहे थे। आज उसका ड्रेसिंग करवाना था। इसी बीच पीछे से ऑटो ने टक्कर मार दी। इससे हम दोनों गिरकर घायल हो गए। प्राथमिक इलाज कर रहे डॉक्टर अमित कुमार ने बताया कि घायल गुड्डू पासवान की पैर फ्रैक्चर हो गया है। अंदरूनी चोटे आई है।

# करकटगढ़ जलप्रपात में फंसे 11 लोगों को किया गया रेस्क्यू: कैमूर में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम ने सभी को बचाया, पिकनिक मनाने गए थे

कैमूर. कैमूर के चैनपुर पहाड़ी इलाके में स्थित करकटगढ़ जलप्रपात में फंसे 11 लोगों को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और लोकल प्रशासन की टीम ने सफलता पूर्वक रेस्क्यू कर लिया है। जिला अधिकारी सावन कुमार ने कहा कि सभी लोगों को चैनपुर थाना लाया गया है। यहां से उनको परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मालूम हो कि यह सभी लोग पानी के तेज धार के कारण फंस गए थे। जानकारी के अनुसार एक दर्जन से अधिक लोग रविवार को पिकनिक मनाने के लिए गए हुए थे। इस बीच कर्मनाशा नदी में पानी की

धार अचानक तेज हो गई। धार को बढ़ता देख कुछ युवा उत्तर प्रदेश की तरफ भाग गए और कुछ वहीं बीच जलधार के ऊंचे टापू पर मौजूद पेड़ पर चढ़ गए। उन्हीं के कुछ साथी ने नीचे आकर इसकी जानकारी जिला प्रशासन को दिया। जिला प्रशासन के अधिकारी फौरन स्थानीय गोताखोर के साथ वहां पहुंचे और स्थिति को जानने में लग गए। इस दौरान डीएम, एसपी, एसडीएम, डीएसपी, डीएफओ भी घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू के काम को शुरू कराया। हालांकि पानी की धार इतनी तेज थी की गोताखोर उन सभी को निकालने में नाकाम रहे। इसके बाद कैमूर प्रशासन ने उत्तर प्रदेश प्रशासन से संपर्क करके पानी को बांध में छोड़ने से बंद कराया। इससे पानी का फ्लो तो कम हो गया, लेकिन बारिश तेज होने के कारण स्थिति वही बनी रही। धार कम नहीं होने के कारण पूरी रात सभी लड़के फंसे रह गए। वहीं देर रात इसकी सूचना एसडीआरएफ और एनडीआरएफ को दी गई।

### 40 की संख्या में पहुंची एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम ने किया रेस्क्यू

सोमवार को 40 की संख्या में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने फिर रेस्क्यू का काम शुरू किया। लोगों के अनुसार वहां पर फंसे सभी लड़के रोहतास जिले के कोचस के रहने वाले है। भभुआ एसडीएम विजय कुमार और डीएसपी शिव शंकर कुमार ने कहा कि रविवार को पिकनिक मनाने के लिए सभी लोग आए थे। पानी का बहाव अचानक बढ़ गया, इससे 11 की संख्या में लोग फंस गए है। फिलहाल सभी लोग सुरक्षित है। सूचना मिलते ही गोताखोर के माध्यम से उन सभी को बाहर निकालने का प्रयास किया गया था। पानी की धार तेज होने के कारण उनको निकालना संभव नहीं हो सका। बारिश भी काफी तेज हो रही थी। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की कुल 40 लोगों की टीम पहुंची थी।

## नदी का कटाव जारी...गंगा में समाए घर, आंगनबाड़ी केंद्र: 25 से अधिक घरों पर मंडरा रहा खतरा, लोग मकान खाली कर पलायन को मजबूर

भागलपुर. भागलपुर स्थित कहलगांव प्रखंड के पुरानी मसाढ़ में गंगा के कटाव का कहर जारी है। पिछले करीब 15 दिन से रुक-रुककर हो रहे कटाव की रफ्तार रविवार की सुबह अचानक तेज हो गई। इस दौरान निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र का भवन, एक मकान और एक बिजली का पोल गंगा नदी में समा गया। वहीं, नदी के किनारे पर स्थित 25 से ज्यादा घरों पर भी अब कटाव का खतरा मंडराने लगा है। कहलगांव में एक बार फिर गंगा के जलस्तर में वृद्धि शुरू हो गई है। केंद्रीय जल आयोग के अधिकारी के अनुसार, यहां प्रति दो घंटे में गंगा एक सेंटीमीटर बढ़ रही है। रविवार शाम 6 बजे गंगा का जलस्तर 30.76 मीटर था, जो चेतावनी लेवल से 67 सेंटी मीटर ऊपर है। गंगा का जलस्तर और बढ़ने की संभावना है। इससे लोग सहमे हुए हैं।
गंगा नदी भागलपुर के कई हिस्सों में तबाही मचा रही है। कटाव इस कदर हो रहा है कि पलक झपकते गंगा नदी में घर और जमीन विलीन हो जा रहे

हैं। पीड़ित घूरन मंडल, ज्ञानी मंडल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि कटाव की रफ्तार इतनी तेज है कि बंबू रोल डालने के साथ ही नदी की धार में बह जा रहा है। कटाव की रफ्तार देखते हुए इन घरों के लोग अपने मकान के जरूरी सामान सहित दरवाजे, खिड़की आदि जरूरी सामान निकाल कर पलायन की तैयारी में जुट गए हैं।

### 100 फीट पीसीसी सड़क कटकर नदी में समा गई थी

ग्रामीण का आरोप है कि पिछले तीन दिन से कटावरोधी कार्य नहीं हो रहा है। जल संसाधन विभाग की ओर से जैसे-तैसे कार्य को निपटाया जा रहा है। बता दें कि 12 दिन पहले 100 फीट पीसीसी सड़क कटकर नदी में समा गई थी। इससे पहले नल-जल योजना की जल मीनार भी कटाव की भेंट चढ़ गई थी।

### तौफिल और अंठावन दियारा में भी कटाव

इधर, कहलगांव प्रखंड के बटेश्वर स्थान, तौफिल, अंठावन और रानी दियारा गांव में गंगा का कटाव जारी है। रविवार को तेज हवा चलने से कटाव की रफ्तार भी बढ़ गई। दर्जनों किसानों की दो एकड़ जमीन गंगा में समा गई। सबसे ज्यादा कटाव तौफिल दियारा के महंत बाबा स्थान के पास हुई।मुखिया प्रतिनिधि संजय मंडल और पंचायत समिति सदस्य गंगाधर राज ने बताया कि महेश मंडल की 10 कट्ठा, चंदन मंडल की पांच कट्ठा और बबलू चौधरी की 10 कट्ठा जमीन के अलावा अन्य किसानों की दो-चार कट्ठा करके करीब 2 एकड़ जमीन कटाव की भेंट चढ़ गई।

### 300 से अधिक घर नदी में समा जाएंगे

इधर, मुखिया अभिषेक कुमार ने बताया कि अगर कटाव इसी तरह से होता रहा तो 300 से अधिक घर नदी में समा जाएंगे। पुरानी मसाढ़ में पश्चिम से पूर्व की ओर करीब आधा किलोमीटर तक कटाव हो रहा है।

## नदी में लापता बच्चे का 13 किलोमीटर दूर मिला शव:नालंदा में 500 मीटर की दूरी में हुआ 2 हादसा

नालंदा. नालंदा के अस्थावां प्रखंड से होकर बहने वाली जिरायन नदी में रविवार को कर्मा पूजा के बाद चचेरे भाई के साथ मूर्ति विसर्जन करने गया किशोर नदी की तेज धार में लापता हो गया था। लापता होने के 30 घंटे बाद 13 किलोमीटर दूर जीरायन पुल के पास से शव बरामद किया गया है। मृतक किशोर अस्थावां निवासी मिथिलेश चौधरी का 15 वर्षीय पुत्र आदित्य राज है। लोगों ने बताया गया कि आदित्य राज प्रतिमा विसर्जन के उपरांत नदी के किनारे पर स्नान करने लगा। इसी बीच दोनों नदी की तेज धार में बहने लगा। यह देख आसपास के लोगों ने दारा को नदी से बाहर निकाल लिया। हालांकि इस बीच आदित्य नदी की तेज धार में लापता हो गया।

### गोताखोरों ने शव को निकाला

लापता होने के होने के 30 घंटेब बाद ग्रामीणों को नदी में बहते शव पर नजर पड़ी। स्थानीय गोताखोरों द्वारा शव को नदी से बाहर निकाला गया। तत्काल इसकी सूचना मृतक के परिजनों और स्थानीय प्रशासन को दी गई। जिरायन नदी में पहली घटनास्थल से 500 मीटर दूर रविवार को सारे थाना क्षेत्र के करकराईन गांव के पास दंपति भी पानी की तेज धार में बहकर लापता हो गए। जिनकी खोजबीन के लिए एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया है। सुबह से ही एसडीआरएफ की टीम लापता दम्पति की खोजबीन में जुटी हुई है। करकराईन गांव निवासी विशेश्वर यादव शौच के दौरान पानी छूने नदी में गए थे। तभी उनका पैर फिसल गया और वह डूबने लगे। उन्हें बचाने के प्रयास में उनकी पत्नी गौरी देवी भी नदी में कूद गई थी। जिसके बाद दोनों गहरे पानी में डूब गए और लापता हो गए। अस्थावां अंचलाधिकारी रविंद्र कुमार चौपाल ने बताया कि नदी की तेज धार में बहकर लापता हुए बच्चे का शव बरामद कर लिया गया है। दम्पत्ति की बारामदगी के लिए एसडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी हुई है। उम्मीद है की जल्द ही उन्हें भी बरामद कर लिया जाएगा। स्थानीय प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर अपनी नजर बनाई हुई है।

## सोमेश्वर नाथ मंदिर में पकड़ा गया फर्जी कुष्ठ रोगी भिखारी: मोतिहारी में पाव में केमिकल लगा कर मांग रहा था भीख, बीडीओ ने पकड़ा

मोतिहारी. मोतिहारी के अरेराज सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में तेरस और अनंत चतुर्दशी पर लगने वाले दो दिवसीय मेले में एक फर्जी भिखारी पकड़ा गया है। जानकारी के अनुसार उसने अपने पाव में आटा, तेल और कोई केमिकल लगाया हुआ था। जबकि वह इस कदर बैठा था मानो उसे गंभीर कुष्ठ रोग हो गया है। मेला घूमने आए अरेराज बीडीओ आदित्य दीक्षित की नजर उस भिखारी पर पड़ी। जब उन्हें शक हुआ तो पूछताछ शुरू किया गया। तब जा कर इस बात का खुलासा हुआ कि यह तो पूरी तरह ठीक है। इसे कुछ नहीं हुआ है। इसके बाद उसे डाट फटकार लगाया गया और फिर उसने अपना पाव साफ किया। वहां मौजूद सभी लोग यह घटना देख कर चौक गए। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सभी कुष्ठ रोगी का सरकार मुफ्त इलाज करा रही है। इसके बाद भी यह इलाज कराने की जगह यहां बैठा था। भिखारी को फिर बीडीओ मनरेगा के तहत काम देने के लिए कहने लगे।

## सदर अस्पताल से जन्म के 20 घंटे बाद नवजात चोरी:10 किमी दूर बच्चे को 60 हजार में बेचा, दूध पिलाने के लिए बेटे को खोजती रही मां

बेगूसराय. बेगूसराय सदर अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती एक नवजात की चोरी हो गई। शनिवार रात साढ़े 10 बजे उसका जन्म हुआ था। अगले दिन रविवार देर शाम करीब 6 बजे एक महिला एसएनसीयू से उठाकर ले गई और 60 हजार रुपए में बेच दिया। 2 घंटे के बाद 8 बजे दूध पिलाने के लिए मां को बच्चे को लेने एसएनसीयू में गई तो बच्चा नहीं मिला। सीसीटीवी की जांच हुई तो एक महिला बच्चे को ले जाती हुई दिखी। पुलिस ने अस्पताल से 10 किमी दूर बच्चे को बरामद किया। जिसने बच्चे को खरीदा उसी के घर नवजात मिला। पुलिस ने महिला सहित चार लोगों को हिरासत में लिया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। दरअसल मुंगेर के रामनगर सूफियाबाद निवासी करण कुमार की पत्नी नंदनी गर्भवती होने के बाद अपने मायके बेगूसराय के लोहिया नगर झोपड़पट्टी में थी। प्रसव पीड़ा होने के बाद शनिवार रात वो आशा के साथ बेगूसराय सदर अस्पताल पहुंची। जहां उसने एक बेटे को जन्म दिया। बच्चे की स्थिति गंभीर थी, जिस कारण सदर अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती कराया गया। बच्चा चोरी होने की जानकारी के बाद सिविल सर्जन भी सदर अस्पताल पहुंचे, उन्होंने नगर थाना को इसकी सूचना दी। पूछताछ में महिला गार्ड ने कहा कि एक औरत आई और दूध पिलाने के लिए नंदनी के बच्चे को मांगा। वहां से महिला नंदनी के पास न जाकर दो अन्य महिलाओं के साथ अस्पताल के बाहर निकल गई। सीसीटीवी में महिला को बाहर जाते देखा भी जा सकता है। महिला ने लाखो थाना क्षेत्र के भगवानपुर निवासी एक महिला को बेच दिया। वारदात के तीन घंटे के बाद नगर थाना की पुलिस ने बच्चे को भगवानपुर से सुरक्षित बरामद कर लिया। फिलहाल बच्चे को ले जाने वाली महिला और ड्यूटी पर तैनात गार्ड को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। नगर थानाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि नवजात बच्चे को ले जाने वाली महिला, उसके परिजनों और गार्ड को हिरासत में ले लिया गया है। पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं, आगे की प्रक्रिया चल रही है।

## सीवान में भाकपा माले ने शहादत दिवस मनाया:भाकपा माले नेता की हुई थी हत्या, जिला सचिव बोले-गरीबों की आवाज दबाने की कोशिश की गई

सीवान. भाकपा माले द्वारा हसनपुरा में सोमवार को शहादत दिवस मनाया गया। भाकपा माले नेता राजू एवं शंभू की हत्या के आज 25 वें पुण्यतिथि के अवसर पर शहादत दिवस मनाया गया। भाकपा माले जिला सचिव हंसनाथ राम ने कहा की सामंती उत्पीड़न, अन्याय, जोर जुल्म के खिलाफ गरीबों के पक्ष में लड़ने के चलते सामंती अपराधी गुंडों ने दोनों साथियों की 16 सितंबर 1999 में हत्या कर दिया। हत्या कर के गरीबों की आवाज दबाने की कोशिश की गई। आज सीवान और बिहार में संघर्षों के प्रतीक, विपक्ष की मुखर आवाज के रूप में पार्टी सामने आई है। आगे कहा कि बिहार विधानसभा के साथ-साथ दिल्ली के संसद भवन में आवाज गूंज रही है। हम समाज के सभी गरीब, मजदूर, छात्र, नौजवान, प्रगतिशील लोगों से कहना चाहते हैं कि कल तक जो खाट पर बैठना, वोट देने चुनाव लड़ने से रोक रहे थे। मजदूरी कराकर नहीं देना, गरीबों के मान सम्मान पर चोट दे रहे थे, अलग-तरीका से जुल्म कर रहे थे। लोग आज आरएसएस भाजपा के बतौर हमारे भारत के संविधान एवं लोकतंत्र को खत्म करने पर तुला हुआ है। समाज के बेटी बहनों

के साथ बलात्कार कर हत्या कर रहे हैं। जीरादेई विधायक अमरजीत कुशवाहा ने कहा कि भाजपा जब से सरकार में आई है तब से हत्या बलात्कार हो रहा है। राजनीतिक हत्या हो रही है। हम देख रहे हैं कि सीवान में हर रोज हत्या हो रही है। सरकार चुप चाप बैठी है और प्रशासन हाथ पे हाथ रखा बैठा है।
ऐपवा राज्य अध्यक्ष सोहिला गुप्ता ने कहा कि सरकार कह रही है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, लेकिन हम देख रहे हैं कि अयोध्या के राम मंदिर में एक महिला सफाई कर्मचारी के साथ गैंगरेप किया गया। सरकार क्या कर रही है। आज यहां भाकपा माले के नेता अमरनाथ यादव, जय नाथ यादव, योगेंद्र यादव, मुकेश कुशवाहा, ब्यास यादव, जयशंकर पंडित, विकास यादव, प्रदीप कुशवाहा, नथुन पटेल, सुनील यादव, धर्मेंद्र कुमार इत्यादि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

## पत्नी का सिर काटा, हाथ में लेकर घूमा : पुलिस ने पकड़ा तो कहने लगा- थाने में ही सिर दूंगा; अवैध संबंध का था शक

मधेपुरा. मधेपुरा में एक पति ने पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी। फिर कटा सिर लेकर घूमने लगा। वह कटा सिर हाथों में लेकर थाने में सरेंडर करने जा रहा था, इस बीच पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ करने पर कहने लगा कि वह पत्नी का सिर थाने में ही देगा। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी पति अर्जुन शर्मा (37) ने अवैध संबंध के शक में पत्नी (35) का धारदार दबिया से गला काट दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। यह घटना श्रीनगर थाना क्षेत्र के पोखरिया टोला वार्ड संख्या 2 की है।

### ग्रामीण बोले-अवैध संबंध के शक में घटना को दिया अंजाम

ग्रामीण मो. नजीर ने बताया कि आरोपी अर्जुन हाथ में एक झोला लेकर थाने की ओर आ रहा था। झोले से खून टपक रहा था। इस बीच एक पुलिसकर्मी ने उसे रोका। फिर झोले में कटा सिर देख सभी दंग रह गए। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जब उससे पूछा गया

कि उसने अपनी पत्नी की हत्या क्यों कि तो उसने अवैध संबंध की बात कही। इसके बाद कटे हुए सिर के साथ उसको थाने ले जाया गया। इस दौरान वह सिर को छोड़ने के लिए भी तैयार नहीं था। ग्रामीण के मुताबिक, महिला को तीन बेटे भी हैं। हेड क्वार्टर DSP मनोज मोहन ने कहा कि सोमवार की सुबह 7 बजे श्रीनगर थानाध्यक्ष को सूचना मिली थी कि पोखरिया के वार्ड 2 निवासी अर्जुन शर्मा ने अपनी पत्नी पूजा देवी (35) की हत्या कर दी है। धारदार दबिया से गर्दन काटकर सिर को अलग कर दिया है और उसको लेकर घूम रहा है। इसके बाद कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अर्जुन शर्मा को गिरफ्तार किया गया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। इसके साथ ही घटना में इस्तेमाल किए गए दबिया को भी बरामद कर लिया गया है।

## तेजस्वी बुद्धि का इस्तेमाल करते तो ऐसा नहीं बोलते:जासूसी वाले बयान पर भड़के दिलीप जायसवाल

पटना. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के 'जासूसी' वाले बयान पर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि नेता जनता के बीच में हैं तो जासूसी क्या हो रही है। कुछ छिपाकर रखा जाता है, तब जासूसी होती है। नेता का पूरा जीवन पारदर्शी होता है। तेजस्वी अपने बुद्धि का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। अगर करते तो इस तरह का बयान नहीं देते। आरक्षण की बात छोड़कर कुछ नहीं बोल सकते हैं। उनका ग्राफ गिरता जा रहा है, इसलिए इस तरह की बातें बोल रहे हैं।

### जेपीसी मामले की जांच कर रही है

वक्फ कानून लाया गया तो लॉ एंड ऑर्डर खराब होगा। नेता प्रतिपक्ष के इस बयान पर दिलीप जायसवाल ने कहा कि यह संवेदनशील मामला है। इस पर आम चर्चा नहीं हो सकती है और ना फैसला। जेपीसी इस मामले की जांच कर रही है।

### देश में एक चुनाव होने से आर्थिक तौर पर बचत होगी

इमारतें सरिया को इसे सड़क पर लाने की जरूरत नहीं है। इस विषय पर धमकी देकर कोई काम नहीं कराया जा सकता। 'वन नेशन-वन इलेक्शन' हमारा सपना है। देश में एक चुनाव होने से आर्थिक तौर पर बचत होगी। साथ ही समय भी बचेगा। देश के हित में काम हो रहा है, जो सही है।

### पिता की परछाई से बाहर नहीं निकल पा रहे तेजस्वी

वहीं, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने तेजस्वी को एक्सपायरी दवा की तरह बताया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से एक्सपायरी दवा का कोई काम नहीं रहता है। उसी तरह वो भी राजनीति में एक्सपायरी दवा की तरह हो गए हैं। उनको बहुत कम उम्र में बिहार की जनता ने देख लिया है। पिता की परछाई से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अपराध, गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार और परिवारवाद के रास्ते पर आगे बढ़े हैं। जनता उनको रिजेक्ट कर चुकी है। राजनीति में वो क्या बोलते हैं, क्या करते हैं। इसका अब कोई मतलब नहीं है। जनता का साफ संदेश हैं। लोकसभा चुनाव में जनता ने एनडीए को पसंद किया है। बाकी राजनीति करना है तो घूमते रहिए।

### मेरी बैठकों की जासूसी करवा रही सरकार

मधुबनी में तेजस्वी यादव ने कहा था कि 'कार्यकर्ता संवाद यात्रा' की बैठक के अंदर सीआईडी और स्पेशल ब्रांच वाले बैठे रहे। वो सब कुछ नोट कर रहे हैं। उन्होंने जब कार्ड दिखाया तो इसकी जानकारी मिली। इससे यह साफ है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मेरी बैठक की जासूसी करा रहे हैं। मुख्यमंत्री डरे हुए हैं। हमलोगों का कार्यक्रम किस तरह से चल रहा है, इस पर नजर रखी जा रही है। इतना ही नजर मुख्यमंत्री अपराधियों पर रखते तो बिहार का लॉ एंड ऑर्डर बहुत ही बेहतरीन होता।

## उमर घबराए हुए हैं इसलिए दो-दो जगह से लड़ रहे चुनाव : इल्तिजा मुफ्ती

श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों को लेकर रैली होने लगी हैं राजनीतिक हलचल और बायनबाज़ी भी शुरू हो गई है। सभी राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहा हैं। इसी बीच अब पीडीपी नेता और कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और पूर्व सीएम उमर अब्दुल्लाह पर निशाना साधा है। इससे पहले उमर अब्दुल्लाह ने पीडीपी के बारे में कहा था कि उसने राज्य के लिए कुछ नहीं किया। उमर अब्दुल्लाह के बयान पर पलटवार करते हुए इल्तिजा मुफ़्ती ने कहा कि वह परेशान और घबराए हुए हैं, तभी वह दो-दो जगहों से चुनाव लड़ रहे हैं। उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में इल्तिजा अपनी मां महबूबा मुफ़्ती की सीट से चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि आज कश्मीर के नौजवानों समेत सभी लोग पीडीपी से जुड़ रहे हैं और उसके साथ ख़ड़े हैं। केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए इल्तिजा ने कहा कि दिल्ली की मोदी सरकार कश्मीर के लोगों को उनकी जमीनों, नौकरियों और मुद्दों से बेदख़ल करने की कोशिश कर रही है।

## चीता परियोजना की दूसरी वर्षगांठ पर आज वन्यजीव अस्पताल का उद्घाटन

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीता परियोजना की दूसरी वर्षगांठ पर कूनो राष्ट्रीय उद्यान 17 सितंबर को एक वन्यजीव अस्पताल के उद्घाटन सहित कई कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह परियोजना वर्ष 2022 में शुरू की गई थी, जिसके बाद से अब तक आठ वयस्क चीतों और पांच शावकों की मौत हो चुकी है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन ने चीतों और शावकों का एक वीडियो जारी किया। महत्वाकांक्षी चीता परियोजना के तहत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर 2022 को अपने जन्मदिन के मौके पर उद्यान में आठ नामीबियाई चीतों को बाड़े में छोड़ा था, जिसमें पांच मादा और तीन नर चीते शामिल थे। फरवरी 2023 में द.अफ्रीका से 12 चीतों को लाया गया था। राज्य के वन मंत्री रामनिवास रावत राष्ट्रीय उद्यान में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने वाले है। जिसमें चीतों के लिए एक वन्यजीव अस्पताल का उद्घाटन शामिल है। उद्यान के एक अधिकारी ने बताया कि वन मंत्री चीतों के बाड़ों का दौरा करने और पालपुर में चीतों के लिए एक वन्यजीव अस्पताल का उद्घाटन करने वाले है।

## मोदी ने गुजरात में 'सूर्य घर' योजना के लाभार्थियों से बातचीत की

गांधीनगर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजधानी गांधीनगर में 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' के लाभार्थियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री सुबह एक शालीन-2 सोसायटी पहुंचे और उन्होंने वहां कई निवासियों के साथ बातचीत की जिन्होंने 29 फरवरी को शुरू की गई केंद्र सरकार की 75,021 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजना के तहत अपने घरों की छतों पर सौर पैनल लगाए हैं। पीएम मोदी इस आवासीय परिसर में करीब 20 मिनट तक रुके। इस योजना का उद्देश्य घरों की छतों पर सौर पैनल लगाकर आवासीय परिवारों को स्वयं बिजली पैदा करने में सक्षम बनाना है। इसके तहत दो किलोवाट क्षमता तक की प्रणालियों के लिए सौर इकाई लागत का 60 प्रतिशत तथा दो से तीन किलोवाट क्षमता वाली प्रणालियों के लिए अतिरिक्त लागत का 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

## नवोदय विद्यालय में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन डेट आगे बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) ने नवोदय विद्यालय कक्षा 6 में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन डेट आगे बढ़ा दी है। जिन पालकों ने अभी तक जवाहरलाल नेहरू विद्यालय सेलेक्शन टेस्ट 2025 के लिए आवेदन नहीं किया है, वे अब 23 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए एनवीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। नवोदय विद्यालय समिति द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, क्लास 6 में एडमिशन के लिए जेएनवीएसटी 2025 18 जनवरी और 12 अप्रैल 2025 को दो फेज में होगा। परीक्षा सिंगल शिफ्ट में सुबह 11:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक होगी। एडमिट कार्ड परीक्षा से उचित समय पहले वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा। जो छात्र किसी जिले में कक्षा 5वीं में पढ़ रहा है, उस छात्र को उसी जिले में जेएनवी में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अनुमति है। एडमिशन चाहने वाले उम्मीदवार का जन्म 01-05-2013 से पहले और 31-07-2015 के बाद नहीं होना चाहिए। कुछ मामलों में, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को प्राथमिकता दी जा सकती है। बता दें कि स्टूडेंट्स केवल एक बार ही जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के लिए उपस्थित हो सकता है।

## पहाड़ से गिरे मलबे में फंसा इंजन हुआ बेपटरी, यातायात बाधित

सोनभद्र,(ईएमएस)। यूपी के सोनभद्र जिले में रेलवे ट्रैक पर भारी बारिश से पहाड़ का मलबा गिरने से चुनार से चोपन जा रही मालगाड़ी के इंजन के चार पहिये पटरी से उतर गए। रेलवे सूत्रों ने बताया कि सोमवार भोर ब्रम्ह बाबा पुल के पास घाघर नदी के पास रेलवे ट्रैक पर बारिश से पहाड़ का मलबा जमा हो गया। तड़के 3 बजे चुनार से चोपन जा रही मालगाड़ी रेलवे ट्रैक पर टर्निंग होने की वजह से ड्राइवर मलबे को देख नहीं पाया जिससे इंजन के चार पहिए मलबे में फंसकर ट्रैक से नीचे उतर गए और मालगाड़ी वहीं रुक गई। घटना के बाद रेलवे ट्रैक अवरुद्ध हो गया। मालगाड़ी के ड्राइवर व गार्ड ने घटना की जानकारी अधिकारियों को दी। रात होने की वजह से इस रूट पर आने वाली त्रिवेणी एक्सप्रेस को चुनार स्टेशन पर ही रोक दिया गया जबकि जम्मूतवी एक्सप्रेस को गढ़वा से रूट डायवर्ट किया गया।

## ढाई दिन के झोपड़े से निकला ईद मिलादुन्नबी का शांतिपूर्वक जुलूस

अजमेर,(ईएमएस)। इस्लाम धर्म के पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस के अवसर पर ईद मिलादुन्नबी का जुलूस सोमवार को ढाई दिन के झोपड़े से निकला। जुलूस का जगह-जगह जोनदार इस्तकबाल किया गया। हुजूर की शान में नाते पाक का भी आयोजन किया गया। शांतिपूर्वक जुलूस में डीजे नहीं बजाए गए। हजारों लोग खामोशी से पैदल जुलूस में शामिल थे। पैगंबर मोहम्मद साहब ने दुनिया में फैली बुराइयों को दूर किया और सारी दुनिया को शांति, एकता और भारचारे का संदेश दिया है। जिला और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के चलते अजमेर की दरगाह और आसपास के क्षेत्र में बल तैनात किया गया था। जुलूस ढाई दिन के झोपड़े से शुरु हुआ। जुलूस अंदर कोट, त्रिपोलिया गेट, कमानी गेट होता हुआ दरगाह के मुख्य द्वार निजाम गेट, दरगाह बाजार, मोती कटला, धान मंडी, दिल्ली गेट, गंज, फव्वारा चौराहा होते हुए ऋषि घाटी स्थित चिल्ला कुतुब साहब पहुंचा। जहां पर मोहम्मद साहब की शान में सलातो सलाम पेश किया गया और देश में अमन चेन भाईचारे कायम होने के लिए दुआ मांगी गई।

# री-इनवेस्ट 2024: पूरी दुनिया को लगता है कि 21वीं सदी में भारत सबसे अच्छा विकल्प- पीएम मोदी

**प्रधानमंत्री** नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में देश की तेज प्रगति के लिए हर क्षेत्र और कारक पर ध्यान देने की कोशिश की है। उन्होंने गांधीनगर में 'वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक बैठक एवं प्रदर्शनी' (री-इनवेस्ट 2024) के चौथे संस्करण को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि न केवल देशवासियों बल्कि पूरी दुनिया को लगता है कि भारत 21वीं सदी के लिए सबसे अच्छी जगह है। प्रधानमंत्री ने कहा, "पहले 100 दिनों (केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल के) में आप हमारी प्राथमिकताओं, गति और पैमाने को देख सकते हैं। हमने देश की तेज प्रगति के लिए जरूरी हर क्षेत्र और कारक पर ध्यान देने की कोशिश की है।" मोदी ने कहा, "भारत की विविधता, पैमाना, क्षमता, संभावना और प्रदर्शन अद्वितीय हैं और यही कारण है कि मैं वैश्विक अनुप्रयोग के लिए भारतीय समाधान कहता हूं।"

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अगले 1000 वर्षों के लिए वृद्धि का आधार तैयार कर रहा है और ध्यान केवल शीर्ष पर पहुंचने पर

नहीं, बल्कि इस स्थान को बनाए रखने पर है। उन्होंने री-इन्वेस्ट 2024 में कहा, "हमारे लिए हरित भविष्य और शुद्ध शून्य उत्सर्जन केवल दिखावटी शब्द नहीं हैं। ये देश की जरूरतें हैं और हम इसे हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार अयोध्या और 16 अन्य शहरों को मॉडल 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित करने के लिए काम कर रही है।" उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों ने देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया है।

### ग्रीन एनर्जी के लिए बड़े फैसले लिए गए हैं

पीएम ने आगे कहा- आने वाले समय में भारत 31 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन करने वाला है। यह काम उस धरती पर हो रहा है, जहां से सौर क्रांति का उदय हुआ था। पहले जब भारत में सौर ऊर्जा की चर्चा भी नहीं होती थी, तब गुजरात में सैकड़ों सोलर प्लांट लग चुके थे। सौर ऊर्जा क्षेत्र में गुजरात देश में दूसरे स्थान पर है। कच्छ के खावड़ा में सौर ऊर्जा पार्क बनाया जा रहा है। आज गुजरात की 1600 किमी की समुद्र सीमा विकास का प्रवेश द्वार बन गई है। भारत 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन की ओर बढ़ रहा है। हमने 12 इंड्रस्टियल सिटी बनाने के काम भी शुरू कर दिया है। इन 100 दिनों में 15 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेन भी लॉन्च कर दी गई हैं। बीते 100 दिनों में ग्रीन एनर्जी के लिए भी कई बड़े फैसले लिए हैं।

उन्होंने आगे कहा- गुजरात के मोढेरा में प्राचीन सूर्य मंदिर है और यह गांव भारत का पहला सोलर विलेज भी है। इस गांव की सारी जरूरतें सोलर एनर्जी से ही पूरी होती हैं। इसी की तर्ज पर भारत के कई गांवों को सोलर विलेज बनाने का संकल्प लिया गया है। हम भारत के 17 शहरों को भी सोलर सिटी बनाने जा रहे हैं। भारत ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में दुनिया का लीडर बनने की ओर बढ़ रहा है।

### 17 सितंबर को ओडिशा जाएंगे

प्रधानमंत्री 17 सितंबर की सुबह करीब 9.00 बजे ओडिशा के लिए रवाना होंगा। वे भुवनेश्वर में 11:15 बजे प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के लाभार्थियों से बातचीत करेंगे। इसके बाद दोपहर लगभग 12 बजे भुवनेश्वर में 3800 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे।

### पीएम मोदी ने वावोल में शालिन-2 सोसायटी का दौरा किया

गांधीनगर के वावोल इलाके में 100 अपार्टमेंट और 25 बंगले हैं। पीएम सूर्य घर योजना से यहां के 89 परिवार लाभान्वित हुए हैं। वहीं, यहां की शालिन-2 सोसायटी में कुल 65 बंगले हैं, जिनमें से 22 घरों में सोलर पैनल लगे हैं। प्रधानमंत्री सोसायटी में पहुंचे और यहां के घरों की छतों पर लगे सोलर पैनल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने सोलर पैनल का लाभ ले रहे लोगों से बात भी की। दूरी तय करेगी।

प्रधानमंत्री अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में करीब 8 हजार करोड़ के डेवपलमेंट प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसमें चांदखेड़ा सत्यमेव अस्पताल पर सरजू ग्रीन्स फ्लैट्स के पास अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण (ऑडा) के 1120 फ्लैट्स भी शामिल हैं। पीएम आवास योजना के मकान बनकर तैयार हैं और पीएम मोदी सोमवार को इन मकानों का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद मकान मालिकों को चाबियां देकर आवास आवंटित कर दिए जाएंगे। बता दें, ऑडा द्वारा तैयार किए गए ये 1.5 बीएचके फ्लैट की कीमत मात्र 6 लाख रुपए है। इस योजना के हितग्राहियों को आठ किस्तों में रकम चुकाने की भी सुविधा दी गई है।

# शाह बोले- कश्मीर में आतंक को पाताल में दफन करेंगे:अब्दुल्ला को कांग्रेस ने देशद्रोही कहा, अब राहुल उनके साथ ही इलू-इलू कर रहे

**श्रीनगरः** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में जनसभा की। शाह ने कहा कि मैं हैरान हूं कि सत्ता का लालच क्या-क्या कर सकता है। उन्होंने कहा, 'जिस कांग्रेस पार्टी ने इस अब्दुल्ला परिवार को देशद्रोही कहा, आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराया और उमर अब्दुल्ला के दादा को सालों तक जेल में रखा। आज मोदी जी के सामने जीतने के लिए राहुल और उमर अब्दुल्ला ILU-ILU कर रहे हैं।' शाह ने कहा कि उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु को फांसी नहीं देनी चाहिए। यही बताता है कि राहुल गांधी और उमर अब्दुल्ला की सरकार बनी तो क्या होगा?

शाह ने कहा कि मैं आज यहां कहता हूं जिनके मंसूबे जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाने के हैं। उनके पास अभी भी समय है। वे वापस चले जाएं, नहीं तो भारतीय सेना और सुरक्षा बल यहां तैनात है। यहीं पर ठिकाने लगा दिए जाओगे। शाह ने कहा कि मोदी जी ने

जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को मजबूत किया। मैं पूछना चाहता हूं फारूक अब्दुल्ला से कि आपकी तीन पुश्तों ने राज किया, लेकिन जम्मू-कश्मीर के लोगों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज कभी मिला था?

किश्तवाड़ में शाह की दूसरी रैली थी। इसके पहले उन्होंने आज ही पाडुर के नागसेनी में जनसभा की थी। शाह की तीसरी रैली रामबन में होगी। जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर को विधानसभा चुनाव के पहले फेज की वोटिंग होगी। ऐसे में यह पहले फेज के लिए चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है।

### नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन आतंकवाद का पोषक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहली जनसभा पाडुर के नागसेनी में की थी। उन्होंने यहां कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन आतंकवाद का पोषक रहा है। घाटी में जब-जब एनसी-कांग्रेस की सरकार आई, तब-तब यहां आतंकवाद को बढ़ावा मिला है। शाह ने कहा कि दोनों पार्टियां कहती हैं कि उनकी सरकार आई तो अनुच्छेद 370 को फिर से लागू करेंगे। क्या अनुच्छेद 370 वापस होना चाहिए? अनुच्छेद 370 अब इतिहास का हिस्सा बन चुका है। भारत के संविधान में अनुच्छेद 370 के लिए कोई जगह नहीं है।

### आरक्षण खत्म करना चाहती हैं एनसी और कांग्रेस

शाह ने कहा कि एक और नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस आतंक से लैस जम्मू-कश्मीर बनाना चाहते हैं, तो दूसरी ओर मोदी जी विकसित कश्मीर बनाना चाहते हैं। धारा 370 हटने के बाद यहां की महिलाओं को जो आरक्षण मिला है। उसे नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस खत्म करना चाहते हैं, तो वहीं मोदी जी महिलाओं के साथ गुर्जर, पहाड़ी, दलित और ओबीसी को भी आरक्षण का अधिकार देना चाहते हैं। पहाड़ी और गुर्जर भाइयों को जो आरक्षण मिलता है, अनुच्छेद 370 बहाल होने पर वह नहीं मिल पाएगा, लेकिन मैं कश्मीर का माहौल देख रहा हूं।

### गृह मंत्री बोले- मोदी ने कश्मीर में वंशवाद खत्म किया

मोदी जी ने घाटी में वंशवाद को खत्म कर दिया है। पंचायतों के चुनावों ने स्थानीय और योग्य लोगों को जमीनी स्तर पर निर्णय लेने का मौका दिया। याद कीजिए 90 के दशक को, मैं फारूक अब्दुल्ला से पूछना चाहता हूं कि आप यहां के मुख्यमंत्री थे, राजीव गांधी के साथ समझौता करके चुनकर आए। जब हमारी घाटी खून से लथपथ हो गई, तब आप कहां थे?

# एक राष्ट्र एक चुनाव को 2029 से पहले लागू कर देगी मोदी सरकार

नई दिल्ली(ईएमएस)। एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर लंबे समय से चर्चा होती आ रही है। लेकिन इस बार केंद्र की एनडीए सरकार ने तय कर लिया है कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल पूरा हो इससे पहले एक राष्ट्र एक चुनाव लागू करना है। यानी 2029 से पहले ये व्यवस्था लागू हो जाएगी। उच्च पदस्थ सूत्रों का दावा है कि इसके लिए प्राथमिक तौर पर तैयारियां शुरु हो गईं हैं और यह भी माना जा रहा है कि सरकार को अपने सहयोगियों के समर्थन से इस सुधार के लिए पर्याप्त समर्थन मिलने की उम्मीद है।

भारत 1881 से हर दशक में जनगणना करता आ रहा है। इस दशक की जनगणना का पहला चरण 1 अप्रैल, 2020 को शुरू होना था, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। इस पर भी काम चल रहा है। जल्द से जल्द इस काम को पूरा करना होता ताकि एक राष्ट्र एक चुनाव की नीति को आसानी से तैयार किया जा सके।इस साल की शुरुआत में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाले पैनल द्वारा एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद एक राष्ट्र, एक चुनाव की प्रक्रिया जोर पकड़ रही है। पैनल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को रपिोर्ट प्रस्तुत किया और लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की अवधारणा का जोरदार समर्थन किया। रविवार को शीर्ष सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि सरकार ने जनगणना की तैयारी भी शुरू कर दी है, लेकिन सर्वेक्षण में जाति कॉलम को शामिल करने के बारे में अभी तक निर्णय नहीं लिया गया है।एक राष्ट्र, एक चुनाव के समर्थकों का तर्क है कि इससे शासन व्यवस्था प्रभावशाली होगी। इस साल अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में पीएम मोदी ने राजनीतिक दलों से इस पहल का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि लगातार चुनाव से वकिास कार्य प्रभावति होते हैं। एक साथ चुनाव की अवधारणा भाजपा के चुनाव घोषणा पत्र में एक प्रमुख संकल्प था।

# आरएसएस प्रमुख बोले- देश में अच्छे-बुरे के जिम्मेदार हिंदू:क्योंकि वही राष्ट्र के कर्ताधर्ता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा- देश में कुछ अच्छा होता है तो हिंदू समाज की कीर्ति बढ़ती है। कुछ गड़बड़ होता है तो हिंदू समाज पर आता है, क्योंकि वही इस देश के कर्ताधर्ता हैं। उन्होंने हिंदू धर्म की परिभाषा बताते हुए कहा- जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं, यह वास्तव में मानव धर्म है। विश्व धर्म है और सबके कल्याण की कामना लेकर चलता है। उन्होंने पारिवारिक संस्कारों को लेकर भी चिंता जताई। कहा- देश में परिवार के संस्कारों को खतरा है। मीडिया के दुरुपयोग से नई पीढ़ी बहुत तेजी से अपने संस्कार भूल रही है। यह चिंता का विषय है।

### संघ कैसे काम करता है, ये समझना जरूरी- भागवत

मोहन भागवत 5 दिन के अलवर प्रवास पर हैं। नगर एकत्रीकरण कार्यक्रम के पहले दिन रविवार (15 सितंबर) को इंदिरा गांधी स्टेडियम में स्वयंसेवकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अगले साल संघ की स्थापना को 100 साल पूरे हो रहे हैं। संघ की कार्य पद्धति लंबे समय से चली आ रही है। हम कार्य करते हैं तो उसके पीछे विचार क्या है? यह हमें ठीक से समझ लेना चाहिए। अपनी कृति के पीछे यह सोच हमेशा जागृत रहनी चाहिए। हमें देश को समर्थ करना है। हमने प्रार्थना में ही कहा है कि यह हिंदू राष्ट्र है। हिंदू समाज इसका उत्तरदायी है।

### हिंदू का मतलब विश्व का सबसे उदार मानव

राष्ट्र को परम वैभव संपन्न और सामर्थ्यवान बनाने का काम पुरुषार्थ के साथ करने की आवश्यकता है। हमें समर्थ बनना है। इसके लिए पूरे समाज को योग्य बनाना पड़ेगा। जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं, यह वास्तव में मानव धर्म है। विश्व धर्म है और सबके कल्याण की कामना लेकर चलता है। हिंदू मतलब सब कुछ स्वीकार करने वाला। सबके प्रति सद्भावना रखने वाला। जो विद्या का उपयोग विवाद पैदा करने के लिए नहीं करता, ज्ञान देने के लिए करता है।

### छुआछूत को लेकर मन बदलना होगा

हम अपने धर्म को भूलकर स्वार्थ के अधीन हो गए हैं। इसलिए छुआछूत चला। ऊंच-नीच का भाव बढ़ा। हमें इस भाव को पूरी तरह मिटा देना है, जहां संघ का काम प्रभावी है। संघ की शक्ति है, वहां कम से कम मंदिर, पानी, श्मशान सब हिंदुओं के लिए खुले होंगे। यह काम समाज का मन बदलते हुए करना है। सामाजिक समरसता के माध्यम से परिवर्तन लाना है।

पहले संघ को कोई नहीं जानता था। अब सब जानते हैं। पहले संघ को कोई मानता नहीं था। आज सब लोग मानते हैं, जो हमारा विरोध करने वाले लोग हैं वह भी। होठों से तो हमारा विरोध करते हैं, लेकिन मन से तो मानते ही हैं। इसलिए अब हमें हिंदू धर्म, हिंदू संस्कृति और हिंदू समाज का संरक्षण राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति के लिए करना है।

## तीन साल में न्याय, दो साल में पूरे देश में लागू होंगे नए क्रिमिनल कानून

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार के लाए तीन नए क्रिमिनल कानून अगले दो साल में पूरे देश में लागू हो जाएंगे। मोदी सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि एक बार जब नए कानूनों के तहत एफआईआर दर्ज होना शुरू होगी, तब सुप्रीम कोर्ट से न्याय तीन साल के अंदर मिलेगा। केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारी ने बताया कि नए कानून अत्यंत आधुनिक, वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से भी सक्षम हैं। ये नए कानून पीड़ित के अधिकार को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ पहला शहर होगा जहां तीन नए कानून सबसे पहले लागू किए जाएंगे। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल को 17 सितंबर को 100 दिन पूरे हो जाएंगे। अधिकारियों द्वारा सूचीबद्ध अन्य योजनाओं में युवाओं के बीच रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 2 लाख करोड़ रुपये का पीएम पैकेज और महिलाओं के लिए दीनदयाल अंत्योदया योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों का गठन होगा है। इसमें 10 करोड़ महिलाओं को वित्तीय समावेश, डिजिटल साक्षरता, सतत आजीविका और सामाजिक विकास उपायों को बढ़ावा देने में मदद की थी।

# हरियाणा में बीजेपी कैंडिडेट के खिलाफ प्रदर्शनः सरकार विरोधी नारे लगाए

**हिसारः** हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव के प्रचार के बीच लोगों ने नेताओं से हिसाब मांगना शुरू कर दिया है। प्रचार के दौरान हरियाणा भाजपा के पूर्व कैबिनेट मंत्री अनिल विज, पूर्व मंत्री कृष्ण बेदी, विधायक विनोद भयाना, नारायणगढ़ में भाजपा उम्मीदवार पवन सैनी, जेजेपी नेता व पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और बरवाला से कांग्रेस उम्मीदवार रामनिवास घोड़ेला को विरोध झेलना पड़ा। ग्रामीण इन्हें घेरकर उनकी समस्याएं हल न करने पर जवाब मांग रहे हैं। वहीं सरकार रहने के दौरान किसान-मजदूरों को दिल्ली जाने से रोकने पर भाजपा और जजपा के उम्मीदवार घिर रहे हैं। अंबाला कैंट में भाजपा उम्मीदवार अनिल विज के प्रोग्राम में भारतीय किसान यूनियन (भगत सिंह गुट) से जुड़े ग्रामीणों ने हंगामा किया। उचाना में ग्रामीणों ने दुष्यंत चौटाला की गाड़ी घेर ली। हरियाणा में 5 अक्टूबर को वोटिंग और 8 अक्टूबर को नतीजे घोषित होंगे।

### नारायणगढ़ के गांव में पवन सैनी को प्रचार नहीं करने दिया

इसी प्रकार, सीएम नायब सैनी के गृह क्षेत्र अंबाला के विधानसभा क्षेत्र नारायणगढ़ में भाजपा उम्मीदवार पवन सैनी का विरोध किया गया

है। पवन सैनी नारायणगढ़ कस्बे में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे। लेकिन, उनके आने से पहले ही स्थानीय किसान संगठनों के लोगों को इसकी भनक लग गई। इसके बाद किसान संगठन के सदस्य पहले ही गांव के रास्ते पर झंडे लेकर जमा हो गए। उन्होंने पवन सैनी की गाड़ी आते ही नारेबाजी शुरू कर दी और उन्हें गांव में नहीं घुसने दिया।

# केजरीवाल ने उपराज्यपाल से मंगलवार को मुलाकात का वक्त मांगा, दे सकते हैं इस्तीफा, एलजी से मिला मिलने का समय

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को उपराज्यपाल वी के सक्सेना से मुलाकात का वक्त मांगा है और इस दौरान वह अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने यह जानकारी दी। 'आप' प्रमुख ने कहा था कि वह तभी मुख्यमंत्री और मनीष सिसोदिया उपमुख्यमंत्री बनेंगे, जब लोग कहेंगे कि हम ईमानदार हैं।'' पार्टी ने सोमवार को कहा, मुख्यमंत्री ने सक्सेना से मंगलवार को मुलाकात के लिए वक्त मांगा है। वह अपना इस्तीफा दे सकते हैं। इस बीच, आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उपराज्यपाल सक्सेना ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को मिलने के लिए मंगलवार शाम साढ़े चार बजे का समय दे दिया है।

आबकारी नीति मामले में जमानत पर तिहाड़ जेल से रिहा होने के कुछ दिन बाद 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने रविवार को कहा था कि वह 48 घंटे के भीतर इस्तीफा देंगे और दिल्ली में जल्दी चुनाव कराने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा था कि जब तक लोग उन्हें ईमानदारी का प्रमाणपत्र नहीं दे देते, तब तक वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा था कि वह कुछ दिनों में 'आप' विधायकों की एक बैठक बुलाएंगे और पार्टी का एक नेता मुख्यमंत्री का पदभार संभालेगा।

### दिल्ली का सीएम कौन होगा यह कल हो जाएगा तय : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा देने के ऐलान के बाद नया सीएम कौन होगा इसको लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। अब इसको लेकर आम आदमी पार्टी (आप) नेता सौरभ भारद्वाज ने अटकलों पर विराम लगा दिया है। भारद्वाज ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि आज सोमवार ईद मिलादुन्नबी की छुट्टी है। कल यानी मंगलावर को सीएम अरविंद केजरीवाल अपने पद से इस्तीफा देंगे। केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को दिल्ली का सीएम बनाया जा सकता है। वहीं, दावा यह भी किया जा रहा है कि आप सरकार में एक दर्जन से ज्यादा विभाग संभाल रही मंत्री आतिशी भी सीएम बन सकती हैं।

इन्हीं सब अटकलों के बीच सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा मंजूर होते ही पार्टी विधायक दल की बैठक बुलाएगी। हमारे पास 60 विधायक हैं। विधायक दल की बैठक में जिस नाम पर सहमति बनेगी। वही दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री होगा। दिल्ली में कामकाज, नए मुख्यमंत्री के मुताबिक ही होगा। भारद्वाज ने बताया कि सोमवार की छुट्टी की वजह से मंगलवार को तय हो जाएगा कि सीएम कौन बनेगा। अभी मैं यह नहीं कह सकता हूं कि सीएम कौन बनेगा।

### केजरीवाल अकेले नहीं इससे पहले भी कई सीएम पद से दे चुके हैं इस्तीफा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे का ऐलान कर दिया है। केजरीवाल साढ़े पांच महीने तक तिहाड़ जेल में रहे, लेकिन उन्होंने सीएम पद नहीं छोड़ा था। अब दो दिन पहले जेल से रिहाई के बाद उन्होंने बड़ा दांव खेला है। यह पहली बार नहीं है, जब दिल्ली की सत्ता संभाल रहे किसी नेता को भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरने के बाद पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

इससे पहले बीजेपी के दिग्गज नेता रहे मदन लाल खुराना को भी 1996 में दिल्ली का सीएम पद छोड़ना पड़ा था। उस समय खुराना और बीजेपी के तत्कालीन अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी जैन हवाला मामले में फंसे हुए थे। विपक्ष ने भ्रष्टाचार के मामले पर घेरा तो जनवरी 1996 में आडवाणी ने बीजेपी अध्यक्ष का पद छोड़ा और बेदाग साबित होने तक चुनाव ना लड़ने का ऐलान किया। उसके बाद खुराना पर भी प्रेशर बना और उन्हें भी सीएम की कुर्सी छोड़नी पड़ी। बाद में दो साल तक साहिब सिंह वर्मा दिल्ली के सीएम रहे थे लेकिन, विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महंगी प्याज ने वर्मा की कुर्सी भी छीन ली। साल 1998 में दिल्ली को पहली महिला सीएम के रूप में सुषमा स्वराज मिलीं। सुषमा सिर्फ 52 दिन ही सीएम रही और चुनाव नतीजे आए तो बीजेपी बुरी तरह हार गई। 1993 में 14 सीटें पाने वाली कांग्रेस की 1998 में 52 सीटें जीती और शीला दीक्षित सीएम बनी।

## 960 करोड़ लागत के राष्ट्रीय राजमार्ग 44 की बदहाल स्थिति

देश का पहला साउंडप्रूफ हाईवे, जिसका उद्घाटन बड़ी धूमधाम से 2021 में किया गया था। यह बदहाली का शिकार हो चुका है। 28 किलोमीटर लंबा हिस्सा बनाने में 960 करोड़ रुपये की लागत आई थी। सिवनी और नागपुर के बीच में इस राजमार्ग पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। खराब स्थिति के कारण यह हाईवे देश भर की सुर्खियों में बना हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 का यह खंड, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की महत्वाकांक्षी परियोजना थी। साउंड प्रूफ बनाने के लिए इस राजमार्ग में पानी की तरह पैसा बहाया गया था। वहां पर आज बड़े-बड़े गड्ढों और बातरतीब मरम्मत नहीं होने की वजह से सिंगल लाइन से गाड़ियां निकल रही हैं। इस कारण वाहन चालकों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस पर भी यहां से गुजरने वाले वाहनों को टोल टैक्स पूरा देना पड़ रहा है।

साउंडप्रूफ हाईवे को बनाने के लिए दोनों तरफ मेटल शीट्स लगाई गईं हैं, ताकि वाहनों के शोर से पास के नेशनल टाइगर रिज़र्व के जानवरों और पशु पक्षियों पर शोरगुल का प्रभाव न पड़े। इस हाईवे पर आवाजाही करते समय यात्रियों को न केवल आवाज़ वरन सड़कों की खराब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। लगभग 200 फीट लंबा हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त है, जिसका पूरा पुनर्निर्माण किया जा रहा है। सड़कों के बीच बड़े-बड़े गड्ढे के कारण कई दुर्घटनाऐं हो गई हैं। एक ही साइड से यातायात को चलाया जा रहा है। दोनों ओर वाहनों की कतारें लगी हुई हैं। राजमार्ग के 28 किलोमीटर के क्षेत्र में बड़े-बड़े गड्ढे हैं। जिसके कारण वाहन चालकों का चलना दूभर हो गया है। इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना के रखरखाव में गड़बड़ी को उजागर करती है। भारत के सबसे आधुनिक राजमार्गों में से एक इस राजमार्ग में सुरक्षा के विशेष उपाय किए गए थे। वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर काफी प्रयास के बाद इस राजमार्ग को बनाने की अनुमति मिली थी। उच्च लागत वाली परियोजनाओं का दीर्घकालिक लाभ तभी मिल सकता है। जब इनका उचित रख-रखाव हो निर्माण कार्य बेहतर हो, भ्रष्टाचार ना हो। पिछले 10 साल में इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर बहुत बड़े-बड़े दावे किए गए। अब एक-एक करके घपले-घोटाले बड़ी संख्या में खुलकर सामने आने लगे हैं। जिस तरह से राजमार्ग और पुल क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। उससे वर्तमान केंद्र सरकार की बड़ी बदनामी हो रही है। विशेष रूप से राजमार्गों की गुणवत्ता और रख-रखाव को लेकर अब नितिन गडकरी के ऊपर भी निशाना साधा जा रहा है। पिछले कई वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण में लागत से ज्यादा पैसा खर्च किया गया है। कैग की आडिट रिपोर्ट में कड़ी आपत्ति जताई गई थी। किसी तरह वह मामला दब गया था। अब एक-एक करके फिर मामले खुलने लगे हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर जिस तरह से टोल टैक्स वसूला जा रहा है। उसकी भी कड़ी आलोचना होने लगी है। पहले 60 किलो मीटर से कम में कोई टोल टैक्स नहीं होता था। अब 20 से 30 किलोमीटर में कई टोल नाके देखने को मिल जाते हैं। इस समय अंधेर नगरी चौपट राजा जैसे हालात हैं। जिसको जो मन में आ रहा है, वह कर रहा है। जिस तरह से रोजाना कपड़े बदले जाते हैं। उसी तरह बार-बार केंद्र सरकार अपने नियम एवं कानून बदल देती है। सरकार को लगता है, जनता से विभिन्न माध्यमों से जो टैक्स और शुल्क वसूल किए जा रहे हैं। जनता के पास बहुत पैसा है, सरकार जो टैक्स लगाती है। जनता उसे आसानी से स्वीकार कर लेती है। अभी तक टोल नाकों को लेकर देश में कोई आंदोलन नहीं हुआ है। जिस राष्ट्रीय राजमार्ग से लागत, ब्याज और मुनाफा वसूल हो चुका है। उन पर अभी भी टैक्स वसूल किया जा रहा है। जो नियमों के विपरीत है। टैक्स वसूली के लिए फास्ट ट्रैक के बाद अब एक नया जीपीएस सिस्टम लाया जा रहा है। इसमें 24 घंटे में यदि कोई वाहन 20 किलोमीटर राजमार्ग पर चलेगा, तो उसके बाद शुरू से लेकर पूरा टोल टैक्स किलोमीटर के हिसाब से जीपीएस के माध्यम से कट जाएगा। टोल नाके के आसपास के लोगों को भी रोजाना टोल टैक्स देना पड़ जाएगा। राजमार्ग परिवहन मंत्रालय ने 1,40,000 करोड रुपए का लक्ष्य टोल टैक्स से वसूल करने का बनाया है। वह टैक्स जीपीएस के माध्यम से सरकार वसूल करेगी। जो कि वर्तमान की तुलना में लगभग तीन गुना ज्यादा होगा। सरकार आम जनता के ऊपर तरह-तरह के टैक्स और शुल्क आये दिन लगा रही है। उसका विरोध शुरू होने लगा है। सरकार को यह ध्यान रखना होगा। जनता के ऊपर इस तरह से टैक्स का बोझ ना डाला जाए, जो जनता सहन नहीं कर पाए। अन्यथा आगे चलकर स्थिति कभी भी विस्फोटक हो सकती है।

## आज प्रजातंत्र का मुख्य आधार- स्तंभ न्यायपालिका...?

भारत की आजादी की 'हीरक जयंति' मनाने के बाद आज के हालातों को देखकर यह सहज ही महसूस होता है कि प्रजातंत्र की परिभाषा के चार अंगों से तीन अंग करीब-करीब निष्क्रीय हो चुके है और अब केवल और केवल न्यायपालकि ही प्रजातंत्र का मुख्य आधार स्तंभ बन गया है, जिस पर देश की जनता को आज भी पूरा भरोसा है, शेष तीन स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका और खबर पालिका अपने मूल अस्तित्व खो चुके है और समय के साथ आज की गैर प्रजातंत्री बाढ़ के साथ बहने लगे है। सिर्फ न्यायपालिका ही है जो प्रजातंत्र की हर जरूरत पूर कर रही है और उसकी मर्यादा रख रही है। मेरी इस धारणा का ताजा उदाहरण पिछले दिनों उस समय सामने आया जब प्रधानमंत्री जी सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के निवास पर गणेशोत्सव के कार्यक्रम में शामिल हुए और महाराष्ट्र के प्रमुख राजनीतिक दल शिवसेना (उद्धव) ने इस परिदृष्य पर अनाप-शनाप टिप्पणियां की और उनके प्रवक्ता ने तो यहां तक कह दिया कि- मोदी सरकार के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में उनके द्वारा दायर मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश न करें तथा उसे किसी दूसरे न्यायाधीश को सौंप दे, क्योंकि इस परिदृष्य को देखकर उन्हें उचित न्याय की उम्मीद नही रह गई है, किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने दूसरे दिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानती मामले में मोदी सरकार पर जो पूर्वाग्रह पूर्वक काम करने की टिप्पणियां की, उसने यह सिद्ध कर दिया कि व्यक्तिगत सम्बंध न्याय की गरिमा में बाधक नही बन सकते और भारतीय प्रजातंत्र में आज न्यायपालिका ही सर्वोपरी है, जो अपने धर्म व कर्तव्य का निर्वहन बड़ी ईमानदारी व निष्ठा के साथ कर रही है और न्यायपालिका ने ही प्रजातंत्र को देश में अब तक जीवित रखा हुआ है। श्री अरविंद केजरीवाल की जमानत वाले प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणियां की वे भारतीय न्याय व्यवस्था को शिखर पर बैढ़ाने वाली है, इन टिप्पणियों में भारत की मुख्य सरकारी जांच एजेंसी सीबीआई (केन्द्रीय जांच संगठन) की कार्यप्रणाली को लेकर तीखी टिप्पणियां की गई है और सर्वोच्च न्यायालय की ये टिप्पणियां स्पष्ट करती है कि- सीबीआई निष्पक्ष नही है तथा वह पूर्णतः सरकार की मंशा के अनुरूप सरकार में विराजित राजनेताओं के राजनीतिक मकसदों की पूर्ति करती है, इस फैसले में उक्त सरकारी जांच एजेंसी सीबीआई पर अनेक सवाल खड़े किए गए है, खास करके एक न्यायाधीश की यह टिप्पणी कि- सीबीआई को अपने को, पिंजरें के तोते वाली छवि से मुक्त करना चाहिए। यह एक तथाकथित निष्पक्ष एजेंसी के लिए सबसे बड़ा आघात है। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय का यह सवाल भी काफी महत्व रखता है कि- केजरीवाल को तब गिरफ्तार क्यों किया गया जब उन्हें ईडी के मामले में जमानत मिल गई थी? अब यदि इस सवाल के चलते आम आदमी पार्टी के नेता सीबीआई की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे है तो उन्हें गलत कैसे कहा जा सकता है? और सबसे बड़ी बात यह है कि यह पहली बार नही है, जब सीबीआई को सर्वोच्च न्यायालय से यह सुनना पड़ा हो कि यह सरकार प्रभाव व दबाव में काम कर रही है, इसके पहले मनमोहन सरकार के समय कोयला खदान आवंटन में घोटाले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पिंजरे का तोता कहा था और यहां सबसे बड़ी खेद की बात यह है कि सीबीआई ने इतनी सख्त टिप्पणियों के बाद भी इस कथित छवि से बाहर आने की कौशिश भी नही की। यह अकेला ही उदाहरण नहीं है जब न्यायपालिका ने अपने आपकी निष्पक्ष छवि को प्रदर्शित किया है, इसके पहले भी अनेक प्रकरणों में सरकार को कटघरे में खड़ा कर अपनी निष्पक्षता प्रस्तुत की है, यद्यपि यह भी एक कटु सत्य है कि मोदी सरकार ने न्यायपालिका को अपने कब्जे में रखने के अनेक असफल प्रयास किए किंतु न्यायपालिका ने अनेक दबावों के बावजूद आज तक अपनी निष्पक्ष छवि बरकरार रखी है, जिसके लिए वह बधाई की पात्र है। इसीलिए यह कहना पड़ रहा है कि प्रजातंत्र के अन्य तीन स्तंभ खोखले हो चुके है, सिर्फ न्याय स्तंभ ही है, जिस पर आज के प्रजातंत्र का महल मजबूती से खड़ा है।

## सरदार सरोवर नर्मदा में मनमानी

> "आधे अधूरे कार्यों की पूर्ति से भी अधिक प्राथमिकता अन्य बांध और नदी जोड़ परियोजनाओं को (जिसमें बड़ी मात्रा में नर्मदा या जलाशयों से उद्वहन की योजनाएं हैं) देना क्यों हो रहा है? 1979 में पारित नर्मदा ट्रिब्यूनल फैसले पर, 45 साल पूर्ति के बाद याने दिसंबर 2024 के बाद पुनर्विचार होगा, तो मध्यप्रदेश के अपने ही जलग्रहण क्षेत्र के 18.25 एमएएफ पानी पर दिया अधिकार वापस खींचा न जाए, इसलिए! लेकिन सवाल यही है कि बसानिया, राघवपुर जैसे बांधों को, पर्यावरणीय अध्ययन सह मंजूरी न मिलते, प्रशासकीय मान्यता से बढ़ाएंगे? क्या इनसे विस्थापित और प्रभावित होने वाले आदिवासी और अन्य किसानों, मजदूरों के लिए, 2002 की मध्यप्रदेश की पुनर्वास नीति के तहत, पुनर्वास योजना तैयार है?"

सनत जैन

पूसरदार सरोवर, नर्मदा घाटी में नियोजित 30 बड़े बांधों में से एक महाकाय बांध! इस पर विस्थापितों ने पहाड़ी- निमाड़ी और तीन राज्यों के आदिवासी, किसान, मजदूर, कारीगर, पशुपालक, मछुआरे, व्यापारी...सभी ने गठित की एकजुटता से, अपने अधिकार, कानूनी और संवैधानिक उल्लंघन आदि पर 39 सालों से किया संघर्ष आज भी जारी है! ट्रिब्यूनल के फैसले पर 45 साल बाद जब पुनर्विचार होने जा रहा है, तो उससे भी पहले देश और प्रदेश की जनता ने जाननी चाहिए हकीकत, लाभ-हानि की; ताकि सोच हो, भविष्य की! सरदार सरोवर बांध परियोजना की लाभ हानि का टाटा की कंपनी से (टीईसीएस) जल्दबाजी में विश्व बैंक से कर्जा उठाने के लिए, कई बुनियादी डाटा उपलब्ध न होते हुए, अध्ययन करवाया गया था। तब 1983 में 4200 करोड़ रुपए की लागत आंकी थी। जबकि 6400 करोड़ रुपए की लागत को योजना आयोग की मंजूरी 1988 में मिली थी। अब गुजरात विधानसभा में प्रस्तुत हुआ है कि उस परियोजना की लागत 90,000 करोड़ रुपए तक बढ़ी है। इस परिप्रेक्ष्य में आज भी मध्यप्रदेश और गुजरात तथा महाराष्ट्र और गुजरात के बीच कई वित्तीय मुद्दों पर विवाद जारी है। सबसे गंभीर हकीकत है कि गुजरात शासन कई सारे नये प्रस्ताव रखकर मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से बड़ी राशि वसूलना चाहती है। मध्यप्रदेश की सरदार सरोवर की डूब में आई शासकीय भूमि और वनभूमि (जैसे, महाराष्ट्र की भी) की भरपाई की राशि करीबन 7000 करोड़ होते हुए, उसकी भी पूर्ति आज तक नहीं हुई है, जो परियोजना का हिस्सा और गुजरात का कानूनी फर्ज है! सरदार सरोवर में 192 गांव और 1 नगर को डूब में लाकर भी जलाशय के एक बूंद पर म.प्र. को नहीं है हक! तो इस महाकाय परियोजना से क्या हुआ है लाभ? कितनी भुगती है हानि राज्य ने? इस पर होगा कोई विचार या पुनर्विचार? यह दिसंबर 2024 के पहले (45 साल पूर्ति होने पर ट्रिब्यूनल फैसले पर ही पुनर्विचार जबकि नियोजित है, तो उसके पहले) होगा या नहीं, यह अहम् सवाल है!

महाराष्ट्र राज्य ने एक अवैध कार्य किया है। राज्य का विरोध नकारकर, गुजरात के दबाव- प्रभाव में ट्रिब्यूनल ने दिया मात्र 0.25 एमएएफ याने 11 टीएमसी का पानी, जो महाराष्ट्र को खुद के ही नर्मदा क्षेत्र में उपयोग में लाना था। लेकिन 2015 में उसमें से आधा याने 5.5 टीएमसी पानी नर्मदा में बहां कर गुजरात को देना तय किया और महाराष्ट्र के अधिकारियों के हस्ताक्षर से एक अनुबंध हुआ, जो नर्मदा ट्रिब्यूनल फैसला याने कानून का सरासर उल्लंघन है! इसके बदले उकई बांध (गुजरात) का पानी लेकर पुनर्बसाहटों को देने की घोषणा भी फिजूल है। उर्वरित पानी भी राज्य शासन, नर्मदा की 7 उपनदियों पर 7 बांध बनाकर सतपुड़ा में बड़े टनेल द्वारा तापी की घाटी में ही परिवर्तित करने की योजना आगे धकेल रही है, जो नर्मदा घाटी के 300+ आदिवासी गांवों पर डूब क्षेत्र के बचे फलियों के आदिवासियों पर भी वंचना से अत्याचार ही होगा। बड़े टनेल से सतपुड़ा भी धंसने लगेगा। सभी ग्रामसभाओं का विरोध 'पेसा' कानून के तहत शासन को आदेश है। यह एक नदी घाटी से दूसरी घाटी में पानी का वितरण है, जो कार्य आंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अब नामंजूर होता गया है। मोरारजी देसाई जब प्रधानमंत्री बने, तभी 10 साल बाद नर्मदा ट्रिब्यूनल का फैसला आया! सबसे अधिक बांध के- जलाशय के पानी पर अधिकार मिला, कच्छ- सौराष्ट्र जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों के नाम, गुजरात को ! प्रत्यक्ष में कच्छ तरस रहा, वहां पहुंची शाखा नहर से आगे माइनर नेटवर्क का निर्माण न होने से रापार जैसे एकाध तहसील के कुछ किसान छोड़कर अन्यों को नहीं मिली सिंचाई आज तक! पीने का पानी भी बेचा जाता है तो कच्छ की बहुतांश ग्राम पंचायतें नहीं खरीदती है। कच्छ में पानी जाने से हम आंदोलनकारियों ने रोका, यह तो चुनावी प्रचार था ही; लेकिन हकीकत भी साबित करती है, कि सालों से कच्छ में अदानी बंदरगाह, ताप विद्युत परियोजना, जिंदल स्टील जैसी कंपनियों को मिला और कुछ शहरों को भी! सौराष्ट्र में भी छोटी नहरों की टूट-फूट जैसी समस्याएं और मुख्य नहर से निजी पंप द्वारा पानी लेने की खर्चिक नौबत से किसान परेशान है। महाराष्ट्र, गुजरात के पीढ़ियों पुराने आदिवासी, पहाड़ी जंगल और मध्यप्रदेश के सबसे अधिक पहाड़ी- निमाड़ी गांव डूबोकर, कच्छ तक पहुंचे पानी में से कुछ लाख लिटर्स पानी व्यर्थ बहाया जा रहा है, कच्छ की ही रणभूमि में... जहां अगरिया समाज की नमक उत्पादन की आजीविका बर्बाद हो रही है; जिनकी महिलाएं रो पड़ी थीं, हमें मिलने पर! क्या कहें? हंसे या रोए? गुजरात के नीचेवास में, 151 किलोमीटर तक फैले, नर्मदा, भरूच, बड़ौदा, इन तीन जिलों के गांवों के मछुआरे, आदिवासी, किसान और नगरवासी भी काफी भुगत रहे हैं। रदार सरोवर के पर्यावरणीय असर के मुद्दों में अरबी समंदर का 2013 से नर्मदा में 60 किलोमीटर तक घूसना याने 'सी इंग्रेस' की चर्चा नहीं के बराबर है। इससे नर्मदा का पानी और भूजल में भी खारापन आया है, जो गुजरात के गांव, शहर के निवासियों पर, खेती और मत्स्य व्यवसाय पर आघात है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के 2022 के फैसले बाद, सर्वोच्च न्यायालय के भी 4 मार्च 2024 के, नर्मदा में जल परिवहन से पर्यटन के विरोधी फैसले के बावजूद 'क्रू•ा' चलाने की अवैध प्रक्रिया और कार्य आज भी जारी है! 'नर्मदा घाटी विकास' के तहत आगे धकेलती योजनाओं का भविष्य इसके साथ देखना होगा। इसी माह में घोषित म.प्र. के नर्मदा घाटी विकास विभाग के बजट का ऊपरी क्षेत्र के बांध और लिंक परियोजनाओं पर आबंटित हिस्सा, जो 5700 करोड़ में से 4700 करोड़ है। इसमें 1970 के दशक में बने बर्गी परियोजना के नहरों के लिए आबंटन सही है; लेकिन पूर्व में बनी नहरे दशकों तक सूखी रही क्यों? बर्गी से लेकर ओंकारेश्वर और इंदिरा सागर तक के बांधों से प्रभावितों के उर्वरित पुनर्वास कार्य पर ध्यान नहीं? आधे अधूरे कार्यों की पूर्ति से भी अधिक प्राथमिकता अन्य बांध और नदी जोड़ परियोजनाओं को (जिसमें बड़ी मात्रा में नर्मदा या जलाशयों से उद्वहन की योजनाएं हैं) देना क्यों हो रहा है? 1979 में पारित नर्मदा ट्रिब्यूनल फैसले पर, 45 साल पूर्ति के बाद याने दिसंबर 2024 के बाद पुनर्विचार होगा, तो मध्यप्रदेश के अपने ही जलग्रहण क्षेत्र के 18.25 एमएएफ पानी पर दिया अधिकार वापस खींचा न जाए, इसलिए! लेकिन सवाल यही है कि बसानिया, राघवपुर जैसे बांधों को, पर्यावरणीय अध्ययन सह मंजूरी न मिलते, प्रशासकीय मान्यता से बढ़ाएंगे? क्या इनसे विस्थापित और प्रभावित होने वाले आदिवासी और अन्य किसानों, मजदूरों के लिए, 2002 की मध्यप्रदेश की पुनर्वास नीति के तहत, पुनर्वास योजना तैयार है? नर्मदा घाटी के 30 बड़े और 135 मझौले बांधों के अलावा 3000 छोटे बांध भी थे मूल नर्मदा घाटी विकास योजना में। छोटे बांधों पर कितना रखा गया भरोसा? क्या उन्हें दी प्राथमिकता? जलग्रहण की छोटी इकाइयों का विकास क्यों नहीं बना आधार, जल- जंगल- जमीन बचाकर प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग का?

## महान दार्शनिक और गणितज्ञ मार्क्विस डी कोंडोरसेट

> "कोंडोरसेट ने फ्रांसीसी समाज के अन्य प्रबुद्ध सुधारों की भी वकालत की, जैसे कि आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार, प्रोटेस्टेंटों को नागरिक अधिकार प्रदान करना और दासता का उन्मूलन। अपनी पत्नी सोफी डी ग्राउची (जिनसे उन्होंने 1786 में विवाह किया) के साथ, कोंडोरसेट ने पेरिस के उदार अभिजात वर्ग के लिए एक महत्वपूर्ण सैलून चलाया, जहाँ इन मुद्दों पर चर्चा की गई, साथ ही नए अमेरिकी गणराज्य की प्रगति और राजनीतिक रूप से सुधारित फ्रांस में प्रांतीय विधानसभाओं की भविष्य की भूमिका पर भी चर्चा की गई। फ्रांसीसी क्रांति के शुरुआती चरण के दौरान कोंडोरसेट सोसाइटी ऑफ थर्टी और सोसाइटी ऑफ 1789 (जिसके सदस्यों में मार्क्विस डे लाफायेट और ड्यूपॉट डी नेमोर्स शामिल थे) में अन्य उदारवादी सुधारकों के साथ शामिल हो गए।"

संजय गोस्वामी

मार्क्विस डी कोंडोरसेट(1743-1794) का जन्म 17 सितंबर, 1743 को रिबेमोंट, पिकार्डी में हुआ था मैरी-जीन-एंटोनी-निकोलस कैरिटेट, मार्क्विस डी कोंडोरसेट का जन्म 1743 में दक्षिणी फ्रांस के रिबेमोंट शहर में हुआ था। उनका जन्म ऑरेंज की रियासत के एक प्राचीन और कुलीन परिवार में हुआ था, निकोलस डी कोंडोरसेट, जिन्हें मार्क्विस डी कोंडोरसेट के नाम से भी जाना जाता है, एक फ्रांसीसी दार्शनिक, और गणितज्ञ व वैज्ञानिक थे। अपने कई समकालीनों के विपरीत, उन्होंने उदार अर्थव्यवस्था, स्वतंत्र और समान सार्वजनिक निर्देश, संविधानवाद और महिलाओं और सभी जातियों के लोगों के लिए समान अधिकारों की वकालत की1765 से 1774 तक, कोंडोरसेट ने विज्ञान पर ध्यान केंद्रित किया। 1765 में, उन्होंने गणित पर अपना पहला काम प्रकाशित किया जिसका शीर्षक था एसाई सुर ले कैलकुल इंटीग्रल जिसे अच्छी तरह से प्राप्त किया गया, जिसने एक गणितज्ञ के रूप में उनके करियर की शुरुआत की। उन्होंने कई और शोधपत्र प्रकाशित किए, और 1769 में, 26 वर्ष की आयु में, उन्हें एकेडमी रॉयल डेस साइंसेज (फ्रेंच रॉयल एकेडमी ऑफ साइंसेज) के लिए चुना गया। वे एक गणितज्ञ, एक दार्शनिक (वे डीएलम्बर्ट, वोल्टेयर और टर्गोट के मित्र थे), फ्रेंच एकेडमी ऑफ साइंसेज के स्थायी सचिव (1776 से) और फ्रांसीसी क्रांति के दौरान एक राजनीतिज्ञ थे (वे 1791 में विधान सभा के लिए चुने गए और बाद में इसके अध्यक्ष नियुक्त हुए, फिर 1792 में कन्वेंशन के सदस्य बने)। वे कई समितियों में सक्रिय थे, जिन्होंने क्रांति के दौरान कानून बनाए (विशेष रूप से सार्वजनिक शिक्षा और संवैधानिक सुधार पर) लेकिन उदारवादी गिरोंडिन समूह को कन्वेंशन से निष्कासित किए जाने पर जैकोबिन दमन का शिकार हो गए। कोंडोरसेट की शिक्षा रिम्स के एक जेसुइट स्कूल में हुई थी और उन्होंने पेरिस विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ़ नवरे में कठोर वैज्ञानिक शिक्षा प्राप्त की थी। उनका प्रारंभिक शोध कैलकुलस और संभाव्यता सिद्धांत के क्षेत्रों में था, लेकिन बाद में उन्होंने मनुष्य का सामाजिक अंकगणित बनाने के लिए मानव व्यवहार और राजनीतिक संगठनों के अध्ययन में गणित को लागू करने का प्रयास किया। उनका निबंध ESSAI SUR LAPPLICATION DE LANALYSE » LA PROBABILITÉ DES DECISIONS RENDUES » LA PLURALITÉ DES VOIX (1785) यह दिखाने का एक प्रयास था कि कैसे संभाव्यता के गणित का उपयोग राजनीतिक निर्णय लेने को अधिक तर्कसंगत और इसलिए अधिक प्रबुद्ध बनाने के लिए किया जा सकता है। कोंडोरसेट ने इस विषय पर डिडेरो के विश्वकोश (1784-89) के पूरक के लिए लेख लिखे। जब टर्गोट नियंत्रक-जनरल बने और 1774-76 में अनाज व्यापार को मुक्त करने और फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था को विनियमित करने का प्रयास किया, तो कोंडोरसेट ने अपना पूरा समर्थन दिया। उन्हें 1774 में टर्गोट द्वारा इंस्पेक्टर डेस मोनेईस के पद पर नियुक्त किया गया था और उन्होंने लेसेज-फेयर सुधार जैसे कि जबरन श्रम (कोर्वी) और सेग्न्यूरियल ड्यूज के उन्मूलन का बचाव करते हुए कई पर्चे लिखे। उनका वी डे एम. टर्गोट (1786) टर्गोट का एक उत्साही बचाव है और फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था के किसी भी सुधार का विरोध करने वाले निहित स्वार्थों को दूर करने में टर्गोट की विफलता के बावजूद मुक्त बाजार नीतियों की निरंतर आवश्यकता है।

कोंडोरसेट ने फ्रांसीसी समाज के अन्य प्रबुद्ध सुधारों की भी वकालत की, जैसे कि आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार, प्रोटेस्टेंटों को नागरिक अधिकार प्रदान करना और दासता का उन्मूलन। अपनी पत्नी सोफी डी ग्राउची (जिनसे उन्होंने 1786 में विवाह किया) के साथ, कोंडोरसेट ने पेरिस के उदार अभिजात वर्ग के लिए एक महत्वपूर्ण सैलून चलाया, जहाँ इन मुद्दों पर चर्चा की गई, साथ ही नए अमेरिकी गणराज्य की प्रगति और राजनीतिक रूप से सुधारित फ्रांस में प्रांतीय विधानसभाओं की भविष्य की भूमिका पर भी चर्चा की गई। फ्रांसीसी क्रांति के शुरुआती चरण के दौरान कोंडोरसेट सोसाइटी ऑफ थर्टी (जिसके लिए उन्होंने उदारवादी सुधार के लिए कैहियर या मांग तैयार करने में मदद की, जिसे एस्टेट्स जनरल के समक्ष प्रस्तुत किया गया) और सोसाइटी ऑफ 1789 (जिसके सदस्यों में मार्क्विस डे लाफायेट और ड्यूपॉट डी नेमोर्स शामिल थे) में अन्य उदारवादी सुधारकों के साथ शामिल हो गए। कोंडोरसेट ने बाद के समूह की पत्रिका का संपादन किया और यहीं पर उन्होंने 1790 में महिलाओं के नागरिकता के अधिकारों पर बहुत महत्वपूर्ण निबंध प्रकाशित किया। कोंडोरसेट को 1791 में विधान सभा में पेरिस का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था, लेकिन राजशाही की शक्ति को कम करने के मुद्दे पर उदारवादी उदारवादियों से अलग हो गए। वह उदारवादी रिपब्लिकन ब्रिसोट और थॉमस पेन के साथ राजशाही के अंत और एक गणतंत्र संविधान की शुरूआत के लिए आह्वान करने में शामिल हो गए। उन्होंने विधान सभा की सार्वजनिक शिक्षा समिति में काम किया और अप्रैल 1792 में अपनी रिपोर्ट लिखी, लेकिन जिसे उनकी मृत्यु के बाद 1795 तक अपनाया नहीं गया।

कोंडोरसेट कन्वेंशन (ऐसने का प्रतिनिधित्व करने वाले) के सदस्य भी थे, जिसने राजा पर मुकदमा चलाया और फिर उसे मार डाला। उन्होंने राजा को पदच्युत करने के लिए लेकिन उसकी फांसी के खिलाफ मतदान किया। फरवरी 1793 में कोंडोरसेट ने कन्वेंशन की संवैधानिक समिति के समक्ष एक संवैधानिक योजना प्रस्तुत की, जो गणित का उपयोग करके एक तर्कसंगत और प्रतिनिधि निर्वाचित निकाय बनाने के उनके विचार पर आधारित थी, जो सभी लोगों के हितों की सेवा करेगी और एक छोटे समूह को नियंत्रण जब्त करने से रोकेगी। उनकी संवैधानिक योजना उदार गिरोंडिन और कट्टरपंथी जैकोबिन के बीच कन्वेंशन में चल रहे सत्ता संघर्ष का शिकार हो गई। जब प्रमुख गिरोंडिन को कन्वेंशन से निष्कासित कर दिया गया, तो कोंडोरसेट ने विरोध किया और फिर गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपना पड़ा।

## आत्मा का दिव्य भाव

जो व्यक्ति दिव्य पद पर स्थित है, वह न किसी से ईर्ष्या करता है और न किसी वस्तु के लिए लालायित रहता है। जब कोई जीव इस संसार में भौतिक शरीर से युक्त होकर रहता है, तो समझना चाहिए कि वह प्रकृति के तीन गुणों में से छूट जाता है। लेकिन जब तक वह शरीर से बाहर नहीं आ जाता, तब तक उसे उदासीन रहना चाहिए। उसे भगवान की भक्ति में लग जाना चाहिए जिससे भौतिक देह से उसका ममत्व स्वतः विस्मृत हो जाए। जब मनुष्य भौतिक शरीर के प्रति सचेत रहता है तो वह केवल इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, लेकिन जब चेतना कृष्ण में स्थानान्तरित कर देता है, तो इन्द्रियतृप्ति स्वतः रुक जाती है। मनुष्य को इस भौतिक शरीर की आवश्यकता नहीं रह जाती है और न उसे भौतिक शरीर के आदेशों के पालन की आवश्यकता रह जाती है। शरीर के भौतिक गुण कार्य करेंगे, लेकिन आत्मा ऐसे कार्य से पृथक रहेगी। वह न तो शरीर का भोग करना चाहती है, न उससे बाहर जाना चाहती है। इस प्रकार दिव्य पद पर स्थित भक्त स्वयमेव मुक्त हो जाता है। उसे प्रकृति के गुणों के प्रभाव से मुक्त होने के लिए किसी प्रयास की कोई आवश्यकता नहीं रह जाती। भौतिक पद पर स्थित व्यक्ति शरीर को मिलने वाले तथाकथित मान-अपमान से प्रभावित होता है, लेकिन दिव्य पद पर आसीन व्यक्ति ऐसे मिथ्या मान-अपमान से प्रभावित नहीं होता। वह इसकी चिन्ता नहीं करता कि कोई व्यक्ति उसका सम्मान करता है या अपमान। वह उन बातों को स्वीकार कर लेता है, जो कृष्णभावनामृत में उसके कर्त्तव्य के अनुकूल हैं, अन्यथा उसे किसी भौतिक वस्तु की आवश्यकता नहीं रहती। वह प्रत्येक व्यक्ति को जो कृष्णभावनामृत के सम्पादन में उसकी सहायता करता है, मित्र मानता है और तथाकथित शत्रु से भी घृणा नहीं करता। वह समभाव वाला होता है और सारी वस्तुओं को समान धरातल पर देखता है, क्योंकि वह इसे भलीभांति जानता है कि उसे इस संसार से कुछ लेना-देना नहीं है।

## साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साध उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए।

# महान वास्तुकार थे भगवान विश्वकर्मा

**विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। इसलिए भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का सबसे पहला इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों से विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है। दुनिया का निर्माता यानि की दुनिया का निर्माण करने वाला।**

रमेश सर्राफ धमोरा

हर वर्ष 17 सितम्बर को विश्वकर्मा जयंती मनायी जाती है। यह कन्या संक्रांति पर पड़ता है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। हर साल 17 सितंबर को यह पूजा की जाती है। लेकिन इस बार लोगों के मन में 16 सितंबर को लेकर संशय बना हुआ है। इस बार सूर्य 16 सितंबर की शाम को 7 बजकर 29 मिनट पर कन्या राशि में प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए विश्वकर्मा जयंती अगले दिन यानी कि 17 सितंबर को मनाई जाएगी। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरयाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तु दोष नहीं माना जाता। विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। इसलिए भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का सबसे पहला इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों से विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है। दुनिया का निर्माता यानि की दुनिया का निर्माण करने वाला। औद्योगिक श्रमिकों द्धारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंतगबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावेतनिक अवकाश प्रदान करती है।

यह त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं और भगवान विश्वकर्मा से उनकी आजीविका सुरक्षित रखने के लिए प्रार्थना करते हैं। वे मशीनों के सुचारू संचालन के लिए प्रार्थना करते हैं और विश्वकर्मा पूजा के दिन अपने उपकरणों का उपयोग करने से परहेज करते हैं।

विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड (पृथ्वी और स्वर्ग) के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिव लिंगम की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं।

विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तु तंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तु विद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं।

विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देव शिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चन किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यो में प्रयुक्त होने वाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है।

धर्मग्रंथों में विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तुदेव थे। जिन्हें शिल्प शास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तुदेव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तु शिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है।

पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्गलोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुरराज रावण की स्वर्ण नगरी लंका, भगवान श्रीकृष्ण की समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था। महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्ववकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वणकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेता युग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था।

विष्णु को चक्र, शिव को त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रह कर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निर्माता विश्वकर्मा ही थे। पार्वती के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी।

माना जाता है कि विश्वकर्मा ने ही लंका का निर्माण किया था। इसके पीछे कहानी है कि शिव ने माता पार्वती के लिए एक महल का निर्माण करने के लिए भगवान विश्वकर्मा को कहा तो विश्वकर्मा ने सोने का महल बना दिया। इस महल के पूजन के दौरान भगवान शिव ने राजा रावण को आंमत्रित किया। रावण महल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गया और जब भगवान शिव ने उससे दक्षिणा में कुछ देने को कहा तथा उसने महल ही मांग लिया। भगवान शिव ने उसे महल देकर वापस पर्वतों पर चले गए। विश्वकर्मा ने देवताओं के लिए उड़ने वाले रथों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा ने देवताओं के राजा इंद्र का हथियार वज्र का निर्माण किया था। वज्र को ऋषि दधीचि और अज्ञेयस्त्र की हड्डियों से बनाया गया है। भगवान कृष्ण का सुदर्शन चक्र उनकी शक्तिशाली रचनाओं में से एक था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कामगारों के लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा जयंती पर देश में एक नई योजना 'विश्वकर्मा योजना' को लॉन्च किया जाएगा। इस योजना के तहत देश में फर्नीचर या लकड़ी का काम करने वाले, सैलून चलाने वाले, जूते बनाने वाले और मकान बनाने वाले कामगारों को आर्थिक मदद मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने कहा विश्वकर्मा जयंती पर सरकार 13 से 15 हजार करोड़ रुपये की एक योजना को लॉन्च करेंगी। इस तरह उन लोगों की सहायता हो सकेगी जो परांपरिक तरीके के कौशल से अपनी जीवका चलाते है। ये अपना भरणपोषण औजारों और हाथ से काम करके करते है। उन्होंने कहा कि इनमें सुनार हों, राजमिस्त्री हों, कपड़े धोने वाले हों या बाल काटने वाले के परिवार हों। ऐसे लोगों को इस योजना से आर्थिक ताकत प्रदान की जा सकेगी।

# वेद, उपनिषदों में है भगवान विश्वकर्मा के पूजन की गाथा

**एक कथा के अनुसार सृष्टि के प्रारंभ में सर्वप्रथम 'नारायण' अर्थात साक्षात विष्णु भगवान सागर में शेषशय्या पर प्रकट हुए. उनके नाभि-कमल से चर्तुमुख ब्रह्मा दृष्टिगोचर हो रहे थे. ब्रह्मा के पुत्र 'धर्म' तथा धर्म के पुत्र 'वास्तुदेव' हुए. कहा जाता है कि धर्म की 'वस्तु' नामक स्त्री से उत्पन्न 'वास्तु' सातवें पुत्र थे, जो शिल्पशास्त्र के आदि प्रवर्तक थे. उन्हीं वास्तुदेव की 'अंगिरसी' नामक पत्नी से विश्वकर्मा उत्पन्न हुए. पिता की भांति विश्वकर्मा भी वास्तुकला के अद्वितीय आचार्य बने.**

## क्या है मान्यता

कहा जाता है कि प्राचीन काल में जितनी राजधानियां थी, प्रायः सभी विश्वकर्मा की ही बनाई कही जाती हैं. यहां तक कि सतयुग का 'स्वर्ग लोक', त्रेता युग की 'लंका', द्वापर की 'द्वारिका' और कलयुग का 'हस्तिनापुर' आदि विश्वकर्मा द्वारा ही रचित हैं. 'सुदामापुरी' की तत्क्षण रचना के बारे में भी यह कहा जाता है कि उसके निर्माता विश्वकर्मा ही थे. इससे यह आशय लगाया जाता है कि धन-धान्य और सुख-समृद्धि की अभिलाषा रखने वाले पुरुषों को बाबा विश्वकर्मा की पूजा करना आवश्यक और मंगलदायी है.

## अनेक रूप हैं भगवान विश्वकर्मा के

भगवान विश्वकर्मा के अनेक रूप बताए जाते हैं- दो बाहु वाले, चार बाहु एवं दस बाहु वाले तथा एक मुख, चार मुख एवं पंचमुख वाले. उनके मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी एवं दैवज्ञ नामक पांच पुत्र हैं. यह भी मान्यता है कि ये पांचों वास्तु शिल्प की अलग-अलग विधाओं में पारंगत थे और उन्होंने कई वस्तुओं का आविष्कार किया. इस प्रसंग में मनु को लोहे से, तो मय को लकड़ी, त्वष्टा को कांसे एवं तांबे, शिल्पी ईंट और दैवज्ञ को सोने-चांदी से जोड़ा जाता है.

## विश्वकर्मा पर प्रचलित कथा

भगवान विश्वकर्मा की महत्ता स्थापित करने वाली एक कथा है. इसके अनुसार वाराणसी में धार्मिक व्यवहार से चलने वाला एक रथकार अपनी पत्नी के साथ रहता था. अपने कार्य में निपुण था, परंतु विभिन्न जगहों पर घूम-घूम कर प्रयत्न करने पर भी भोजन से अधिक धन नहीं प्राप्त कर पाता था. पति की तरह पत्नी भी पुत्र न होने के कारण चिंतित रहती थी. पुत्र प्राप्ति के लिए वे साधु-संतों के यहां जाते थे, लेकिन यह इच्छा उसकी पूरी न हो सकी. तब एक पड़ोसी ब्राह्मण ने रथकार की पत्नी से कहा कि तुम भगवान विश्वकर्मा की शरण में जाओ, तुम्हारी इच्छा पूरी होगी और अमावस्या तिथि को व्रत कर भगवान विश्वकर्मा महात्म्य को सुनो. इसके बाद रथकार एवं उसकी पत्नी ने अमावस्या को भगवान विश्वकर्मा की पूजा की, जिससे उसे धन-धान्य और पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई और वे सुखी जीवन व्यतीत करने लगे. उत्तर भारत में इस पूजा का काफी महत्व है.

भगवान विश्वकर्मा की पूजा और यज्ञ विशेष विधि-विधान से होता है. इसकी विधि यह है कि यज्ञकर्ता पत्नी सहित पूजा स्थान में बैठे. इसके बाद विष्णु भगवान का ध्यान करे. तत्पश्चात् हाथ में पुष्प, अक्षत लेकर मंत्र पढ़े और चारों ओर अक्षत छिड़के. अपने हाथ में रक्षासूत्र बांधे एवं पत्नी को भी बांधे. पुष्प जलपात्र में छोड़े. इसके बाद हृदय में भगवान विश्वकर्मा का ध्यान करें. दीप जलायें, जल के साथ पुष्प एवं सुपारी लेकर संकल्प करें. शुद्ध भूमि पर अष्टदल कमल बनाए. उस पर जल डालें. इसके बाद पंचपल्लव, सप्त मृन्तिका, सुपारी, दक्षिणा कलश में डालकर कपड़े से कलश की तरफ अक्षत चढ़ाएं. चावल से भरा पात्र समर्पित कर विश्वकर्मा बाबा की मूर्ति स्थापित करें और वरुण देव का आह्वान करें. पुष्प चढ़ाकर कहना चाहिए- 'हे विश्वकर्माजी, इस मूर्ति में विराजिए और मेरी पूजा स्वीकार कीजिए'. इस प्रकार पूजन के बाद विविध प्रकार के औजारों और यंत्रों आदि की पूजा कर हवन यज्ञ करें.

## कैसे हुई भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति

एक कथा के अनुसार सृष्टि के प्रारंभ में सर्वप्रथम 'नारायण' अर्थात साक्षात विष्णु भगवान सागर में शेषशय्या पर प्रकट हुए. उनके नाभि-कमल से चर्तुमुख ब्रह्मा दृष्टिगोचर हो रहे थे. ब्रह्मा के पुत्र 'धर्म' तथा धर्म के पुत्र 'वास्तुदेव' हुए. कहा जाता है कि धर्म की 'वस्तु' नामक स्त्री से उत्पन्न 'वास्तु' सातवें पुत्र थे, जो शिल्पशास्त्र के आदि प्रवर्तक थे. उन्हीं वास्तुदेव की 'अंगिरसी' नामक पत्नी से विश्वकर्मा उत्पन्न हुए. पिता की भांति विश्वकर्मा भी वास्तुकला के अद्वितीय आचार्य बने.

## भगवान विश्वकर्मा के पूजन की गाथा

1. हम अपने प्राचीन ग्रंथो उपनिषद एवं पुराण आदि का अवलोकन करें तो पायेगें कि आदि काल से ही विश्वकर्मा शिल्पी अपने विशिष्ट ज्ञान एवं विज्ञान के कारण ही न मात्र मानवों अपितु देवगणों द्वारा भी पूजित और वंदित है.
2. माना जाता है कि पुष्पक विमान का निर्माण तथा सभी देवों के भवन और उनके दैनिक उपयोग में होने वाली वस्तुएं भी इनके द्वारा ही बनाया गया है. कर्ण का कुण्डल, विष्णु भगवान का सुदर्शन चक्र, शंकर भगवान का त्रिशूल और यमराज का कालदण्ड इत्यादि वस्तुओं का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने ही किया है.
3. हमारे धर्मशास्त्रों और ग्रथों में विश्वकर्मा के पांच स्वरुपों और अवतारों का वर्णन है. विराट विश्वकर्मा, धर्मवंशी विश्वकर्मा, अंगिरावंशी विश्वकर्मा, सुधन्वा विश्वकर्म और भृंगुवंशी विश्वकर्मा.
4. भगवान विश्वकर्मा के सबसे बडे पुत्र मनु ऋषि थे. इनका विवाह अंगिरा ऋषि की कन्या कंचना के साथ हुआ था. इन्होंने मानव सृष्टि का निर्माण किया है. इनके कुल में अग्निगर्भ, सर्वतोमुख, ब्रम्ह आदि ऋषि उत्पन्न हुये है.
5. विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में मान्य हैं, किंतु उनका पौराणिक स्वरूप अलग प्रतीत होता है. आरंभिक काल से ही विश्वकर्मा के प्रति सम्मान का भाव रहा है. उनको गृहस्थ जैसी संस्था के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक माना गया है. वह सृष्टि के प्रथम सूत्रधार कहे गए हैं.
6. विष्णुपुराण के पहले अंश में विश्वकर्मा को देवताओं का देव-बढ़ई कहा गया है तथा शिल्पावतार के रूप में सम्मान योग्य बताया गया है. यही मान्यता अनेक पुराणों में आई है, जबकि शिल्प के ग्रंथों में वह सृष्टिकर्ता भी कहे गए हैं. स्कंदपुराण में उन्हें देवायतनों का सृष्टा कहा गया है. कहा जाता है कि वह शिल्प के इतने ज्ञाता थे कि जल पर चल सकने योग्य खड़ाऊ तैयार करने में समर्थ थे.
7. विश्व के सबसे पहले तकनीकी ग्रंथ विश्वकर्मीय ग्रंथ ही माने गए हैं. विश्वकर्मीयम ग्रंथ इनमें बहुत प्राचीन माना गया है, जिसमें न केवल वास्तुविद्या बल्कि रथादि वाहन और रत्नों पर विमर्श है. 'विश्वकर्माप्रकाश' विश्वकर्मा के मतों का जीवंत ग्रंथ है. विश्वकर्माप्रकाश को वास्तुतंत्र भी कहा जाता है. इसमें मानव और देववास्तु विद्या को गणित के कई सूत्रों के साथ बताया गया है, ये सब प्रामाणिक और प्रासंगिक हैं.

# मस्क ने उठाया सवाल बोले- बाइडेन और कमला पर क्यों नहीं होते हमले

पेरिस(ईएमएस)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की दूसरी कोशिश के बाद अमेरिकी खुफिया विभाग एफबीआई मामले की जांच कर रही है। एजेंसी ने कंफर्म किया है कि ट्रंप की हत्या का प्रयास किया गया है लेकिन, मकसद अभी अस्पष्ट है। आरोपी गिरफ्तार हो चुका है। उसका पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड है। रिपोर्ट है कि आरोपी यूक्रेन समर्थक है और डेमोक्रेटिक पार्टी को सपोर्ट करता है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच टेक अरबपति एलन मस्क ने विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट से सनसनी मचा दी है। उन्होंने सवाल किया कि सिर्फ ट्रंप पर ही जानलेवा हमले क्यों हो रहे हैं? जो बाइडेन या कमला हैरिस पर हत्या का प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा है?

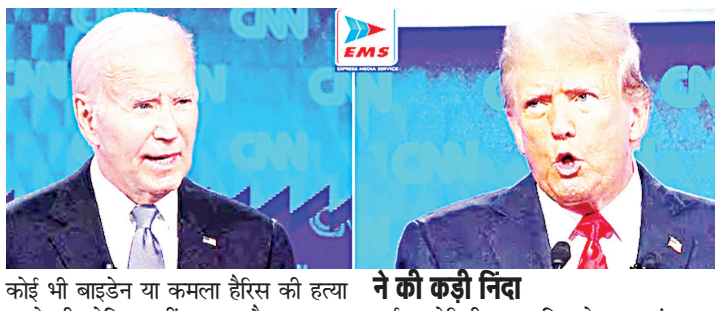

टेक अरबपति एलन मस्क ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दूसरे हत्या के प्रयास पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक एक्स यूजर ने मस्क की पोस्ट पर रिप्लाई किया था कि वे डोनाल्ड ट्रम्प को क्यों मारना चाहते हैं? इसका जवाब देते हुए, टेस्ला के सीईओ ने कहा, और कोई भी बाइडेन या कमला हैरिस की हत्या करने की कोशिश नहीं कर रहा है। इस साल जुलाई में मस्क ने आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रम्प को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी।

### ट्रंप पर हुए हमले की राष्ट्रपति बाइडेन ने की कड़ी निंदा

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा है कि हमारे देश में राजनीतिक हिंसा या किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को गोलीबारी की घटना के दौरान सुरक्षित रखने में मदद करने के लिए सुरक्षा में तैनात अधिकारियों की प्रशंसा की। जांचकर्ताओं ने पुष्टि की है कि रविवार को रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या का प्रयास किया गया था।

बाइडेन ने फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में ट्रंप के गोल्फ क्लब में गोलीबारी के बारे में जानकारी दिए जाने के बाद कहा, जैसा कि मैंने कई बार कहा है, हमारे देश में राजनीतिक हिंसा या किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है, और मैंने अपनी टीम को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है कि सीक्रेट सर्विस के पास पूर्व राष्ट्रपति की निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी संसाधन, क्षमता और सुरक्षात्मक उपाय हैं।

## पाकिस्तान के साथ परमाणु संधि करनी होगी : प्रो. शाहिदुज्जमां

### बांग्लादेश भारत से दुश्मनी और पाकिस्तान से दोस्ती की डगर पर?

ढाका(ईएमएस)। ढाका विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर ने कुछ ऐसा बयान दिया है, जो भारत विरोधी है। बयान सुनकर ऐसा लगता है कि बांग्लादेश भारत से दुश्मनी और पाकिस्तान से दोस्ती की तरफ आगे बढ़ रहा है। ढाका यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने एक सेमिनार के दौरा बांग्लादेश के लिए न्यूक्लियर हथियारों की बात की और भारत को एक बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा, हमें पाकिस्तान के साथ परमाणु संधि करनी होगी। पाकिस्तान, बांग्लादेश का सबसे विश्वसनीय और भरोसेमंद सुरक्षा सहयोगी है। यह वही बात है, जिस पर भारतीय हमें विश्वास नहीं कराना चाहते।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तकनीकी सहायता के बिना भारत को रोका नहीं जा सकता। प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने कहा, पाकिस्तान हमेशा से बांग्लादेश का सबसे भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार रहा है, बांग्लादेश को पाकिस्तान की तरफ झुकना चाहिए। प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने आगे कहा, पाकिस्तानियों का दिल ईर्ष्यालु है। वे नहीं चाहते कि हम माफी मांगें लेकिन वे यह भी नहीं चाहते कि हम भारत के साथ रहें। वे हमें भारत से बचाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं।

प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने पाकिस्तान से परमाणु मिसाइलें हासिल करने और उन्हें भारत की सीमा पर तैनात करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि उत्तरी बंगाल और चटगांव पहाड़ी इलाकों में पाकिस्तान की गौरी शॉर्ट-रेंज मिसाइलों को तैनात करने से भारत पर निवारक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत, बांग्लादेश के कुछ हिस्सों पर कब्जा करके उसे पूर्वोत्तर राज्यों का हिस्सा बनाना चाहता है और इसे रोकने के लिए परमाणु संधि और पाकिस्तानी मिसाइलों को हासिल करने के मामले में मदद की जरूरत है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया डॉ मोहम्मद यूनुस ने पिछले दिनों अपने पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंध रखने की बात कही थी। उन्होंने कहा था बांग्लादेश, भारत और अन्य पड़ोसी देशों के साथ अच्छे रिश्ते रखना चाहता है। यह 'निष्पक्षता और समानता' के आधार पर होना चाहिए। यूनुस ने अपने संबोधन में बताया कि अंतरिम सरकार के मुखिया के रूप में शपथ लेने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सहित कई अन्य देशों के नेताओं ने उन्हें बधाई देने के लिए फोन किया था। उन्होंने कहा, हम भारत और अन्य पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं, लेकिन ये संबंध निष्पक्षता और समानता के आधार पर होने चाहिए।

लास एंजिल्स में एमी अवार्ड समारोह में ड्रामा सीरीज शोगुन के लिए अन्ना सवाई को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवार्ड मिला।

## ईरान ने अंतरिक्ष में लॉन्च की मिसाइल तो भड़का अमेरिका

तेहरान (ईएमएस)। ईरान ने अपने अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड द्वारा निर्मित रॉकेट से एक सैटेलाइट सफलतापूर्वक लॉन्च किया। यह ईरान का दूसरा सैटेलाइट प्रक्षेपण है, जिसे लेकर पश्चिमी देशों ने चिंता जताई है कि इससे ईरान को अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। सरकारी मीडिया के अनुसार यह प्रक्षेपण सफल रहा और उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। ईरानी मीडिया ने प्रक्षेपण का वीडियो जारी किया, जिसमें मोबाइल लांचर से रॉकेट को लॉन्च होते देखा जा सकता है। यह प्रक्षेपण शाहरूद शहर के बाहरी इलाके से हुआ, जो राजधानी तेहरान से लगभग 350 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। प्रक्षेपण ऐसे समय में हुआ है, जब पश्चिम एशिया में इजराइल-हमास युद्ध के कारण तनाव बढ़ा हुआ है। रिवॉल्यूशनरी गार्ड द्वारा इस्तेमाल किए गए कायम-100 रॉकेट से उपग्रह चमरान-1 को लॉन्च किया गया, जिसका वजन 60 किलोग्राम है। इस सैटेलाइट का प्रक्षेपण ऐसे समय में हुआ है, जब ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इस प्रक्षेपण को लेकर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि ईरान का अंतरिक्ष प्रक्षेपण कार्यक्रम लंबी दूरी की मिसाइल तकनीक को विकसित करने में मददगार साबित हो सकता है, जिससे वैश्विक सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

## चीन के एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान से उड़ान भरेंगे लड़ाकू विमान, जे-35 स्टील्थ फाइटर जेट का किया जा रहा परीक्षण

बीजिंग (ईएमएस)। चीन अपने एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान पर तैनात करने के लिए जे-35 स्टील्थ फाइटर जेट का परीक्षण कर रहा है। फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल्ट सिस्टम से लैस है, जो भारी से भारी विमानों को भी आसानी से टेकऑफ करा सकता है। इसे अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड के बराबर माना जाता है। हालांकि यह भी समुद्री परीक्षण के दौर से गुजर रहा है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की शुरुआत में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) नेवी के पहले एयरक्राफ्ट कैरियर लियाओनिंग पर एक नए प्रकार के युद्धक विमान का परीक्षण किया था। नया विमान लंबे समय से प्रतीक्षित जे-35 हो सकता है। इसे एफसी-31 के नाम से भी जाना जाता है। यह चीन का नेक्स्ट जेनरेशन कैरियर बेस्ड फाइटर जेट भी है। पाकिस्तान इसी विमान का एक अलग वेरिएंट खरीदने की योजना बना रहा है। हालांकि, चीन ने पाकिस्तान को एफसी-31 बेचने को लेकर अभी मंजूरी नहीं दी है। चीन के पास वर्तमान में दो एयरक्राफ्ट कैरियर हैं, लिओनिंग, जो सोवियत युग के जहाज का एक नया रूप है और दूसरा-शेडोंग, जो 2019 में कमीशन किया गया दूसरा स्वदेशी रूप से निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर है।

चीन का तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान दोनों एयरक्राफ्ट कैरियर से बड़ा है। फुजियान की विस्थापन क्षमता 80 हजार टन है। वर्तमान में इस एयरक्राफ्ट कैरियर का समुद्री परीक्षण चल रहा है। यह पूरी तरह से घरेलू रूप से विकसित और निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर है जिसमें अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड के समान इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम लगे है। वहीं, चीन के बाकी के दो एयरक्राफ्ट कैरियर स्की जंप टेक ऑफ रैंप से लैस हैं। सिर्फ फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर में ही फ्लैट-टॉप फ्लाइट डेक है।

चीन अभी तक एयरक्राफ्ट कैरियरों से जे-15 विमान संचालित करता है। विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया कि चीन के पास अब सेवा के लिए तैयार एक नए प्रकार का एयरक्राफ्ट कैरियर से ऑपरेट होने वाला विमान है। रिपोर्ट ने यह भी पुष्टि की कि नया लड़ाकू विमान न केवल चीन के तीसरे एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान पर ऑपरेशनल है, जो इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट से सुसज्जित है, बल्कि पिछले दो कैरियरों लियाओनिंग और शेडोंग से भी उड़ान भर रहा है।

## इलेक्ट्रिक ट्रक में लगी आग को बुझाने में लग गया 50 हजार गैलन पानी

कैलिफोर्निया (ईएमएस)। टेस्ला कंपनी के सेमी ई-ट्रक में आग लग गई। आग को बुझाने में 50 हजार गैलन यानी 1.90 लाख लीटर से ज्यादा पानी लगा। मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी अमेरिका के राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने दी। ट्रक में आग लगने घटना कैलिफोर्निया के इंटरस्टेट 80 पर लेक ताहो के पश्चिम में हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रक मोड़ पर सड़क से उतर गया और एक पेड़ से टकरा गया। एनटीएसबी ने कहा कि आग बुझाने के लिए फायर कर्मियों ने एहतियात के तौर पर पानी के अलावा विमान का भी सहारा लिया जिसके जरिए से अग्निरोधी पदार्थ को आग के ऊपर गिराया गया ताकि आग पर काबू पाया जा सके और आग को फैलने से रोका जा सके। बता दें 50,000 गैलन पानी 50 फीट लंबा और 24 फीट चौड़ा स्विमिंग पूल के बराबर होता है, जिसकी गहराई 3-8 फीट है। यह औसत घरेलू इनग्राउंड पूल से काफी बड़ा है, जो आमतौर पर 20-40 फीट लंबा और 10-20 फीट चौड़ा होता है। इसके अलावा, फायर डिपार्टमेंट द्वारा इस्तेमाल किया जाने

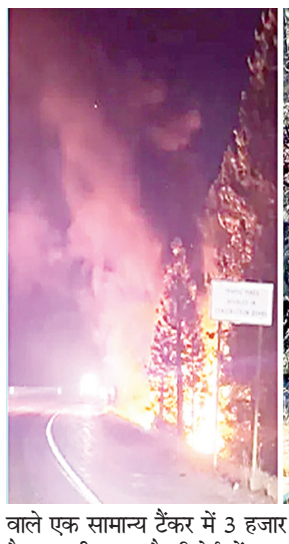

वाले एक सामान्य टैंकर में 3 हजार गैलन पानी आता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला ट्रक, कैलिफोर्निया के लिवरमोर में एक गोदाम से स्पार्क्स, नेवादा स्थित कंपनी की बैटरी को फैक्ट्री में ले जा रहा था। इस घटना के कारण राजमार्ग I-80 का एक हिस्सा करीब 15 घंटे तक बंद रहा। फायर कर्मियों ने बताया कि आग लगने के दौरान बैटरी का तापमान एक हजार फारेनहाइट यानी 540 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

बता दें कि जिस सेमी इलेक्ट्रिक ट्रक में आग लगी थी उसका डिजाइन टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने नवंबर 2017 में एक कार्यक्रम के दौरान दुनिया के सामने रखा था। उन्होंने तब वादा किया था कि यह 2020 में बाजार में आएगा। हालांकि कंपनी ने अभी भी बड़े पैमाने पर ट्रक बनाना शुरू नहीं किया है।

## संविधान में संशोधन करने जा रहा उत्तर कोरिया, पडोसी देशों से बढ़ सकता है टकराव!

सोल(ईएमएस)। अपनी सनक के लिए जग जाहिर उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग-उन दक्षिण कोरिया को अपना मुख्य दुश्मन मानता है। आए दिन दोनों देशों के बीच टकराव की खबरें भी आती रहीं हैं। इसी बीच उत्तर कोरिया ने कुछ दिन पहले घोषणा कर दी कि वो संविधान में संशोधन करेगा। इसके बाद संविधान संशोधन पर काम शुरु किया गया।किम के आदेशानुसार एकीकरण संबंधी धाराएं हटा दी गईं तथा समुद्री सीमा सहित देश की क्षेत्रीय सीमाओं को नए सिरे से निर्धारित किया गया। इससे दक्षिण कोरिया से टकराव बढ़ने की आशंका जाहिर की जा रही है।

दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने पहले कहा था कि उत्तर कोरिया अपनी अगली एस।पी।ए। बैठक में 1991 में हस्ताक्षरित अंतर-कोरियाई बुनियादी समझौते को रद्द कर सकता है। बता दें कि 1991 के समझौते के तहत अंतर-कोरियाई संबंधों को एक विशेष संबंध के रूप में परिभाषित किया गया था। केसीएनए ने कहा कि देश के समाजवादी संविधान में संशोधन और उसे त्रुटि मुक्त (पूरक) करने के साथ ही उत्तर कोरिया हल्के उद्योग और बाह्य आर्थिक मामलों पर कानूनों पर विचार-विमर्श और उन्हें अपनाने तथा गुणवत्ता नियंत्रण कानून के प्रवर्तन की निगरानी के मुद्दे पर भी चर्चा करेगा। उत्तर कोरिया अगले महीने एक महत्वपूर्ण संसदीय बैठक आयोजित करेगा। बैठक में मुख्य रूप से देश के संविधान में संशोधन किया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को राज्य मीडिया ने दी। इससे पहले उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन ने दक्षिण कोरिया को अपना मुख्य दुश्मन बताने के लिए संवैधानिक संशोधन का आह्वान किया था। स्थानीय

मीडिया के अनुसार, 14वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली (एसपीए) का 11वां सत्र 7 अक्टूबर को प्योंगयांग में आयोजित किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में एसपीए की बैठक में उत्तर कोरिया के नेता ने संविधान में संशोधन कर दक्षिण कोरिया को अपना प्रमुख शत्रु बताया था। वहीं, युद्ध की स्थिति में दक्षिण कोरियाई क्षेत्र पर पूर्ण कब्जा करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी।गौरतलब है कि एसपीए उत्तर कोरिया के संविधान के तहत राज्य सत्ता का सर्वोच्च अंग है, लेकिन वास्तव में यह सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के निर्णयों पर केवल मुहर लगाता है। इस बीच, उत्तर कोरिया द्वारा नए एसपीए प्रतिनिधियों को चुनने के लिए शीघ्र ही चुनाव कराने की संभावना है, क्योंकि उसने अगले महीने संसदीय बैठक बुलाने की घोषणा की है।

## पहली बार सेना मुख्यालय पहुंचे यूनुस, जनरल ने किया स्वागत

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस ने पहली बार सेना मुख्यालय का दौरा किया जहां उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जानकारी दी गई। सेना मुख्यालय पहुंचने पर सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने यूनुस का स्वागत किया। यूनुस द्वारा दिए गए निर्देश सामूहिक रूप से भविष्य की कार्य योजना के निर्माण और इन्हें लागू करने के लिए प्रभावी भूमिका निभाने में बहुत मददगार होंगे। विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन, गृह सलाहकार रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल जहांगीर आलम चौधरी, रक्षा एवं राष्ट्रीय एकता के मामलों के यूनुस के विशेष सहायक रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल अब्दुल हाफिज, कैबिनेट सचिव महबूब हुसैन, नौसेना और वायु सेना के प्रमुख और कई कानून प्रवर्तन और बांग्लादेश की खुफिया एजेंसियों के प्रमुख भी वहां मौजूद थे।

### आर्थिक तंगी से जूझ रहे बांग्लादेश को अमेरिका देगा 20 करोड़ डॉलर

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां के आर्थिक हालात बिगड़े हुए हैं। उन्हें सुधाने के लिए अमेरिका ने अब बांग्लादेश के लिए खजाने का दरवाजा खोल दिया है। अमेरिका बांग्लादेश

को विकास संबंधी परियोजनाओं, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने और देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका करीब 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता मुहैया करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि आर्थिक संबंध प्रभाग के अतिरिक्त सचिव एकेएम शहाबुद्दीन और यूएसएआईडी के मिशन निदेशक रीड जे. एस्क्लिमन ने अपने-अपने देश की सरकारों की ओर से ढाका में डीओएजी के छठे संशोधन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत यूएसएआईडी सुशासन, सामाजिक, मानवीय और आर्थिक क्षेत्रों में अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश को 20.22 करोड़ अमेरिकी डॉलर देगा। यूएसएआईडी-बांग्लादेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यूएसएआईडी ने विकास संबंधी कार्यों, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र और शासन को मजबूत करने, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार और पूरे देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश सरकार के साथ 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस ने एक उच्च-स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर बांग्लादेश के पुनर्निर्माण, महत्वपूर्ण सुधारों को पूरा करने के संबंध में अमेरिका से सहयोग का आग्रह किया था।

## फ्रांस बनाएगा सुपर राफेल, अमेरिकी एफ-35 को पीछे छोड़ देगा

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस ने अपने अत्याधुनिक फाइटर जेट राफेल के नए और अधिक उन्नत संस्करण सुपर राफेल या राफेल एफ5 को विकसित करने की योजना बनाई है। इस नए संस्करण का उद्देश्य अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट से बेहतर प्रदर्शन करना है। फ्रांस का मानना है कि यह नया संस्करण राफेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिर से मजबूती से स्थापित करेगा। डसॉल्ट एविएशन के साथ मिलकर फ्रांस ने इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है, जिसे 2030 तक पूरा किए जाने का प्रयास किया जाएगा। सुपर राफेल, उन्नत तकनीक से लैस होगा, जिसमें एनयूरों नामक विंगमैन ड्रोन के साथ एकीकृत रूप से काम करने की क्षमता होगी। यह नया जेट स्वायत्त ऑपरेशन के साथ-साथ रडार जैमिंग और आत्मरक्षा प्रणाली से भी लैस होगा, जो इसे दुश्मनों के हमलों से बचाने में मदद करेगा। फ्रांस और ब्रिटेन के सहयोग से सुपर राफेल में भविष्य की क्रूज मिसाइल और एंटी-शिप मिसाइल जैसी नई मिसाइलें भी शामिल होंगी। इसके अलावा इसमें एक उन्नत टारगेटिंग पॉड होगा, जो मौजूदा राफेल एफ3आर और एफ4 वेरिएंट में उपयोग किए जाने वाले टैलियोस और मिराज विमान में उपयोग होने वाले रीको एनजी पॉड की ताकत को जोड़कर काम करेगा। सुपर राफेल को हाइपरसोनिक परमाणु मिसाइलों को ले जाने के लिए भी डिजाइन किया जा रहा है, जो इसे एक शक्तिशाली और बहुमुखी फाइटर जेट बनाएगा। फ्रांसीसी रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यह सिर्फ एक फाइटर जेट नहीं, बल्कि एक एयर कॉम्बैट सिस्टम होगा, जो भविष्य की वायु युद्ध की जरूरतों को पूरा करेगा। फ्रांस को उम्मीद है कि इस नए संस्करण के साथ, वह वैश्विक लड़ाकू विमान बाजार में फिर से प्रमुख भूमिका निभाएगा।

### म्यांमार में बाढ़ से अब तक 113 की मौत, 64 लापता

यांगून (ईएमएस)। म्यांमार में व्यापक बाढ़ के कारण 113 लोगों की मौत हुई और 64 लापता हैं। म्यांमार की राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम ने इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ ने ने-पी-ता, काया राज्य, कायिन राज्य, बागो, मैगवे, मांडले इलाकों सहित मोन और शान राज्य तथा अयेयारवाडी क्षेत्र को प्रभावित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 14 सितंबर की शाम तक 72,900 से अधिक घर और 78,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं, जिससे देश भर में 320,000 से अधिक लोगों को अस्थायी आश्रय गृह में पनाह लेनी पड़ी। सूचना टीम ने बताया कि सरकार प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और बचाव कार्य चला रही है। इसके साथ ही बाढ़ पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का प्रयास भी जारी है। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि तूफान के बाद आई बाढ़ में 33 लोगों की मौत हो गई और 230,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि ने-पी-ता सहित देश भर में कुल 34 कस्बे बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

### इटली में डॉक्टरों पर बढ़ते हमले, अस्पतालों में सेना तैनात

रोम (ईएमएस)। इटली के दक्षिणी हिस्सों में डॉक्टरों और नर्सों पर हो रहे हमलों के बाद सरकार को अस्पतालों में सुरक्षा के लिए सेना तैनात करनी पड़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के महीनों में मरीजों के परिजनों और रिश्तेदारों द्वारा चिकित्सा कर्मियों पर हमले बढ़े हैं। ताजा घटना दक्षिणी कैलाब्रिया के अस्पताल में हुई, जहां 23 वर्षीय एक महिला की मौत के बाद गुस्साए 50 से अधिक लोगों ने डॉक्टरों और नर्सों पर हमला कर दिया। मामला यहीं नहीं रुका, बल्कि पूरे देश में इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं, खासकर दक्षिणी इटली में इसतरह के मामले ज्यादा सामने आ रहे है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए सेना तैनात करने का फैसला तब लिया गया, जब डॉक्टरों के राष्ट्रीय संघ ने सरकार से इस संबंध में कठोर कदम उठाने की मांग की। इटली में डॉक्टरों पर हमले की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। 2023 में डॉक्टरों पर 16,000 से अधिक शारीरिक और मौखिक हमले दर्ज हुए थे। डॉक्टरों और नर्सिंग यूनियनों ने स्टाफ की कमी, लंबे वेटिंग टाइम, और कम वेतन को इन हमलों का मुख्य कारण बताया है। स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार, आपातकालीन विभागों में काम करने वाले डॉक्टरों के लगभग आधे पद खाली हैं, जिससे स्थिति और भी विकट हो गई है।

### इनसाइडर-ट्रेडिंग के आरोप में जॉर्डन के राजा के रिश्तेदार गिरफ्तार

जॉर्डन,(ईएमएस)। अमेरिकी अधिकारियों ने जॉर्डन के राजा के रिश्तेदार समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है जिन पर दक्षिण फ्लोरिडा की प्रमुख कंपनियों में से एक मासटेक द्वारा अधिग्रहित कारोबार पर 'भेदिया कारोबार' की साजिश रचने का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि फेडेरिको नन्निनी (26), उसके पिता माउरो नन्निनी (63) और उनके दो दोस्तों एलेजांड्रो थर्मियोटिस (26) और फ्रांसिस्को टोनेरेली (25) को गिरफ्तार किया गया और प्रतिभूति धोखाधड़ी करने की साजिश के एक मामले और 24 संबंधित अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। थर्मियोटिस जॉर्डन के राजा के रिश्तेदार हैं। थर्मियोटिस के भाई जमील ने पिछले साल किंग अब्दुल्ला की बेटी राजकुमारी इमान से शादी की थी। जॉर्डन के महल से इस संबंध में संपर्क किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला है। 'इनसाइडर-ट्रेडिंग' वह होता है जब किसी कंपनी का अधिकारी या कर्मचारी कंपनी से जुड़ी ऐसे जानकारी जो कि निवेशकों के पास नहीं है और उस जानकारी का इस्तेमाल करके खुद का, अपने रिश्तेदार या दोस्त का शेयर बाजार में फायदा करवाता है। अमेरिका समेत कई देशों में यह गैरकानूनी है।

### नाइजीरिया में नाव पलटी, 40 अब भी लापता

अबूजा,(ईएमएस)। नाइजीरिया में एक नदी में एक नाव पलट गई जिसमें सवार कम से कम 40 लापता हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि जामफारा प्रांत में एक नाव में सवार होकर किसान अपनी जमीन पर जा रहे थे, उसी दौरान यह हादसा हुआ। नाइजीरिया के राष्ट्रपति ने पीड़ितों के लिए मदद का आश्वासन दिया है और आपात एजेंसियों को दुर्घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। जामफारा के पुलिस प्रवक्ता याजिद अबूबकर ने कहा इस हादसे में पांच लोगों को बचा लिया गया है लेकिन 40 लोग अभी भी लापता हैं। यह साफ नहीं हो पा रहा है कि जब यह नाव डूबी, तब इसमें कितने लोग सवार थे।

### कनाडा में उत्तरी ब्रिटिश कोलंबिया के तट पर आए दो भूकंप

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के उत्तरी तट पर रविवार को दो भूकंप आए जिनमें से एक की तीव्रता 6.5 मापी गई। इन भूकंपों के कारण जान माल का कोई नुकसान होने की फिलहाल कोई खबर नहीं मिली है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि पहले आए भूकंप की तीव्रता 6.5 मापी गई जो स्थानीय समयानुसार अपराह्न तीन बजकर 20 मिनट पर आया। उसने बताया कि इसका केंद्र वैंकूवर से लगभग 1,720 किलोमीटर उत्तर में स्थित हैदा ग्वाई द्वीपसमूह के पास 33 किलोमीटर की गहराई में था। प्राकृतिक संसाधन कनाडा ने बताया कि लगभग एक घंटे बाद उसी क्षेत्र में 4.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने बताया कि इन भूकंपों के कारण सुनामी आने का कोई खतरा नहीं है और किसी प्रकार का नुकसान होने की कोई खबर नहीं मिली है।

### शेख हसीना के खिलाफ हत्या की कोशिश का नया मामला दर्ज, कुल केस की संख्या हुई 155

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 58 अन्य के खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया गया है। यह मामला पिछले महीने की हिंसक झड़पों के दौरान एक छात्र की हत्या के प्रयास से जुड़ा है। मीडिया में प्रकाशित खबरों के अनुसार यह मामला फहीम फैजल नामक एक 22 वर्षीय छात्र ने दर्ज कराया है। फहीम का आरोप है कि 4 अगस्त को दिनाजपुर में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान उस पर गोलियां चलाई गईं, जिससे वह घायल हो गया था। अगर समय पर उसका इलाज न होता, तो उसकी जान बचाना मुश्किल था। इस मामले के साथ शेख हसीना के खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या 155 हो गई है। इन मामलों में हत्या के 136, मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के सात, अपहरण के तीन, हत्या के प्रयास के आठ और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के जुलूस पर हमले का एक मामला शामिल है। शेख हसीना पर यह आरोप है कि जब अवामी लीग सरकार गिरने वाली थी, तब उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवाने का आदेश दिया था।

# गैस की तकलीफ के कारण, कैसे करें निदान

**आपके पाचन लक्षण में गैस पाचन की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। गैस की तकलीफ से छुटकारा पाएं, या तो गैस (फ्लैटस) गुजरने या गुजरने से भी सामान्य है। अगर गैस फंस जाती है, या आपके पाचन तंत्र के माध्यम से अच्छी तरह से नहीं चलती है तो गैस दर्द हो सकता है। गैस की तकलीफ में वृद्धि से खाद्य पदार्थ खाने से परिणाम हो सकता है। जो गैस का उत्पादन करने की अधिक संभावना रखते हैं। अक्सर, खाने की आदतों में अपेक्षाकृत सरल परिवर्तन परेशान गैस को कम कर सकते हैं। कुछ पाचन तंत्र विकार, जैसे चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम या सेलेक रोग, कारण हो सकता है, अन्य लक्षणों और लक्षणों के अलावा, गैस की तकलीफ में वृद्धि।**

## गैस की तकलीफ के लक्षण

**इसके लक्षणों में शामिल हैं, जैसे-**

1. डकार लेना
2. निकलने वाली गैस
3. दर्द, ऐंठन या आपके पेट में घुटने लग रहा है
4. आपके पेट में पूर्णता या दबाव की भावना (सूजन)
5. आपके पेट के आकार में एक अवलोकन वृद्धि

डकार लेना सामान्य है, विशेष रूप से भोजन के दौरान या भोजन के बाद। अधिकांश लोग दिन में 20 बार गैस पास करते हैं। इसलिए, गैस होने पर असुविधाजनक या शर्मनाक हो सकता है, गैस को तोड़ने और गुजरने से शायद ही कभी चिकित्सा समस्या का संकेत मिलता है।

## कारण

जब आप खाते हैं, या पीते हैं तो आपके पेट में गैस मुख्य रूप से हवा निगलने के कारण होती है। जब आप डकार लेते हैं, तो अधिकांश पेट गैस जारी होती है। गैस आपके बड़े आंत (कोलन) में बनती है, जब जीवाणु किण्वन कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, कुछ स्टार्च और कुछ शर्करा, जो आपकी छोटी आंत में पच नहीं जाते हैं।

बैक्टीरिया भी उस गैस में से कुछ का उपभोग करता है, लेकिन जब आप अपने गुदा से गैस पास करते हैं, तो शेष गैस जारी होती है। आमतौर पर गैस की तकलीफ का कारण बनने वाले उच्च फाइबर खाद्य पदार्थों में शामिल हैं, जैसे-

1. **बीन्स और मटर (फलियां)**
2. **फल**
3. **सब्जियां**
4. **साबुत अनाज**

जबकि उच्च फाइबर खाद्य पदार्थ गैस उत्पादन में वृद्धि करते हैं, वहीं आपके पाचन तंत्र को अच्छे कामकाजी क्रम में रखने और रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को विनियमित करने के लिए फाइबर आवश्यक है।

## अन्य आहार कारण

अन्य आहार कारक जो पाचन तंत्र में गैस में वृद्धि कर सकते हैं उनमें निम्नलिखित शामिल हैं, जैसे-

1. सोडा और बियर जैसे कार्बोनेटेड पेय पदार्थ, पेट गैस में वृद्धि करते हैं।
2. खाने की आदतें, जैसे कि बहुत जल्दी खाना, एक भूसे के माध्यम से पीना, च्यूइंग गम, कैंडीज़ पर चूसना या चबाने के परिणामस्वरूप अधिक हवा निगलने के परिणाम।
3. साइबरियम युक्त फाइबर सप्लीमेंट्स, जैसे मेटामुसिल, कोलन गैस बढ़ा सकता है।
4. चीनी विकल्प, या कृत्रिम स्वीटर्स, जैसे सॉर्बिटल, मैनिटोल और क्सिल्तोल, कुछ चीनी मुक्त खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों में पाए जाते हैं, अतिरिक्त कोलन गैस का कारण बन सकते हैं।

## चिकित्सा की स्थिति

**आंतों की गैस, सूजन या गैस की तकलीफ में वृद्धि करने वाली चिकित्सीय स्थितियों में निम्नलिखित शामिल हैं, जैसे**

- **पुरानी आंतों की बीमारी-** अतिरिक्त गैस अक्सर पुरानी आंतों की स्थिति का लक्षण है, जैसे डायविटिक्युलिटिस, अल्सरेटिव कोलाइटिस या क्रॉन रोग।
- **छोटे मल बैक्टीरिया ऊंचा हो जाना-** छोटी आंत में बैक्टीरिया में वृद्धि या परिवर्तन अतिरिक्त गैस, दस्त और वजन घटाने का कारण बन सकता है।
- **खाद्य असहिष्णुता-** गैस या सूजन हो सकती है यदि आपका पाचन तंत्र कुछ खाद्य पदार्थों को तोड़ने और अवशोषित नहीं कर सकता है, जैसे डेयरी उत्पादों (लैक्टोज) में चीनी या गेहूं और अन्य अनाज में ग्लूटेन जैसे प्रोटीन।
- **कब्ज-** कब्ज से गैस पार करना मुश्किल हो सकता है।

## चिकित्सक सलाह

अगर आपके गैस की तकलीफ लगातार या गंभीर हैं, कि वह आपके दैनिक जीवन में अच्छी तरह से काम करने की आपकी क्षमता में हस्तक्षेप करती हैं, तो चिकित्सक से बात करें। अन्य लक्षणों के साथ गैस की तकलीफ अधिक गंभीर स्थितियों का संकेत दे सकती है। यदि आप इनमें से किसी भी अतिरिक्त संकेत या लक्षण का अनुभव करते हैं, तो चिकित्सक से सलाह ले, जैसे

1. मल में खून
2. मल की स्थिरता में बदलाव
3. मल त्याग की आवृत्ति में बदलाव
4. वजन घटना
5. कब्ज या दस्त
6. लगातार या आवर्ती मतली या उल्टी

**यदि आप अनुभव करते हैं तो तुरंत चिकित्सा ले, जैसे-**

1. लंबे समय तक पेट दर्द
2. छाती में दर्द।

## निदान

चिकित्सक यह निर्धारित करेगा कि आपके गैस की तकलीफ के कारण क्या समस्या हो रही है, जैसे-

1. आपका चिकित्सा इतिहास
2. आपकी आहार संबंधी आदतों की समीक्षा
3. एक शारीरिक परीक्षण

शारीरिक परीक्षण के दौरान, चिकित्सक यह निर्धारित करने के लिए आपके पेट को छू सकता है, कि क्या कोई कोमलता है, और यदि कुछ असामान्य लगता है। तो स्टेथोस्कोप के साथ आपके पेट की आवाज सुनकर चिकित्सक को यह निर्धारित करने में मदद मिल सकती है, कि आपका पाचन तंत्र कितना अच्छा काम कर रहा है।

आपका परीक्षण और अन्य लक्षणों की उपस्थिति के आधार पर, जैसे वजन घटाने, आपके मल या दस्त में रक्त, चिकित्सक अतिरिक्त नैदानिक परीक्षणों का आदेश दे सकता है।

## इलाज

यदि आपकी गैस की तकलीफ किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या के कारण होती है, तो अंतर्निहित स्थिति का इलाज करने से राहत मिल सकती है। अन्यथा, परेशान गैस आमतौर पर आहार उपायों, जीवनशैली में संशोधन या ओवर-द-काउंटर दवाओं के साथ इलाज किया जाता है। यद्यपि समाधान हर किसी के लिए समान नहीं है, थोड़ा परीक्षण और त्रुटि के साथ, अधिकांश लोग कुछ राहत पा सकते हैं।

## आहार-

आहार परिवर्तन आपके शरीर द्वारा उत्पन्न गैस की मात्रा को कम करने में मदद कर सकता है, या आपके सिस्टम के माध्यम से गैस को और तेजी से स्थानांतरित करने में मदद कर सकता है। अपने आहार और गैस के लक्षणों की डायरी रखने से चिकित्सा में मदद मिलेगी और आप अपने आहार में बदलाव के लिए सर्वोत्तम विकल्प निर्धारित करेंगे। आपको कुछ वस्तुओं को खत्म करने या दूसरों के छोटे हिस्से खाने की आवश्यकता हो सकती है।

**निम्नलिखित आहार कारकों को कम करने या समाप्त करने से गैस के लक्षणों में सुधार हो सकता है, जैसे-**

**उच्च फाइबर खाद्य पदार्थ-** उच्च फाइबर खाद्य पदार्थ जो गैस का कारण बन सकते हैं, उनमें सेम, प्याज, ब्रोकोली, ब्रसेल्स स्प्राउट्स, गोभी, फूलगोभी, आटिचोक, शतावरी, नाशपाती, सेब, आड़ू, सूखा आलूबुखारा, पूरे गेहूं और ब्रान शामिल हैं। आप प्रयोग कर सकते हैं, कि कौन से खाद्य पदार्थ आपको सबसे ज्यादा प्रभावित करते हैं। आप कुछ हफ्तों के लिए उच्च फाइबर खाद्य पदार्थों से बच सकते हैं, और धीरे-धीरे उन्हें वापस जोड़ सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप आहार फाइबर का स्वस्थ सेवन बनाए रखें, और चिकित्सक से बात करें।

**डेयरी-** अपने आहार से डेयरी उत्पादों को कम करने से लक्षण कम हो सकते हैं। आप डेयरी उत्पादों को भी कोशिश कर सकते हैं, जो लैक्टोज़ मुक्त हैं, या पाचन के साथ मदद करने के लिए लैक्टेज के साथ पूरक दूध उत्पाद लेते हैं।

**चीनी विकल्प-** चीनी विकल्प को हटा दें या कम करें, या एक अलग विकल्प का प्रयास करें।

**फ्राइड या फैटी खाद्य पदार्थ-** आहार वसा आंतों से गैस की निकासी में देरी करता है। तला हुआ या फैटी खाद्य पदार्थों पर वापस काटने से लक्षण कम हो सकते हैं।

**कार्बोनेटेड शीतल पेय-** कार्बोनेटेड पेय पदार्थों के सेवन से बचें या कम करें।

**फाइबर की खुराक-** यदि आप एक फाइबर पूरक का उपयोग करते हैं, तो चिकित्सक से उस राशि और प्रकार के पूरक के बारे में बात करें, जो आपके लिए सबसे अच्छा है।

**पानी-** कब्ज को रोकने में मदद के लिए, पूरे दिन और फाइबर की खुराक के साथ, अपने भोजन के साथ पानी पीएं।

## ओवर-द-काउंटर उपचार

**निम्नलिखित उत्पाद कुछ लोगों के लिए गैस के लक्षणों को कम कर सकते हैं, जैसे-**

**अल्फा-गैलेक्टोसिडेज़ (बीनो, बीनएसिस्ट, अन्य)-** बीन्स और अन्य सब्जियों में कार्बोहाइड्रेट को तोड़ने में मदद करता है। आप भोजन खाने से पहले पूरक लेते हैं।

**लैक्टेज सप्लीमेंट्स (लैक्टैड, डाइजेस्ट डेयरी प्लस, अन्य)-** डेयरी उत्पादों (लैक्टोज) में चीनी को पचाने में आपकी मदद करते हैं। यदि आप लैक्टोज असहिष्णु हैं, तो ये गैस के लक्षणों को कम करते हैं। यदि आप गर्भवती हैं, या स्तनपान कर रहे हैं, तो लैक्टेज की खुराक का उपयोग करने से पहले चिकित्सक से बात करें।

**सिमेथिकोन (गैस-एक्स, माइलंटा गैस मिनिस, अन्य)-** गैस में बुलबुले तोड़ने में मदद करता है, और आपके पाचन तंत्र के माध्यम से गैस को पार करने में मदद कर सकता है। गैस के लक्षणों को राहत देने में इसकी प्रभावशीलता के छोटे नैदानिक सबूत हैं।

# गर्भवती महिलाएं तनाव से बचें

**अगर आप गर्भवती हैं तो किसी प्रकार का तनाव न लें। एक अध्ययन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्भावस्था के दौरान ज्यादा तनाव में रहने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है।**

अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि गर्भावस्था के दौरान तनाव लेने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा 42 फीसदी बढ़ जाता है। इससे पहले हुए अध्ययन की रिपोर्ट में यह पाया गया था कि 24 सप्ताह की गर्भवती में होने वाले गर्भपात में 20 फीसदी मामले तनाव के कारण होते हैं। दोबारा अध्ययन के बाद यह पाया गया कि आंकड़ें इससे कहीं ज्यादा हैं क्योंकि गर्भपात के कई मामले दर्ज ही नहीं होते।

यही नहीं अध्ययन की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा किया गया कि युवा होते ही तनाव और अवसाद का सामना करने वाले लोगों को आगे के जीवन में बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

## गर्भावस्थ में काम का ज्यादा तनाव न लें

- गर्भावस्था के दौरान काम का बहुत ज्यादा तनाव न लें। अपनी प्राथमिकताएं थोड़ी कम करें और दोस्तों या रिश्तेदारों से मदद लेने में संकोच न करें।
- घर का काम कम करें और उस समय का इस्तेमाल आप किताब पढ़ने और आराम करने में कर सकती हैं।
- अगर कामकाजी हैं तो ऑफिस में सिक लीव या अपनी छुट्टियों का भरपूर लाभ लें।
- लंबी सांस लें और छोड़ें, योग करें या स्ट्रेचिंग करें।
- अगर स्वीमिंग आती है तो स्वीमिंग करें या वॉक करें।
- हेल्दी खाएं. संतुलित आहार आपके शरीर और मानसिक सेहत दोनों को ठीक रखेगा।
- रात में जल्दी सो जाएं क्योंकि इससे आपके गर्भ में पल रहे बच्चों को विकास के लिए ज्यादा समय मिलेगा।
- दूसरों की सुनें पर दिल से न लगाएं। गर्भावस्था के दौरान लोग खूब कहानियां सुनाते हैं, उन्हें सुनें जरूर, पर ज्यादा ध्यान न दें। कुछ लोगों को गर्भावस्था में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, लेकिन ऐसा आपके साथ भी हो, कोई जरूरी तो नहीं।
- अगर आपको लगता है कि आप तनाव में हैं और आपका तनाव कम नहीं हो पा रहा है तो अपने डॉक्टर से बात करें।

# पीलिया खुद एक बीमारी नहीं है, बल्कि कई संभावित अंतर्निहित बीमारियों का एक लक्षण है

पीलिया चिकित्सा शब्द है, जो त्वचा और आंखों के पीले रंग का वर्णन करता है। पीलिया स्वयं एक बीमारी नहीं है, लेकिन यह कई संभावित अंतर्निहित बीमारियों का एक लक्षण है। जब आपके सिस्टम में बहुत अधिक रक्तिम-पित्तवर्णकता होता है, तो पीलिया बनता है। रक्तिम-पित्तवर्णकता एक पीला रंगद्रव्य है। जो यकृत में मृत लाल रक्त कोशिकाओं के टूटने से बनाया जाता है। आम तौर पर, जिगर पुराने लाल रक्त कोशिकाओं के साथ रक्तिम-पित्तवर्णकता से छुटकारा पाता है। लेकिन पीलिया आपके लाल रक्त कोशिकाओं, यकृत, पित्ताशय की थैली, या पैनक्रिया के कार्य के साथ एक गंभीर समस्या का संकेत दे सकता है।

## पीलिया के लक्षण

- पीले रंग की त्वचा और आंखों में जांदी की विशेषता है। अधिक गंभीर मामलों में, आपकी आंखों के गोरे भूरा या नारंगी हो सकते हैं। आपके पास अंधेरे मूत्र और पीले मल भी हो सकते हैं।
- यदि वायरल हेपेटाइटिस जैसी अंतर्निहित स्वास्थ्य स्थिति को पीलिया के लिए दोषी ठहराया जाता है, तो आपको अत्यधिक थकान और उल्टी सहित अन्य लक्षणों का अनुभव हो सकता है।
- जब वे पीले रंग की त्वचा का अनुभव करते हैं, तो कुछ लोग खुद को गलत तरीके से गलत बनाते हैं। जिन लोगों के पास पीलिया होता है, उनमें आम तौर पर पीले रंग की त्वचा और पीले रंग की आंखें होती हैं।
- यदि आपके पास केवल पीले रंग की त्वचा है, तो यह आपके सिस्टम में बहुत अधिक बीटा कैरोटीन होने के कारण हो सकती है। बीटा कैरोटीन एक एंटीऑक्सिडेंट होता है, जो गाजर, कद्दू और मीठे आलू जैसे खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। इस एंटीऑक्सिडेंट का एक अतिरिक्त पीलिया का कारण नहीं है।

## कारण

- पुराने लाल रक्त कोशिकाएं आपके यकृत की यात्रा करती हैं, जहां वे टूट जाती हैं। रक्तिम-पित्तवर्णकता इन पुरानी कोशिकाओं के टूटने से पीले रंग की वर्णक है। पीलिया तब होता है, जब आपका यकृत रक्तिम-पित्तवर्णकता को जिस तरीके से माना जाता है, उसे चयापचय नहीं करता है। आपका यकृत क्षतिग्रस्त हो सकता है, और इस प्रक्रिया को करने में असमर्थ हो सकता है।
- कभी-कभी रक्तिम-पित्तवर्णकता इसे आपके पाचन तंत्र में नहीं बना सकता है, जहां इसे सामान्य रूप से आपके मल से हटा दिया जाएगा। अन्य मामलों में, एक बार में यकृत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे बहुत अधिक रक्तिम-पित्तवर्णकता हो सकते हैं, या एक बार में बहुत से लाल रक्त कोशिकाएं मर रही हैं।

पीलिया नवजात शिशुओं में भी अक्सर होती है, खासकर उन बच्चों में जो समय से पैदा होते हैं। नवजात शिशुओं में रक्तिम पित्तवर्णकता का एक अतिरिक्त विकास हो सकता है क्योंकि उनके यकृत अभी तक पूरी तरह से विकसित नहीं हुए हैं। इस स्थिति को स्तन दूध पीलिया के रूप में जाना जाता है।

## निदान

आपका हेल्थकेयर प्रदाता पहले आपके पीलिया के कारण का निर्धारण करने के लिए रक्त परीक्षण करेगा। एक रक्त परीक्षण न केवल आपके शरीर में रक्तिम-पित्तवर्णकता की कुल मात्रा निर्धारित कर सकता है, बल्कि हेपेटाइटिस जैसी अन्य बीमारियों के संकेतकों का पता लगाने में भी मदद कर सकता है। अन्य नैदानिक परीक्षणों का उपयोग किया जा सकता है, जिनमें निम्न शामिल हैं, जैसे

1. यकृत कार्य परीक्षण, रक्त परीक्षणों की एक श्रृंखला जो कुछ प्रोटीन और एंजाइम के स्तर को मापती है, यकृत यकृत पैदा करती है, जब यह स्वस्थ होते है और क्षतिग्रस्त हो जाती है।
2. यह देखने के लिए कि क्या आपके पास हेमोलिटिक एनीमिया का कोई सबूत है, या नहीं। पूर्ण रक्त गणना (सीबीसी) परिक्षण किया जाता है।
3. इमेजिंग स्टडीज, जिसमें पेट अल्ट्रासाउंड (आपके आंतरिक अंगों की छवियां उत्पन्न करने के लिए उच्च आवृत्ति ध्वनि तरंगों का उपयोग करना) शामिल हो सकता है।
4. जिगर बायोप्सी, जिसमें परीक्षण और माइक्रोस्कोपिक परीक्षा के लिए यकृत ऊतक के छोटे नमूने को हटाना शामिल है।

नवजात शिशुओं में पीलिया की गंभीरता आमतौर पर रक्त परीक्षण के साथ निदान किया जाता है। शिशु के पैर की अंगुली को छेड़छाड़ करके एक छोटा रक्त नमूना लिया जाता है। यदि परिणाम मध्यम से गंभीर पीलिया को इंगित करते हैं, तो आपका बाल रोग विशेषज्ञ उपचार की सिफारिश करेगा।

## उपचार

पीलिया खुद ही एक बीमारी नहीं है, बल्कि कई संभावित अंतर्निहित बीमारियों का एक लक्षण है। उपचार के प्रकार आपके हेल्थकेयर प्रदाता ने पीलिया के लिए सिफारिश की है, जो इसके कारण पर निर्भर करता है। आपका हेल्थकेयर प्रदाता जौनिस के कारण का इलाज करेगा, लक्षण खुद ही नहीं, एक बार उपचार शुरू होने के बाद, आपकी पीली त्वचा की संभावना सामान्य स्थिति में आ जाएगी।

अधिकतर विशेषज्ञों के मुताबिक, शिशुओं में ज्यादातर पीलिया मामले एक से दो सप्ताह के भीतर हल होते हैं। मध्यम पीलिया आमतौर पर अतिरिक्त बिलीरुबिन को हटाने में मदद के लिए अस्पताल या घर में फोटोथेरेपी के साथ इलाज किया जाता है। फोटोथेरेपी में उपयोग की जाने वाली हल्की तरंगें आपके बच्चे की त्वचा और रक्त से अवशोषित होती हैं।

प्रकाश आपके बच्चे के शरीर को रक्तिम-पित्तवर्णकता को अपशिष्ट उत्पादों में बदलने में मदद करता है। हरे रंग के मल के साथ अक्सर आंत्र आंदोलन इस चिकित्सा के एक आम दुष्प्रभाव हैं। यह सिर्फ शरीर से निकलने वाला रक्तिम-पित्तवर्णकता है। फोटैथेरेपी में एक हल्के पैड का उपयोग शामिल हो सकता है।

जो प्राकृतिक सूरज की रोशनी की नकल करता है और आपके बच्चे की त्वचा पर रखा जाता है। रक्तिम-पित्तवर्णकता को हटाने के लिए पीलिया के गंभीर मामलों में रक्त संक्रमण के साथ इलाज किया जाता है।

## बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में विराट और स्मिथ में होगा रोमांचक मुकाबला : मैक्सवेल

### इनके प्रदर्शन से परिणाम प्रभावित होंगे

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई ऑलरांउड ग्लेन मैक्सवेल का कहना है कि इस साल के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में विराट कोहली और स्टीव स्मिथ के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी। मैक्सवेल का कहना है कि विराट और स्मिथ काफी अच्छे बल्लेबाज हैं और वह इनके बीच होने वाली टक्कर देखने को लेकर उत्साहित हैं। कोहली और स्मिथ विश्व क्रिकेट में वर्तमान समय के चार सबसे बेहतर बल्लेबाजों में शामिल हैं। ' मैक्सवेल ने कहा ,'' जिस तरह से ये दोनों स्टार बल्लेबाज स्मिथ और विराट खेलते हैं , मुझे लगता है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के परिणाम भी उससे प्रभावित होंगे।'' इस ऑलराउंडर ने कहा ,'' ये दोनों या दोनों में से एक काफी रन बनाने वाला है। हमारे दौर के इन दोनों बेहतरीन खिलाड़ियों को आमने-सामने खेलते देखना रोमांचक होगा।'' कोहली और स्मिथ दोनों ही अपनी-अपनी टीमों के कप्तान रहे हैं। मैदान पर दोनों ही कई बार आमने-सामने भी आये हैं पर पिछले कुछ समय में हालांकि इनके रिश्तों बेहतर हुए हैं।

स्मिथ ने एक बार कहा था कि अपने आक्रामक अंदाज के कारण कोहली आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की तरह हैं। उन्होंने कहा था ,'' मेरा मानना है कि सोच और एक्शन के मामले में विराट आस्ट्रेलियाई हैं। वह जिस तरह से चुनौती का सामना करते हैं और विरोध पर हावी होने का प्रयास करते हैं। उससे वह भारतीय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी नजर आते हैं।'' भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। इस सीरीज पर पिछले एक दशक से भारत का ही कब्जा रहा है। ऐसे में जहां भारतीय टीम इस बार भी जीत का सिलसिला बनाये रखना चाहेगी। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम भी अपनी धरती पर जीत दर्ज करने में कसर नहीं रखेगी।

### बटलर चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

इंग्लैंड की एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान जोस बटलर पिंडली की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। बटलर को द हंड्रेड टूर्नामेंट की तैयारी के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में भी नहीं खेल पाये। बटलर के फिट होने की उम्मीद थी। इसलिए उन्हें एकदिवसीय सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल किया गया था पर वह तय समय तक उबर नहीं पाये। इसी कारण उन्हें एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर कर दिया गया है। बटलर ने अंतिम बार इंग्लैंड की ओर से टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ खेला था। बटलर के बाहर होने से युवा बल्लेबाज हैरी ब्रुक को एकदिवसीय टीम की कप्तानी मिली है।

ब्रुक ने अब तक 15 वनडे मैच खेले हैं और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वह उपकप्तान भी रह चुके हैं। बटलर के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हल भी फिट नहीं होने के कारण एकदिवसीय बाहर हो गए हैं। हल ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टेस्ट में डेब्यू किया था। हालांकि, वह अक्टूबर में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल रहेंगे। वहीं ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। यह सीरीज 19 सितंबर को ट्रेंट ब्रिज में शुरू होगी और अन्य मैच हेडिंग्ले, लॉर्ड्स और चेस्टर-ली-स्ट्रीट में खेले जाएंगे। इंग्लैंड की एकदिवसीय टीमः हैरी ब्रुक (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथल, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, लियाम लिविंगस्टोन, विल जैक्स, मैथ्यू पॉट्स, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जेमी स्मिथ, रीस टोपली, जॉन टर्नर और ओली स्टोन। हासिल की जबकि रुहान अल्वा दूसरे और बेंगलुरु स्पीडस्टर्स के अभय मोहन तीसरे स्थान पर रहे।

## श्रीलंका ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए घोषित की टीम, धनंजय डी सिल्वा होंगे कप्तान, ओशादा फर्नांडो की वापसी

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 सितंबर से होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी धनंजय डी सिल्वा करेंगे। टीम में दिमुथ करुणारत्ने, एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चांदीमल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के अलावा पथुम निसांका, कामिंडू मेंडिस और सदीरा समरविक्रमा जैसे युवा शामिल हैं। वहीं इस टीम में निशान मदुश्का को शामिल नहीं किया है। उनकी जगह ओशादा फर्नांडो को जगह दी गयी है। फर्नांडो ने अंतिम बार मार्च 2023 में खेला था। फर्नांडो को श्रीलंका ए के लिए शानदार प्रदर्शन के कारण वापसी का अवसर मिला है। इस क्रिकेटर ने इस महीने की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ 122 और 80 रन बनाए। वहीं कसुन राजिथा और निसाला थारका को भी टीम में जगह नहीं मिली है। श्रीलंका ने इंग्लैंड दौरे पर गये 15 सदस्यों टीम में बनाये रखा है। ये सिरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूयटीए) सीरीज का हिस्सा होने के कारण अहम है।

### टीम इस प्रकार है

धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चांदीमल, कामिंडू मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, ओशादा फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी वेंडरसे, मिलन रथनायके।

## पूरी तरह फिट हुआ तो डब्ल्यूटीसी के दूसरे चरण से वापसी करुंगा : शमी

कोलकाता (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि अब वह फिट हो गये हैं और टीम में वापसी के प्रयास कर रहें है पर वह जल्दबाजी कर किसी प्रकार का जोखित नहीं लेना चाहते हैं। शमी ने कहा कि वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दूसरे चरण के मैचों से पहले अपनी वापसी की योजना बना रहे हैं क्योंकि तब तक उन्हें फिट होने पर्याप्त समय मिल जाएगा। गत वर्ष एकदिवसीय विश्वकप के बाद शमी के टखने की सर्जरी हुई थी जिसके कारण वह लंबे समय से टीम से बाहर है। अभी वह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब के अंतिम दौर से गुजर रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि अब उन्हें अभ्यास के दौरान कोई परेशानी नहीं हो रही पर वापसी वह तभी करेंगे जब उन्हें लगेगा कि अब कोई परेशानी नहीं होगी। शमी ने कहा कि कहा कि वह अपनी फिटनेस पर अभी काम कर रहे हैं जिससे वापसी के बाद कोई मुश्किल पेश न आये। शमी ने कहा, मैं जल्द वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं, क्योंकि मुझे पता है कि मैं काफी समय से मैदान से बाहर हूं पर मैं पहले ये पक्का करना चाहता हूं कि जब मैं वापस आऊं तो मुझे कोई असुविधा न हो। मुझे अपनी फिटनेस पर काम करना है, ताकि कोई असुविधा न हो। साथ ही कहा कि जब तक वह 100 फीसदी फिट नहीं हो जाते, तब तक वह कोई जोखिम नहीं लेंगे। उन्होंने कहा, मैं जितना मजबूत होकर वापसी करूंगा, मेरे लिए उतना ही बेहतर होगा। मैं जल्दबाजी नहीं करना चाहता और फिर से चोटिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहता फिर कोई भी सीरीज हो। मैंने पहले ही गेंदबाजी शुरू कर दी है, लेकिन जब तक मैं 100 फीसदी फिट नहीं हो जाता, मैं कोई जोखिम नहीं लूंगा। उन्होंने आगे कहा, अगर मुझे अपनी फिटनेस का परीक्षण करने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने की जरूरत पड़ी, तो मैं खेलूंगा।

हांगकांग में बैडमिंटन के युगल टूर्नामेंट में खेलती हुई मलेशिया और चीन की खिलाड़ी।

वर्जीनिया में अमेरिकी टीम की कप्तान स्टेसी लेविस और उनकी साथी खिलाड़ी सोलहेम कप में जीत के बाद उत्साहित नजर आयीं।

## भारतीय बल्लेबाजों को बांग्लादेशी स्पिनरों से रहना होगा सतर्क

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय टीम के बल्लेबाजों को 19 सितंबर से यहां चेपक स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ शुरु होने जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में स्पिनरों से सावधान रहना होगा। इसका कारण है कि इस स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को अच्छी सहायता मिलती रही है। ऐसे में बांग्लादेशी स्पिनर शाकिब अल हसन और ताइजुल इस्लाम बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसाने का प्रयास करेंगे। इससे पहले पाकिस्तान दौरे में इन दोनो ने काफी अच्छी गेंदबाजी कर पाक टीम को दबाव में ला दिया था। भारतीय टीम के बल्लेबाज वैसे भी एक महीने के ब्रेक के बाद उतरेंगे। ऐसे में उन्हें अपनी लय बनाये रखनी होगी।

पिछले कुछ समय में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों के सामने परेशान होते देखा गया है। इसी कारण चेन्नई में भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों के खिलाफ नेट्स में अभ्यास करते दिखे। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में तेज गेंदबाजों को भी लाभ हो सकता है।

भारत ने अपने नेट गेंदबाजों को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के स्पिन आक्रमण को देखते हुए रखा है। तमिलनाडु के एस अजित राम, एम सिद्धार्थ और पी विग्नेश को इसी कारण रखा गया हैं। इसके अलावा ऑफ स्पिनर के तौर पर तमिलनाडु के लक्ष्य जैन और मुंबई के हिमांशु सिंह को नेट गेंदबाज के तौर पर रखा है। बांग्लादेश को अपने घरेलू मैदान पर काली मिट्टी वाली पिचों पर खेलने की आदत है, जो आमतौर पर धीमी होती हैं। वहीं भारत में लाल मिट्टी की पिच है जो तेज मानी जाती है। एक महीने के ब्रेक के बाद भारतीय टीम का शेड्यूल काफी व्यस्त रहने वाला है। अगले 4 महीने में भारतीय टीम को 10 टेस्ट खेलने हैं। 5 टेस्ट घर में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ। वहीं 5 टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में खेलने हैं।

## ऋषभ को मिलेगा आराम, ईशान को मिल सकता है वापसी का अवसर !

मुम्बई (ईएमएस)। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। इसका कारण ये ही अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज को देखते हुए बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में आराम दिया जा सकता है। ऐसे में पिछले 9 महीने से टीम इंडिया से दूर चल रहे ईशान को बुलाया जा सकता है। ईशान इस समय अच्छे फॉर्म में भी हैं। उन्होंने पिछली 4 पारियों में दो शतक लगाये हैं। उन्होंने पहला शतक बूची बाबू जबकि दूसरा शतक दलीप ट्रॉफी में लगाया है। ईशान ने मार्च में क्रिकेट में वापसी की थी। इसके बाद से ही वह लगातार घरेलू टूर्नामेंटों में खेल रहे हैं। ऋषभ टेस्ट में भारत के नंबर वन विकेटकीपर हैं। टीम इंडिया को आगे अब ज्यादा टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऐसे में प्रबंधन ऋषभ को फिट रखने के लिए आराम देना चाहता है। कार्यभार प्रबंधन के तहत ही ऐसा किया जा रहा है। दूसरी ओर ईशान को अनुशासनहीनता की वजह से ही टीम इंडिया से बाहर किया गया था। अभी वह अच्छी लय में नजर आ रहे है। गत दिनों उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था। इसी को ध्यान में रखते हुए चयनकर्ता उन्हें एक अवसर और देना चाहते हैं। ईशान ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच नवंबर 2023 में टी20 के रूप में खेला था। ईशान के नाम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में दोहरे शतक का रिकार्ड है। दिसंबर 2022 में उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 210 रन की पारी खेली थी। बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम युवा सलामी बल्लेबा शुभमन गिल और अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी आराम दे सकती है। भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 मैचों की शुरुआत 7 अक्टूबर से होगी. पहला टी20 ग्वालियर में जबकि दूसरा दिल्ली में और तीसरा मैच हैदराबाद में खेला जाएगा।

### गंभीर के मार्गदर्शन में बांग्लादेश के खिलाफ पहली टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम तैयार

भारतीय ओर बांग्लादेश के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच यहां के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 19 सितंबर से शुरु होगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में यह भारत की पहली टेस्ट सीरीज होगी। दो टेस्ट मेचों की इस सीरीज के लिए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल भी टीम से जुड़ गये हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम जहां जीत की प्रबल दावेदार हैं। वहीं

दूसरी ओर पाकिस्तान को हराने के बाद बांग्लादेश का मनोबल भी बढ़ा हुआ है। उसका लक्ष्य भारत के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच जीतना होगा हालांकि बांग्लादेश ने टेस्ट क्रिकेट में आज तक भारत को नहीं हराया है। पहला टेस्ट जहां चेन्नई में वहीं दूसरा टेस्ट कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल ,कुलदीप यादव,मो. सिराज, आकाश दीप, जसप्रित बुमरा, यश दयाल। बांग्लादेश की पूरी टीमः नजमुल हुसैन शान्तो, महमुदुल हसन जॉय, जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिट्टन कुमेर दास, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, सैयद खालिद अहमद, जेकर अली अनिक।

## अश्विन ने बुमराह को सबसे मूल्यवान भारतीय क्रिकेटर बताया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑफ स्पिनर आर अश्विन का मानना है कि तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह सबसे मूल्यवान भारतीय क्रिकेटर हैं। अश्विन के अनुसार अगस्त 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से ही बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया है।

साथ ही कहा कि बूमराह ने 2023 एकदिवसीय विश्व कप में 20 विकेट लिए थे और वह इतने अधिक विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज थे। वह फरवरी 2024 में टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर एक रैंक पर भी पहुंचे थे। बुमराह ने इसी साल टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 4.17 के रिकॉर्ड इकॉनमी रेट के साथ 8 मैचों में 15 विकेट लिए थे। अश्विन ने कहा, हम चेन्नई के लोग गेंदबाजों की बहुत सराहना करते हैं। वह 4-5 दिन पहले एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आए थे। उनके साथ चैंपियन जैसा व्यवहार किया गया क्योंकि वह इस समय सबसे मूल्यवान भारतीय क्रिकेटर हैं।

पीठ की चोट से उबरने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से ही बुमराह ने छह टेस्ट मैचों में 15.35 की औसत से 31 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार पांच विकेट भी शामिल हैं।

## आईसीसी के अगस्त माह के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने दुनिथ और हर्षिता

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के दुनिथ वेलालागे और हर्षिता समरविक्रमा को अगस्त माह के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी के लिए नामांकित किया है। दुनिथ ने भारत के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया था। जबकि हर्षिता ने आयरलैंड दौरे पर बेहतरीन प्रदर्शन किया था। ये दूसरी बार है जब दोनो ही पुरस्कार किसी एक देश के खिलाड़ियों को ही मिल रहे हैं। इससे पहले जून में भारत के जसप्रीत बुमराह और और स्मृति मंधाना को महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। दुनिथ ने रेस में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स को पीछे छोड़कर यह पुरस्कार जीता। हर्षिता ने ओर्ला प्रेंडरगास्ट और गैबी लुईस की आयरलैंड की जोड़ी को पछाड़ा। हर्षिता ने आयरलैंड में शतकीय पारी खेली थी। दुनिथ को भारत के खिलाफ श्रीलंका के 2-0 से श्रृंखला जीतने के दौरान श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने नाबाद 67, 39 और दो रन की पारियां खेलने के अलावा तीसरे मैच में 27 रन देकर पांच विकेट लेने के साथ ही सीरीज में कुल सात विकेट भी लिए थे। यह पुरस्कार शुरू होने के बाद यह पांचवां अवसर है जब श्रीलंका के पुरुष क्रिकेट को यह पुरस्कार मिला है। इससे पहले एंजेलो मैथ्यूज (मई 2022), प्रबाथ जयसूर्या (जुलाई 2022), वानिंदु हसरंगा (जून 2023) और कामिंदु मेंडिस (मार्च 2024) यह पुरस्कार जीत चुके हैं। वेलालागे और हर्षिता ने कहा कि यह पुरस्कार बहुत प्रोत्साहन देने वाला है।

## मनु ने नीरज के शीघ्र ठीक होने की कामना करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के हाथ की हड्डी टूटने पर चिंता जताते हुए उनके शीघ्र ठीक होने की कामना की है। इससे पहले नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहने के बाद सोशल मीडिया में एक पोस्ट शेयर कर बताया था कि वह बांए हाथ में फ्रैक्चर के बाद भी फाइनल में उतरे थे। नीरज ने इस प्रतियोगिता में 87.86 मीटर का थ्रो किया और दूसरे स्थान पर रहे। पहले स्थान पर रहे एंडरसन पीटर्स ने 87.87 मीटर का थ्रो किया। इस पोस्ट के बाद लोगों ने नीरज के जज्बे की प्रशंसा की है। वहीं मनु ने भी नीरज को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 2024 में शानदार सीजन के लिए बधाई नीरज चोपड़ा। आपके जल्दी स्वस्थ होने और आने वाले वर्षों में और अधिक सफलता की उम्मीद करती हूं। नीरज ने सोशल मीडिया पर अपने बाएं हाथ की एक्स-रे रिपोर्ट साझा की, जिसमें उनकी चौथी मेटाकार्पल हड्डी टूटी हुई दिखाई दे रही थी। नीरज ने ट्विटर पर लिखा, 2024 के सत्र के अंत के साथ, मैं इस साल की सीखी गई हर बात पर गौर कर रहा हूं। सुधार, असफलताएं, मानसिकता और बहुत कुछ। मैं अभ्यास के दौरान चोटिल हो गया और एक्स-रे से पता चला कि मेरे बाएं हाथ की चौथी मेटाकार्पल हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है। यह एक और दर्दनाक अनुभव था। नीरज हालांकि दाएं हाथ से थ्रो करते हैं, इसलिए वह इस प्रतियोगिता में भाग ले सके। बावजूद इसके दर्द के कारण वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए।

## रयान ने इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में पहला मुकाबला जीता

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई टर्बो राइडर्स के रेसर मोहम्मद रयान ने मद्रास इंटरनेशनल सर्किट (एमआईसी) में आयोजित इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में पहली जीत हासिल की है। रयान ने तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए ये जीत दर्ज की। रयान ने पोल पोजीशन से शुरुआत करते हुए घरेलू ट्रैक पर बेहतरीन लैप्स पूरे किए और अपनी टीम को जीत दिलायी। इससे पहले उनके साथी जॉन लैंकेस्टर ने रेस-1 में जीत हासिल की भी। रयान ने जीत के बाद उत्साहित होकर कहा, मेरी शुरुआत अच्छी रही और मैंने पूरी रेस में अपना ध्यान बनाए रखा। हमारी टीम ने दोनों रेस जीतकर बड़े अंक हासिल किए, जिससे मैं काफी खुश हूं। फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप में भी रविवार को काफी रोमांचक मुकाबले हुए। इसमें तीन रेसरों ने जीत हासिल की। पहली रेस में श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के रुहान अल्वा ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए जीत हासिल की। वहीं दूसरी रेस में जेडन परियत बढ़त के बाद भी पिछड़ गये। दक्षिण अफ्रीकी रेसर अलीभाई से टक्कर के बाद वह नीचे खिसक गये। इस घटना के कारण परियत पर 20 सेकंड की पेनल्टी भी लगायी गयी। इस रेस में अहमदाबाद एपेक्स रेसर्स के वीर शेठ ने जीत हासिल की जबकि रुहान अल्वा दूसरे और बेंगलुरु स्पीडस्टर्स के अभय मोहन तीसरे स्थान पर रहे।

## अभ्यास सत्र के दौरान विराट के शॉट से दीवार तोड़कर निकली गेंद

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास सत्र में आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते दिखे। विराट ने यहां के चेपक स्टेडियम में नेट अभ्यास के दौरान एक ऐसा छक्का लगाया जिससे दीवार में ही छेद हो गया। विराट का ये शाट इतना तेज था कि गेंद गोली की रफ्तार से भारतीय ड्रेसिंग रूम के नजदीक की दीवार को भेदती हुई निकल गयी। भारत-बांग्लादेश सीरीज के आधिकारिक प्रसारणकर्ता ने अपनी वेबसाइट पर एक वीडियो भी साझा किया है। ये भारतीय टीम के दूसरे अभ्यास सत्र का है। इस वीडियो में विराट के अभ्यास को दिखाया गया है। इसमें विराट एक तेज छक्का लगाते हैं। भारतीय टीम ने पहले टेस्ट मैच से पूर्व अपने दो अभ्यास सत्र पूरे कर लिए हैं। भारतीय टीम इंडोर अभ्यास कर रही है। इसमें टीम के कप्तान रोहित शर्मा सहित टेस्ट दल के लिए चुने गए सभी 16 खिलाड़ी शामिल हैं। टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी अभ्यास के दौरान खिलाड़ियों को देख रहे थे। टीम के साथ नये गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल भी जुड़ गये हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट 19 सितंबर से शुरु होगा।

## इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज 1-1 से ड्रॉ, अब गुरुवार को होगी एकदिवसीय सीरीज

साउथम्पटन (ईएमएस)। खराब मौसम और बारिश के कारण इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टी20 क्रिकेट मैच रद्द हो गया है। इसी के साथ ही तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही है। अब दोनो ही टीमें गुरुवार से ट्रेंट ब्रिज में एकदिवीसीय सीरीज खेलने उतरेगी। जो बटलर के फिट नहीं होने से इस सीरीज हैरी ब्रूक इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी मिचेल मार्श करेंगे। 5 मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 सितंबर से शुरू होगी। इसका पहला एकदिवसीय 19 को, दूसरा 21 को, तीसरा 24 को, चौथा 27 को और पांचवा एकदिवसीय 29 तारीख को होगा। इंग्लैंड टीम इस प्रकार हैः हैरी ब्रूक (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्से, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल रशीद, फिल साल्ट, जेमी स्मिथ, ओली स्टोन, रीस टॉपले, जॉन टर्नर। ऑस्ट्रेलियाई टीमः मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स केरी, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कैमरून ग्रीन, एरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, एडम जाम्पा।

# सेंसेक्स ने 83,184 और निफ्टी ने 25,445 का हाई बनाया:97 अंक चढ़कर 82,988 पर बंद हुआ; एनर्जी और ऑटो शेयर्स में रही तेजी

**मुंबई:** शेयर बाजार ने आज यानी 16 सितंबर को ऑल टाइम हाई बनाया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 83,184 और निफ्टी ने 25,445 का स्तर छुआ। हालांकि इसके बाद इसमें थोड़ी गिरावट आई और सेंसेक्स 97 अंक की तेजी के साथ 82,988 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 27 अंक की तेजी रही। ये 25,383 के स्तर पर बंद हुआ। आज एनर्जी, ऑटो, मेटल और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा बढ़त देखने को मिली। एनटीपीसी निफ्टी का टॉप गेनर रहा। वहीं एफएमसीजी, फाइनेंशियल और आईटी शेयर्स में गिरावट रही। बजाज फाइनेंस टॉप लूजर रहा।



### बजाज हाउसिंग फाइनेंस के शेयर में 135% की तेजी

बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के शेयर में आज 135.70% की तेजी रही। बजाज हाउसिंग फाइनेंस का शेयर आज 114.29% ऊपर 150 रुपए पर लिस्ट हुआ। लिस्टिंग के बाद भी इसके शेयर में तेजी देखने को मिली और ये 164.99 रुपए पर बंद हुआ। इसका इश्यू प्राइस 70 रुपए था।

### सोना 650 बढ़कर 73,694 पर पहुंचा:चांदी 2,505 महंगी होकर 88,605 प्रति किलो बिक रही

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 16 सितंबर को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, सोमवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 650 रुपए बढ़कर 73,694 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले इसके दाम 73,044 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं चांदी 2,505 रुपए बढ़कर 88,605 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 86,100 रुपए प्रति किलो पर थी। इस साल सोना मई में 74,222 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है।

आईबीजेए के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 10,342 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 73,694 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 88,605 रुपए पर पहुंच गए हैं।

### 4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 75,150 रुपए है।
मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 75,050 रुपए है।
कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 68,800 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 75,050 रुपए है।
चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 75,050 रुपए है।
भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 75,100 रुपए है।

### अदाणी पावर, अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में आठ फीसदी तक तेजी

अदाणी समूह को महाराष्ट्र में लंबी अवधि के लिए 6,600 मेगावाट की नवीकरणीय और ताप बिजली आपूर्ति का ठेका मिलने के बाद सोमवार को अदाणी पावर के शेयर में लगभग आठ प्रतिशत की तेजी आई। इस ठेके के लिए समूह की 4.08 रुपये प्रति यूनिट की बोली ने जेएसडब्ल्यू एनर्जी और टोरेंट पावर जैसी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया। बीएसई पर अदाणी पावर का शेयर 7.53 प्रतिशत बढ़कर 681.30 रुपये पर पहुंच गया।

एनएसई पर यह 7.59 प्रतिशत बढ़कर 681.55 रुपये पर कारोबार कर रहा था। अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर भी बीएसई पर 7.39 प्रतिशत बढ़कर 1,920 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर यह 7.25 प्रतिशत बढ़कर 1,918 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

# रिलायंस रिटेल ने गैर-खाद्य, सामान्य वस्तुओं का व्यापार क्षेत्र बढ़ाया

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** देश की प्रमुख खुदरा कंपनी रिलायंस रिटेल ने मार्जिन में सुधार के लिए अपने किराना स्टोर में गैर-खाद्य और सामान्य वस्तुओं के व्यापार क्षेत्र में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि की है। उद्योग के एक सूत्र ने कहा कि इस कदम से कंपनी अपने ई-कॉमर्स मंच जियोमार्ट के जरिये स्थानीय बिक्री को बढ़ावा देना चाहती है। खुदरा विक्रेता जियोमार्ट के जरिये अपने स्मार्ट और स्मार्ट बाजार स्टोर को जोड़ रही है, जिससे उपभोक्ताओं को अधिक विविधता मिल रही है। इसके तहत रिलायंस रिटेल अब अपने स्टोर में बदलाव ला रही है और गैर-खाद्य तथा सामान्य वस्तुओं के लिए अधिक व्यापार क्षेत्र आवंटित कर रही है। यह एक ऐसा खंड है, जो किराना और परिधान जैसे अन्य खंडों की तुलना में अधिक मार्जिन देता है। ताजा जून तिमाही में रिलायंस रिटेल का परिचालन से कर-पूर्व लाभ (एबिटा) मार्जिन 8.2 प्रतिशत था, जो सालाना आधार पर 0.3 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में इसका एबिटा मार्जिन 8.5 प्रतिशत था, जिसमें सालाना आधार पर 0.7 प्रतिशत का सुधार हुआ। इस बारे में टिप्पणी के लिए रिलायंस रिटेल को भेजे गए ईमेल का जवाब अब तक नहीं मिला।

### टोरेंट पावर हरित परियोजनाओं के लिए 64,000 करोड़ निवेश करेगी

गांधीनगर (ईएमएस)। टोरेंट पावर ने सोमवार को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 64,000 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। कंपनी ने बताया कि इससे करीब 26,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। विविध क्षेत्र में काम करने वाली टोरेंट समूह की एकीकृत बिजली कंपनी टोरेंट पावर लिमिटेड ने हरित और टिकाऊ भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। कंपनी ने सोमवार को गांधीनगर में री-इन्वेस्ट कार्यक्रम के चौथे संस्करण में केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय को दो शपथ पत्र सौंपे। री-इन्वेस्ट का आयोजन नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सीआईआई के साथ मिलकर किया है।

बयान के अनुसार कंपनी ने 2030 तक 57,000 करोड़ रुपये के निवेश से 10 गीगावाट की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षमता हासिल करने के लिए एक शपथ पत्र सौंपा है। इस निवेश से लगभग 25,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की उम्मीद है। दूसरा शपथ पत्र 7,200 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक लाख किलो टन प्रति वर्ष (केटीपीए) क्षमता वाले ग्रीन अमोनिया उत्पादन संयंत्र के लिए है। कंपनी के मुताबिक इससे करीब 1,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

# सेबी ने कहा- कर्मियों की मांगे इंटरनल तरीके से सुलझाएंगे: टॉप मैनेजमेंट के खिलाफ आंदोलन कर रहे कर्मचारी

**मुंबई** : सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने सोमवार (16 सितंबर) को कहा कि वह अपने कर्मचारियों की सभी मांगों को इंटरनल तरीके सुलझाएगा। मार्केट रेगुलेटर ने कर्मचारियों लिए दिए गए अपने पुराने (4 सितंबर) स्टेटमेंट को भी वापस ले लिया है, जिसमें कहा गया था कि जूनियर कर्मचारी बाहरी लोगों से प्रभावित होकर आंदोलन कर रहे हैं। सेबी की ओर से जारी स्टेटमेंट में कहा गया कि 'सेबी उचित इंटरनल मैकेनिज्म के जरिए कर्मचारियों से संबंधित मामलों को सुलझाता है। सभी ग्रेड के अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद तय किया गया है कि ये सभी मामले पूरी तरह से सेबी के इंटरनल मैटर्स हैं और इसका सामाधान भी इंटरनल तरीके से सेबी के स्टैंडर्ड्स के मुताबिक किया जाएगा।'

### कर्मचारियों ने लीडरशिप में बदलाव की मांग की

पिछले महीने (6 अगस्त) को सेबी के कर्मचारियों ने वित्त मंत्रालय को एक पत्र लिखकर टॉक्सिक वर्क कल्चर पर चिंता जताई। कर्मचारियों ने लीडरशिप पर कठोर भाषा का उपयोग करने, अनरियलिस्टिक लक्ष्य निर्धारित करने और माइक्रोमैनेजमेंट का आरोप लगाया और लीडरशिप में बदलाव की मांग की थी।

### कर्मचारियों ने टॉक्सिक वर्क कल्चर का आरोप लगाया था

4 सितंबर को सेबी ने कर्मचारियों की ओर से लगाए गए 'टॉक्सिक वर्क कल्चर' के आरोपों का खंडन किया था। मार्केट रेगुलेटर ने तब कहा था कि 'कुछ कर्मचारी निगेटिव वर्क एनवायरमेंट की कहानी को हवा देकर संस्था से कुछ भी मनवाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी कई मांगे हैं, उनमें से एक हाउस रेंट अलाउंस में 55% की बढ़ोतरी भी है।'

### 4 सितंबर को जारी सेबी के स्टेटमेंट की बड़ी बातें

- कुछ कर्मचारियों के एक समूह ने जानबूझकर इस मुद्दे को वर्क एनवायरमेंट से जोड़ा।
- कर्मचारी हाउस रेंट अलाउंस में 55% की बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं।
- जूनियर अधिकारियों को उनके ग्रुप के बाहर मैसेज मिल रहे हैं, जो उन्हें उकसा रहे हैं।
- मैसेज में कहा जा रहा मीडिया में जाओ, मंत्रालय में जाओ, बोर्ड में जाओ।

सेबी चीफ माधबी पुरी बुच करीब दो महीनों से हिंडनबर्ग, जी मीडिया के फाउंडर और कांग्रेस पार्टी के आरोपों से घिरी हैं... इन मामलों में उनसे पूछताछ भी हो सकती है। पार्लियामेंट की पब्लिक अकाउंट कमेटी सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) चीफ माधबी पुरी बुच पर लगे आरोपों पर जांच के लिए समन जारी कर सकती है। बिजनेस स्टैंडर्ड ने सूत्रों के हवाले से इस बात की जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक रेगुलेटरी बॉडी के कामकाज की जांच अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग के आरोप और इस मामले में सेबी चीफ का नाम शामिल होने से है।

## लॉफिंग ज़ोन

पत्नी की मृत्यु शैया पर पति बैठा था।

पत्नी : प्रिये! (आखिरी वक्त पत्नी अपने गुनाह कबूलने लगी) मुझे माफ कर देना। तुम्हारे जो दस हजार चोरी गए थे, वह मैंने उठाए थे। तुम्हारे दोस्त के साथ ऐय्याशी में वो खत्म हो गए। तुम्हारी चहेती सेक्रेटरी ने मेरे कहने पर त्यागपत्र दिया था। उस दिन...

पति : छोडो भी इसे। गलती सभी से होती है। तुम्हारी शर्बत में जहर मैंने ही मिलाया है।

☺ ☺ ☺

एक लेखिका ने किसी पत्रिका के प्रकाशनार्थ अनेक रचनाएँ भेजीं। उसकी सभी रचनाएँ अस्वीकृत हो गईं। अंत में उसने संपादक के नाम प्रेम-पत्र लिखा।

कुछ दिनों के बाद वह पत्र संपादक की टिप्पणी के बाद वापस आ गया।

टिप्पणी थी- मेरे बताए हुए निर्देशों के अनुसार संशोधन करके इसे पुनः भेजो। तभी इस पर विचार संभव हो सकेगा।

☺ ☺ ☺

भोलूजी ने नदी के किनारे खडे. बच्चे से कहा- 'अगर मेरे, तैरकर लौटने तक तुम मेरे जूतों की निगरानी करोगे, तो मैं तुम्हें पाँच रुपए दूँगा।'

बच्चे ने मासूमियत से पूछा- 'अगर आप डूब गए, तो क्या मिसेज भोलूजी से पाँच रुपए ले लूँ?

## आज का इतिहास

1665 लंदन में भयंकर प्लेग फैला.
1731 तुर्की में महमूद प्रथम गद्दी पर बैठे.
1876 उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय का जन्म.
1879 द्रविड आंदोलन के प्रमुख नेता ई. वी. रामास्वामी का जन्म.
1948 पुलिस कार्यवाही के बाद हैदराबाद भारत का हिस्सा बन गया.
1949 द्रमुक की स्थापना हुई .
1956 तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग की स्थापना हुई.
1963 मलेशिया ने इंडोनेशिया से राजनयिक संबंध तोड़ लिए.
1967 तुर्की में फुटबॉल मैच के दौरान भड़की हिंसा में 42 दर्शकों की मौत हो गई तथा 61 दर्शक घायल हो गए.
1981 निकारागुवा के निर्वासित नेता एनस्तेसियो समोजा की हत्या को उनकी कार में बम विस्फोट से गई.
1982 भारत और श्रीलंका के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट खेला गया.
1994 दक्षिणी मिस्त्र में इस्लामी उग्रवादियों ने पुलिस कर्मियों और यूनीसेफ के एक कर्मचारी की हत्या कर दी.

## दैनिक पंचांग

**17 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**




| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | सिंह में | कन्या | 05.49 बजे से |
| चंद्र | कुंभ में | तुला | 08.00 बजे से |
| मंगल | मिथुन में | वृश्चिक | 10.14 ब.से |
| बुध | सिंह में | धनु | 12.30 बजे से |
| गुरु | वृष में | मकर | 14.36 बजे से |
| शुक्र | कन्या में | कुंभ | 16.22 बजे से |
| शनि | कुंभ में | मीन | 17.55 बजे से |
| राहु | मीन में | मेष | 19.25 बजे से |
| केतु | कन्या में | वृष | 21.06 बजे से |
| राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक | | मिथुन | 23.04 बजे से |
| | | कर्क | 01.17 बजे से |
| | | सिंह | 03.33 बजे से |

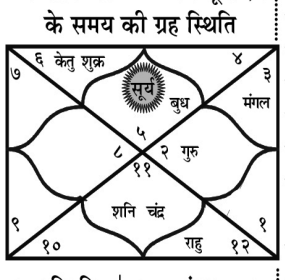

**मंगलवार** 2024 वर्ष का 261 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 11.45 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 13.53 बजे को समाप्त। **योग** धृति 07.48 बजे तदनन्तर शूल 03.41 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 11.45 बजे तदनन्तर विष्टि 21.56 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 02° 09' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872105 **जूलियन दिन** 2460570.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 13 **विशेष** अनंत चतुर्दशी, गणेश विसर्जन, पूर्णिमा श्राद्ध, ओणम।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रोग | 05.53 से | 07.22 बजे तक | काल | 05.42 से | 07.13 बजे तक |
| उद्वेग | 07.22 से | 08.15 बजे तक | लाभ | 07.13 से | 08.45 बजे तक |
| चर | 08.15 से | 10.19 बजे तक | उद्वेग | 08.45 से | 10.16 बजे तक |
| लाभ | 10.19 से | 11.48 बजे तक | शुभ | 10.16 से | 11.48 बजे तक |
| अमृत | 11.48 से | 01.16 बजे तक | अमृत | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| काल | 01.16 से | 02.45 बजे तक | चर | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| शुभ | 02.45 से | 04.13 बजे तक | रोग | 02.51 से | 04.22 बजे तक |
| रोग | 04.13 से | 05.42 बजे तक | काल | 04.22 से | 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 6690

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | 3 | ■ | 4 | 5 | | 6 |
| | ■ | 7 | | 8 | | | ■ | |
| 9 | 10 | ■ | ■ | | ■ | ■ | 11 | |
| 12 | | ■ | 13 | | 14 | ■ | 15 | |
| ■ | 16 | | | ■ | 17 | | | ■ |
| 18 | | ■ | 19 | 20 | | ■ | 21 | 22 |
| 23 | | ■ | ■ | | ■ | ■ | 24 | |
| | ■ | 25 | 26 | | 27 | 28 | ■ | |
| 29 | | | | ■ | 30 | | | |

**बाएँ से दाएँ**

1. जनमत-4
4. सचेत, सजग-4
7. सहयात्री, संगी-5
9. रुपया, पैसा -2
11. छोटी सवारी गाड़ी-2
12. प्राणेंद्रिय-2
13. बेकार-3
15. झुका हुआ-2
16. बसंत काल-3
17. टिड्डा-3
18. अन्वेषण, ढूंढना-2
19. जलने की प्रक्रिया-3
21. एक विदेशी शराब-2
23. कला, हुनर-2
24. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25. आत्मबलिदानी-5
29. करामात-4
30. नामसूची-4

**ऊपर से नीचे**

1. पूजा, प्रार्थना-4
2. मार्ग, पथ-2
3. यमराज, मृत्युदेवता-2
4. स्वच्छ-2
5. दूल्हा, वरदान-2
6. द्वेष, ईर्ष्या-4
8. तमीज, तहजीब-3
10. सेंधमार-5
11. चुगली करना-5
13. देवर्षि-3
14. रसद, खाद्य सामग्री-3
18. भयानक, डरावना-4
20. अक्षर (उर्दू-3)
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25. तेज, सत्य-2
26. ईश्वर, भगवान-2
27. रुदन, क्रंदन-2
28. मोमबत्ती(उर्दू-2)

**शब्द पहेली -6689 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | त | ला | क | ■ | ह | म | ग | ब |
| म | ■ | ■ | म | ह | क | ■ | ■ | ठ |
| ख | ■ | श | म | ■ | ला | ल | ■ | र |
| ना | म | क | र | ण | ■ | कौ | म | त |
| ■ | लि | ■ | ख | ■ | म | ■ | क्षा | ■ |
| अ | न | ल | ■ | मा | न | क | र | ना |
| ग | ■ | ह | र | ■ | मो | ल | ■ | व |
| ज | ■ | ■ | ज | ग | ह | ■ | ■ | ना |
| क | ग | मा | त | ■ | क | ल | श | ■ |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## अंकजाल - 6231

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 24 | 21 | 10 | ■ | 33 | 23 | 12 | 21 | ■ |
| 15 | 7 | | 3 | ■ | 4 | | 5 | | 26 |
| 17 | | 2 | | ■ | | 4 | | 6 | 15 |
| 16 | 7 | | ■ | | 7 | | 5 | | 24 |
| 33 | | 5 | | 8 | | 2 | ■ | ■ | ■ |
| ■ | ■ | ■ | 3 | | 5 | | 7 | | 32 |
| 22 | | 4 | | 2 | | ■ | | 3 | 9 |
| 27 | 4 | | 7 | | ■ | | 8 | | 19 |
| 25 | | 6 | | 7 | ■ | 6 | | 1 | 14 |
| ■ | 14 | 17 | 31 | 36 | ■ | 11 | 28 | 13 | ■ |

**अंकजाल 6230 का हल**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 18 | 16 | 27 | 21 | ■ | 14 | 19 | 23 | ■ |
| 25 | 6 | 7 | 9 | 3 | ■ | 7 | 2 | 5 | 14 |
| 20 | 5 | 4 | 9 | 2 | ■ | 7 | 5 | 8 | 20 |
| 25 | 7 | 5 | 3 | 8 | 2 | ■ | 7 | 3 | 10 |
| ■ | ■ | ■ | 4 | 2 | 7 | 2 | 5 | 7 | 27 |
| 35 | 8 | 9 | 2 | 3 | 8 | 5 | ■ | ■ | ■ |
| 13 | 6 | 7 | ■ | 3 | 6 | 4 | 5 | 2 | 20 |
| 14 | 5 | 6 | 3 | ■ | 4 | 7 | 8 | 8 | 27 |
| 19 | 5 | 8 | 6 | ■ | 4 | 6 | 8 | 7 | 25 |
| ■ | 24 | 32 | 9 | ■ | 31 | 24 | 21 | 17 | ■ |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## अष्टयोग-5175

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | | 1 | | 2 | 7 | 4 |
| | 30 | 4 | 30 | | 30 | |
| 5 | 2 | | | | 6 | 3 |
| | 32 | 6 | 39 | 7 | 31 | 2 |
| 1 | | 3 | | 4 | | |
| | 31 | | 35 | | 33 | 7 |
| 7 | | 2 | 6 | | 1 | |

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

**अष्टयोग 5174 का हल**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 3 | 1 | 5 | 6 | 7 | 4 |
| 6 | 26 | 4 | 34 | 2 | 34 | 1 |
| 1 | 2 | 7 | 4 | 5 | 6 | 3 |
| 7 | 35 | 6 | 36 | 3 | 28 | 2 |
| 4 | 5 | 3 | 7 | 1 | 2 | 6 |
| 5 | 31 | 5 | 35 | 4 | 33 | 7 |
| 3 | 4 | 2 | 6 | 7 | 1 | 5 |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## गणित पहेली -4535

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 100 | | 4 | | 2 | | 30 | = | 20 |
| | ■ | | ■ | | ■ | | ■ | |
| 30 | | 2 | | 2 | | 20 | = | 50 |
| | ■ | | ■ | | ■ | | ■ | |
| 50 | | 25 | | 5 | | 2 | = | 60 |
| | ■ | | ■ | | ■ | | ■ | |
| 2 | | 20 | | 3 | | 4 | = | 23 |
| = | ■ | = | ■ | = | ■ | = | ■ | = |
| 10 | | 11 | | 15 | | 16 | = | 33 / 22 |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

### संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

**गणित पहेली -4534**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 29 | + | 45 | - | 9 | - | 12 | = | 53 |
| + | ■ | - | ■ | + | ■ | + | ■ | - |
| 59 | - | 20 | + | 6 | - | 20 | = | 25 |
| + | ■ | - | ■ | + | ■ | - | ■ | + |
| 2 | x | 20 | - | 20 | + | 25 | = | 45 |
| - | ■ | x | ■ | - | ■ | + | ■ | - |
| 50 | ÷ | 2 | x | 2 | - | 25 | = | 25 |
| = | ■ | = | ■ | = | ■ | = | ■ | = |
| 40 | - | 10 | + | 33 | - | 32 | = | 48 / 31 |

## शब्दजाल - 6222

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शा | न | मे | रि | का | पा | तू | फा | रु | ही | क |
| न | ख | क | ह | इं | डो | ने | त | या | ड़ | क |
| अ | दा | जा | ला | ल | ग | स | जु | ह | प | का |
| आ | ग | ल | पा | ब | औ | स | र्बा | ह | लि | ल |
| वा | ना | ह | न | य | ज | र | कि | या | प | का |
| रा | इ | इ | थ | व | प | वा | बं | ह | यु | बां |
| जिं | ज | ल | ह | क | प | रि | न | दू | प | ग |
| द | रि | भा | र | त | ड़ी | स | रा | ल | क | ला |
| गी | या | स | ज | मी | न | आ | स | मा | न | दे |
| प | बे | प | ना | ह | सिं | ब | स | अ | प | श |
| या | स | ए | क | ही | भू | ल | त्ता | प | क | र |

शब्द जाल में 'मजहर खान' की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शान, आवारा जिंदगी, हल और बंदूक, तजुर्बा, जमीन आसमान, हथकड़ी, कालका, एक ही भूल, बेपनाह, रुही

**शब्दजाल - 6221 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | क | वि | वे | का | नं | द | ज | म | ल | त |
| द | आ | ल | प्रे | व | स | म्रा | ट | अ | शो | क |
| र | स | इ | म | दी | छ | स | आ | र्न | ख | पा |
| इं | स | ल | स्टी | दि | वा | स | ध | ल | श | इ |
| ड | अ | दो | ग | न | ज | ना | तू | ग | झ | थो |
| का | ली | दा | स | दि | अ | क | ब | र | घ | गो |
| ती | व | ल | मी | धी | प | च | जू | वा | व | र |
| क | एं | ऊ | गां | द | ब | क | र | ए | श | स |
| र | ड | त्मा | प | र्द | गी | स | री | क | प | स्तू |
| य | हा | ल | गै | ली | लि | यो | ऐ | ने | र | दे |
| म | ड | ल | प | या | प | स | अ | अ | प | म |

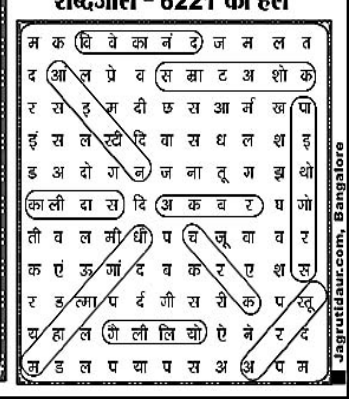

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## सेंट्रल दुर्गा पूजा कमेटी ने किया भूमि पूजन

जमशेदपुर । एटीसी सेंट्रल दुर्गा पूजा कमेटी ने मां दुर्गा पूजा के लिए भूमि पूजन किया । कमेटी इस बार अपना 10वाँ साल मना रही है । इस मौके पर पूजा कमेटी के अध्यक्ष बबन सिंह, सचिव संजय मित्रा, कैशियर पुरूषोत्तम सिंह ,संजीव सिंह, मोहन राव, अशोक सिंह, अगम प्रकाश, समाजसेवी कमल किशोर , राजेश सिंह, प्रशांत, सीमा सिंह, राखी सिंह,उमा राव, रवि नारायण, प्रणब अधिकारी, अर्नब, भारत प्रियदर्शी, एस.के. मुखर्जी अवांग आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

## ओरमांझी ब्लॉक चौक पर एनएचएआई की लापरवाही से बीच सड़क पर पानी जमाव, राहगीरों क़ो आवागमन में हो रही है परेशानी

ओरमांझी( मोहसीन आलम ):ओरमांझी ब्लॉक चौक के पास रांची रामगढ़ मुख्य मार्ग पर NHAI के घोर लापरवाही के चलते लगातार चार दिनों से हो रहे मूसलाधार बारिश का पानी 2 से 3 फीट बीच रोड़ में ही जम गया हैं,जिससे राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है.छोटी गाड़ियां पानी में आधा डूब जा रही है,मोटरसाइकिल व पैदल रोड पर करना से ज्यादा दिक्कत हो रही है, आसपास यह दुकान पानी जमाव से प्रभावित हो गए हैं,ब्लॉक चौक में फ्लाईओवर निर्माण होना है,ओवर ब्रिज निर्माण के चलते दो साल पहले रोड किनारे बनाए गए नाली क़ो ध्वस्त किया गया,उसके चलते पानी खेतों तक नहीं पहुंच रही है,कुछ नाली जाम रहने के कारण मूसलाधार बारिश का पानी सड़क पर ही जम जा रही है.इसके अलावा क्षेत्र में हो रहे आंधी तूफान से बड़े बड़े पेड़ के गिरने से सड़क मार्ग आरोध हो गया हैं बिजली व्यवस्था भी बाधित है। क्षेत्र के चार जनों मिट्टी के घर आंधी तूफान से गिर गए हैं. जिससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

## ओरमांझी के डहु में ईद-मिलाद-उन-नबी पर निकाला गया जुलूस ए मोहम्मदी, मुस्लिम धर्मावलंबियों ने मांगी अमन चैन की दुआ

ओरमांझी( मोहसीन आलम ):ओरमांझी के प्रखंड के डहु में सोमवार क़ो मूसलाधार बारिश के बीच हजरत पैगंबर मोहम्मद स.के यौमे पैदाइश के मुबारक मौके पर ईद मिलाद उन नबी का जुलूस अकीदत व पूरे एहतराम के साथ निकाला गया.जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर देश में अमन और शांति की दुआ मांगी गई,वहीं सलातों सलाम पढ़ा गया।जुलुस के दौरान लोग काफ़ी उत्साहित दिखे.इस अवसर पर समाज सेवी विधायक प्रतिनिधि सफिउल्लाह अंसारी ने बताया की जुलुस डहु मस्जिद से निकल कर विभिन्न चौक चौराहा होते हुए पुनः गांव लोटा, वहीं उन्होंने लोगों से अपील किया है कि प्यारे नबी स.के बताएं रास्ते पर चलने से ही लोगों कामयाबी हो सकती है, हम सभी के नबी जब इस दुनिया में आए तो लोगों को न्याय मिला, एक ईश्वर की इबादत का उन्होंने पाठ पढ़ाया , उच्च नीच के भेदभाव को खत्म किया, हमारे नबी ने लोगों को जीने का सलीका सिखाए, वह आखरी नबी है उनकी बात कोई नबी नहीं आने वाला है, उन पर कुरान शरीफ नाजिल की गई,जो हिदायत की किताब है, हमें कुरान से हिदायत लेने की जरूरत है, नबी के आदर्शों को अपना जीवन गुजारने से हम लोग हर जगह कामयाब हो सकते हैं,जुलूस में सबसे आगे मुस्लिम धर्माबलंबी जश्ने ईद मिलादुन्नबी मुबारकबाद और कौम के झंडे लहराते चल रहे थे। जुलूस में शामिल मुस्लिम समुदाय के लोग सरकार की आमद मरहबा के नारे लगाते नजर आए,इस दौरान काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

## अनगड़ा में होने वाला टाइगर जयराम महतो का प्रोग्राम मूसलाधार बारिश चलते हुआ स्थगित

अनगड़ा(मोहसीनआलम): झारखंड इतिहास का नया अध्याय लिखने वाले लाखों दिलों में राज करने करने वाला लोकप्रिय का उभरता हुआ युवा नेता जेबीकेएस एस के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो का आगमन झारखंड की राजधानी रांची के खिजरी विधानसभा के अनगड़ा अंचल मैदान में आज 17 सितंबर दिन मंगलवार को सुनिश्चित था,लेकिन पूरे राज्य में लगातार मूसलाधार वर्षा होने के कारण केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो के आदेशा अनुसार अगले आदेश तक 17 सितंबर दिन मंगलवार का कार्यक्रम को स्थगित करने की घोषणा किया गया है,अगला कार्यक्रम की तिथि का घोषणा बहुत ही जल्द की जाएगी,यह जानकारी जेबीकेएसएस के केन्द्रीय महा मंत्री जितेन्द्र कुमार महतो प्रेस रिलीज के माध्यम से पत्रकारों क़ो दी, वहीं उन्होंने बताया कि मांडर विधानसभा क्षेत्र में होने वाले प्रोग्राम को भी स्थगित किया गया है। प्रोग्राम की पूरी तैयारी हो चुकी थी,लेकिन केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने वीडियो जारी कर बताया कि झारखंड में लगातार चार दिनों से हो रहे मूसलाधार बारिश के कारण हाई अलर्ट जारी किया गया है, ऐसे में प्रोग्राम करना सही नहीं रहेगा,प्रोग्राम में आने वाले लोगों को कई तरह से परेशानी होगी, लोग बीमार भी पढ़ सकते हैं,वहीं केंद्रीय महामंत्री जितेंद्र महतो ने बताया कि अनगड़ा और मांडर में बहुत केंद्रीय अध्यक्ष का प्रोग्राम किया जाएगा,कार्यकर्ता निराश ना हो,पार्टी का जिस तरह से कार्य चल रहा है पूरे झारखंड में इसका प्रभाव देखने को मिल रहा है,आने वाले विधानसभा चुनाव में उसका नतीजा साफ दिखेगा।

## विश्रामपुर में माता सबरी व बघमनवा में सुहेल देव महाराज की प्रतिमा का विधायक ने किया अनावरण

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सह विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने विश्रामपुर प्रखंड के ग्राम पंचायत बघमनवा में महाराजा सुहैल देव के प्रतिमा का अनावरण किया। इससे पहले धार्मिक परंपरा के बीच विशेष पूजा अर्चना के साथ नारियल फोड़ कर महाराजा सुहैल देव के मंदिर का उद्घाटन श्री चंद्रवंशी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया मंजू देवी व संचालन भाजपा नेता मनीष कुमार ने किया। इसके अलावा विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने विश्रामपुर नप मुख्यालय के वार्ड 16 भुइंया टोली में माता सबरी मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने बतौर मुख्य अतिथि माता सबरी के प्रतिमा का अनावरण भी किया। श्री चंद्रवंशी ने कहा कि भारतीय धर्म संस्कृति को पुनः उच्च स्थान पर स्थापित करना भाजपा का संकल्प है। इसी संकल्प के तहत हमने माता सबरी और महाराजा सुहैल देव का मंदिर निर्माण कराकर प्रतिमा स्थापित कराया। उन्होंने कहा कि संत,सन्यासी और महापुरुष किसी जाति के नही बल्कि समाज व राष्ट्र के होते हैं। जिनका सम्मान व पूजा अर्चना हम सबको बिना किसी भेदभाव के करना चाहिए। श्री चंद्रवंशी ने कहा कि विश्रामपुर विस क्षेत्र को पूर्ण विकसित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जा रहा है। क्षेत्र के चहुंमुखी विकास मेरा हेतु समग्र और सतत प्रयास जारी है। मौके पर विधायक के जिला प्रतिनिधि रामचंद्र यादव,शंकर केशरी,किरण देवी,सोना देवी सहित कई भाजपा नेता कार्यक्रता और काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

# रांची महानगर जगरनाथ नगरीय दुर्गा पूजा समिति का गठन, इंदरजीत सिंह पुनः बने अध्यक्ष

**कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची** : रांची महानगर जगरनाथ नगरीय दुर्गा पूजा समिति 2024 की वार्षिक बैठक धुर्वा के मेफेयर बैंक्वेट हॉल में सम्पन्न हुई। धुरवा थाना, जगरनाथपुर थाना एव तीपुदना थाना के अंतर्गत 28 पूजा समितियों ने मिल कर समिति का गठन किया एवम आगे की तैयारी पे चर्चा की गई। समिति के द्वारा इंदरजीत सिंह को पुनः अध्यक्ष एव मनोज यादव को कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया गया। महिला विंग में श्रीमती सुमन देवी को संरक्षक एव शुलेखा सिंह को अध्यक्ष बनाया गया। रवि सिंह को युवा दस्ता का अध्यक्ष बनाया गया। इस मौके पर सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधिमंडल को माला एव चुनरी पहना कर स्वागत किया गया।

समिति के संस्थापक स्व कृष्णमोहन सिंह जी, मुख्य संरक्षक रहे स्व. राणा संग्राम सिंह जी एव औधोगिक

दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष रहे स्व वेद प्रकाश सिंह जी के याद में दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गयी।

मंच संचालन समिति के संरक्षक शिवेश सिंह ने किया एव धन्यवाद ज्ञापन शुशील वाजपयी जी ने किया।

मुख्य अतिथि में रांची महानगर दुर्गा पूजा समिति के संरक्षक जय सिंह यादव, महावीर मंडल के महामंत्री दीपक ओझा,धर्मेंद्र गिरी, महानगर सह संयोजक रमेश सिंह, संजय मनोचा, कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप राय बाबू, महामंत्री रविंदर वर्मा, वरीय उपाध्यक्ष राजन वर्मा, कोषाध्यक्ष संजय सिन्हा, उपाध्यक्ष राणा रणधीर, उपाध्यक्ष अशोक यादव, युवा रामनवमी अध्यक्ष नंद किशोर चंदेल जी उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि पी.एन सिंह, अवधेश सिंह, अनिल सिंह, अखिलेश सिंह, ललन पांडेय, जुगेश सिंह सोलंकी, चुन्नू सिंह, शैलेन्द्र सिंह चौहान, हरेंद्र सिंह, विकास सिंह मौजूद थे।

## नदी में बढ़ते जलस्तर को लेकर मंत्री बन्ना गुप्ता ने पूर्वी सिंहभूम उपायुक्त को दिए निर्देश

जमशेदपुर । स्वर्णेखा एवम खरकई नदी के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित रखने की चिंता मंत्री बन्ना गुप्ता ने व्यक्त करते हुए उपायुक्त को विशेष निर्देश जारी कर राहत एवं बचाव कार्य करने को कहा हैं । सोशल मीडिया अकॉउंट एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने लिखा हैं कि लगातार तीन दिन से हो रहें बारिश के कारण स्वर्णरेखा एवं खरकई नदी का जल स्तर बढ़ता जा रहा हैं और खतरे के निशान के करीब हैं, नदी तट पर रहने वाले लोगों से अनुरोध हैं कि सतर्क रहें । उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा हैं कि मामले में सतर्कता बरतते हुए और ऐसे पीड़ितों को चिन्हित करते हुए सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने का उपाय करें । साथ ही उनके दवाइयों, रहने और खाने का भी इंतजाम सुनिश्चित करें और राहत एवं बचाव कार्य चलाये । साथ ही मंत्री जी तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की हैं एवं नदी में नहीं जाने का आग्रह किया हैं । साथ ही उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं अपने समर्थकों से भी क्षेत्र में भ्रमण कर पीड़ित परिवार का सहयोग करने का आह्वान किया हैं ।

## चौपारण प्रखंड में तीन दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन हुआ अस्त व्यस्त

अखिलेश पांडेय

दैहर(चौपारण) पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही चक्रवातीय वर्ष से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोगों का घर से बाहर निकलना मुहाल हो गया है। प्रखंड में नदियों तालाबों के जल स्तर में बढ़ोतरी हुई है। एक और जहां किसानों के चेहरे पर खुशी देखी जा रही है वहीं गरीब गुरवे मजदूरों के बीच हताशा और निराशा के भाव देखे जा रहे हैं। चौपारण प्रखंड में लगातार हो रही बारिश के कारण प्रखंड के दैहर पंचायत के सोहरा गांव में ननका भूईंया और मिथिलेश भूईंया का मिट्टी का मकान लगातार बारिश को नहीं झेल पाया और गिर गया। घर के अंदर चार बच्चे फंस गए। जिसे ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित बचा लिया गया। सूचना मिलने पर घटनास्थल पर समाजसेवी सह मुखिया प्रतिनिधि नागेंद्र कुमार और कोठारी सिंह पहुंच कर स्थिति का जायजा लिए और उच्च अधिकारियों को इस बाबत सूचित किया। सभी प्रभावित परिवारों को पड़ोसी के घर में तत्काल शरण दिया गया है। प्रखंड में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। आवश्यक कार्यों से भी लोगों का घर से बाहर निकलना दुश्वार हो गया है। ऐसे में दैनिक मजदूरी कर जीवन निर्वाह करने वाले मजदूरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

## ओरमांझी के गांगुटोली में धूमधाम से किया गया इंद्र पूजा

ओरमांझी( मोहसीन आलम): मूसलाधार बारिश के बीच उत्साह व उमंग के साथ इंद्र पूजा समिति गांगुटोली ओरमांझी द्वारा भगवान इंद्र की पूजा धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर इंद्र टोपर खड़ा कर भगवान इंद्र की पूजा व आरती कर अच्छी वर्षा व प्रकृति आपदा से बचाएं रखने के की प्रार्थना की गई। पुजारी निरज पांडेय, विजय पंडित व उपासक अषोक नारायण तिवारी के द्वारा विधिवत पूजा कराई गई। मौके पर समिति के मुख्य संक्षरक्ष पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू,वार्ड संघ के अध्यक्ष सत्यमराज कुषवाहा,वार्ड सदस्य मनी देवी,वरिष्ट समाज सेवी सीताराम लाल गुप्ता,ओमप्रकाष राव, शंकरलाल गुप्ता, उमाषंकर साहू,शंकर गुप्ता,सतुधन साहू,षिवा गुप्ता,दिवाकर साहू,समिति के अध्यक्ष शिव नारायण साहू,सचिव नोना पाहन,कोषाध्यक्ष दषरथ मुंडा,अर्जुन साहू,राजु मुंडा,सुनील मुंडा, कृष्णा पाहन,अषोक साहू,गणेष महतो, जती मुंडा,षिवा मुंडा,रामकुमार मुंडा, हरिचंद्र साहू, संतोष साहू, महेष मुंडा, गोपाल मुंडा,अरूण साहू सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपथित थें।

## ईद मिलादुन नबी के मौके पर ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट ने किया रक्तदान शिविर आयोजित , 150 यूनिट रक्त संग्रह हुआ

जमशेदपुर । ह्यूमन वेल्फेयर ट्रस्ट के द्वारा जशन ए ईद मिलादुन नबी के अवसर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आज़ाद नगर, आज़ाद मैरेज हॉल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान, विशिष्ट अतिथि के तौर पर गुलाम रब्बानी खान , सिद्धगोडा थाना प्रभारी समाजसेवी सैयद मंजर अमीन , रेड क्रॉस के सचिव विजय कुमार सिंह, जियाउल मोबीन, रिज़वान अहमद, हाजी जमील असगर, सैयद रज़ी नौशाद,मास्टर जमालुदिन, जेव्याय दारुल किरत के फाउंडर चेयरमैन असलम रब्बानी उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत कुल गुलदस्ते भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर किया गया। आज के इस रक्तदान में ब्रह्मानंद हॉस्पिटल के ब्लड सेंटर के शक्ति ने अपने टीम के साथ 150 यूनिट ब्लड कलेक्ट किया। आज के इस आयोजन में एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉ जहांजेब खान , डॉ मोहम्मद सरफराज आलम ,डॉ इमरोज़ खान ,डॉ चंद अंसारी ,डॉ सैफ उल हक ने भी इस मौके पर रक्तदान किया। आज के इस प्रोग्राम को ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के ट्रस्टी आसिफ मोहम्मद , इलियास खान ,इंजीनियर हाजी सैयद मंजर अमीन ,हिंद आईटीआई के डायरेक्टर डॉ मोहम्मद ताहिर हुसैन , शफी अहमद शाफो शमशाद बेगम और गोविंद विद्यालय के अध्यक्ष डॉक्टर बीडी शर्मा इन सभी के सहयोग से शिविर आयोजन किया गया। आज के इस कार्यक्रम को कामयाब बनाने में ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के ट्रस्टी सैयद आसिफ अख्तर ,अध्यक्ष मतीनुल हक अंसारी ,सचिव मुख्तार आलम खान ,मासूम खान ,अयूब अली ,सैयद इकबाल ,नसीमा खातून, शमशाद बेगम ,बिल्किस, ताहिर हुसैन, नादिर खान, मास्टर सिदीक अली, आफताब आलम, मोइनुद्दीन अंसारी, रिजवानुज जमां, मो. फिरोज आलम, फिरोज असलम, ईकबाल आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

# सड़क लूट की बड़ी साजिश विफल, अपराधियों के मंसूबों पर चतरा पुलिस ने फेरा पानी

अखिलेश पांडेय

चतरा : सड़क लूटकांड की बड़ी घटना को अंजाम देकर जिले में कानून व्यवस्था को खुली चुनौती पेश करने के फिराक में जुटे अंतर्राज्यीय गिरोह के शातिर अपराधियों के विरुद्ध चतरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एसपी विकास कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सदर एसडीपीओ संदीप सुमन के निर्देश पर गठित स्पेशल टीम ने कार्रवाई करते हुए झारखंड-बिहार बॉर्डर ईलाके में सड़क लूट की घटना को अंजाम देने के फिराक में जुटे अंतर्राज्यीय आपराधिक गिरोह के चार शातिर अपराधियों को दबोचने में सफलता हासिल की है। अपराधियों की गिरफ्तारी हंटरगंज थाना पुलिस की स्पेशल टीम ने चतरा-गया मुख्य मार्ग एनएच-22 पर स्थित नागर सोहाद मोड़ के समीप से की है। पकड़े गए अपराधियों के पास से पुलिस ने देशी कट्टा, बाईक, मोबाईल व पिट्ठू बैग

जप्त किया है। समाहरणालय स्थित कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी की बाईक सवार तीन शातिर अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में हंटरगंज से डोभी की ओर जा रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी ने सदर एसडीपीओ संदीप सुमन को कार्रवाई का निर्देश दिया था। जिसके बाद एसडीपीओ ने हंटरगंज थाना प्रभारी मनीष कुमार को हंटरगंज-डोभी मुख्य मार्ग की घेराबंदी कर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाने का को कहा। चेकिंग के दौरान ही पुलिस की टीम ने शक के आधार पर बाईक सवार बिहार के गया जिला अंतर्गत गुरुआ थाना क्षेत्र के बरमा गांव निवासी श्याम कुमार, बिट्टू कुमार व निखिल कुमार नामक अपराधियों को पकड़ा है। वहीं इनके निशानदेही पर गिरोह में शामिल हंटरगंज थाना क्षेत्र के बहेरा गांव निवासी नवनीत कुमार सिंह उर्फ दीपू कुमार को पकड़ा गया है। जबकि एक अन्य अपराधी गया के शेरघाटी निवासी अभय वर्मा उर्फ भोलू फरार है। एसपी ने बताया कि फरार अपराधी अभय उर्फ भोलू गिरफ्तार अपराधियों को घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से हथियार व कारतूस उपलब्ध कराता था।

## जश्ने ईद मिलादुन्नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का जुलूस ए मोहम्मदी निकाला गया

रांचीः झमाझम बारिश में जश्ने ईद मिलादुन्नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का जुलूस ए मोहम्मदी बड़ी धूमधाम के साथ रांची शहर में निकल गया। जमीयतुल कुरैश पंचायत कांटा टोली कुरैशी मोहल्ला से भव्य तरीके से जुलूस निकाला गया कांटा टोली क्षेत्र के कुरैशी मोहल्ला जमा मस्जिद के इमाम मंजूर हसन बरकाती और,मोआज्जीन शाहीद रजा अफताब ने संबोधित किया। मौके पर एसडीएम उत्कर्ष कुमार,एडीएम राजेश्वर नाथ आलोक, लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद , नगर डीएसपी के वी रमन , झामुमो नेता जितेंद्र गुप्ता, झारखंड प्रदेश जमीयतुल कुरैशी के प्रदेश अध्यक्ष मुजीब कुरैशी, जमीयतुल कुरैश पंचायत के अध्यक्ष गुलाम गौस कुरैशी, महासचिव परवेज कुरैशी, वरिष्ठ सदस्य नौशाद कुरैशी, आदिल कुरैशी,अवेश कुरैशी मुन्ना, मुमताज कुरैशी, फरहाद कुरैशी, सोनू,बशीर, जुल्फी, युनूस कुरैशी सहित कांटा टोली के सैकड़ों लोग मौजूद थे।

## जशन-ए-ईद-मिलाद-उन-नबी नात शरीफ पढ़कर एवं फतिया खानी के साथ संपन्न

अखिलेश पांडेय

चौपारण(हजारीबाग): प्रखंड के 26 पंचायतों में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। इस दौरान जुलूस में शामिल लोग मोहम्मद की शान में नात-ए-नबी पढ़े। सुबह से मुस्लिम इलाकों में एक अजीब सी कैफियत तारी थी। उत्साह का आलम मत पूछिए। बच्चे, बुजुर्ग व जवान सभी नए-नए कपड़े पहन सज धजकर जुलूस में शामिल होने के लिए अपने-अपने घरों से निकल पड़े। जगह-जगह पर जल, शर्बत और अल्पहार की व्यवस्था की गई थी। इस्लामी व तिरंगा झंडा लहराते हुए हुजूर की आमद मरहबा, रसूल की आमद मरहबा, सरकार की आमद मरहबा की सदा से गूंजता रहा पूरा चौपारण, बाद सलाम मिलाद व नियाज़ फिर दुआएं मांगी गई। हालांकि पूरे दिन झमाझम बारिश होने के बावजूद भी अक़ीदतमंदो पर कोई खासा असर नहीं दिखा। लोगों ने मोहम्मद साहब के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने समतामूलक समाज की बुनियाद डाली। महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने का काम किये। समाज के तमाम लोगों को समता व बराबरी का हक दिया। कमलवार के इमाम हाफिज मुबारक अंजुम ने नात शरीफ पढ़े "एक ही सफ में खड़े हो गए महमूद-ओ-आयाज ना कोई बांदा रहा और ना कोई बंदा नवाज। इमाम ने कहा, नबी (स) का किरदार ऐसे थे कि जिसे देख कर ही लोग इस्लाम धर्म कबूल कर लेते थे।

# महज सात घंटे में टाटानगर से बिहार की राजधानी पटना पहुंचा देगी वंदे भारत ट्रेन

जमशेदपुर । टाटा-पटना के बीच वंदे भारत ट्रेन (ट्रेन संख्या 20893/20894) शुरू होने से झारखंड, बिहार से रिश्ता रखनेवाले लोग काफी खुश हैं. वे पहले की तुलना में काफी कम समय में गंतव्य तक पहुंच जाएंगे. टाटा-पटना वंदे भारत की उद्घाटन यात्रा रविवार को हुई. औपचारिक रूप से यह ट्रेन 16 सितंबर से शुरू हो गई है . ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी. इस ट्रेन से टाटा और पटना के बीच करीब सात घंटे में सफर पूरा हो जायेगा. इस ट्रेन को लेकर रविवार को लोग काफी उत्साहित दिखे. जहानाबाद से टाटा नगर पहुंचे मगध चेतना मंच के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने कहा कि अब यहां से वे नाश्ता करके टाटा से चलेंगे तो जहानाबाद में पहुंचकर दोपहर का भोजन करेंगे और वहां से फिर ट्रेन पटना के लिए निकल जाएगी जो 12:20 में पटना जंक्शन पहुंचेगी . यह ट्रेन सुबह 5:30 बजे टाटानगर से खुलेगी और

सुबह 7:13 बजे मुरी पहुंचेगी. इसके बाद सुबह 8:08 बजे बोकारो स्टील सिटी, सुबह 8.30 बजे राजाबेरा, सुबह 8.53 बजे नेताजी सुभाष चंद्र गोमो स्टेशन, सुबह 10.55 बजे गया पहुंचेगी. इसके बाद दोपहर 12.20 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी. टाटानगर- पटना वंदे भारत ट्रेन में आठ कोच होंगे. 130 से 160 किलो मीटर प्रति घंटे की स्पीड से इस ट्रेन का परिचालन कराया जाएगा. इस ट्रेन को टाटानगर, पुरूलिया, अनारा, भोजूडीह, महुदा, गोमो, कोडरमा, गया, जहानाबाद, पटना के रास्ते चलाया जायेगा.

### जानिए टाटा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का किराया और सुविधाएं

टाटा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रियों को तेज और आरामदायक सफर का अनुभव प्रदान करेगी. इस ट्रेन में दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, जिसमें सी 1 और सी 7 कोच में एक-एक सीट आरक्षित है. किराए की बात करें तो, टाटा से पटना के लिए चेयर कार का किराया 1115 रुपए निर्धारित किया गया है, जबकि भोजन नहीं लेने पर यह किराया 973 रुपए होगा. इकोनॉमी क्लास का किराया 2130 रुपए है और यदि यात्री भोजन नहीं लेते हैं, तो उन्हें 1955 रुपए चुकाने होंगे. पटना से टाटा की ओर यात्रा करने पर चेयर कार का किराया 1655 रुपए है, जबकि बिना भोजन के 1251 रुपए रखा गया है. वहीं इकोनॉमी क्लास के लिए किराया 3030 रुपए और बिना भोजन के 2611 रुपए है. टाटा से पटना और पटना से टाटा की यात्रा में 7 घंटे 15 मिनट का समय लगेगा. रविवार को चलने वाली ट्रेन संख्या 21896 के लिए चेयर कार का किराया 1280 रुपए है और बिना भोजन के 972 रुपए. इकोनॉमी क्लास के लिए किराया 2325 रुपए है और बिना भोजन के 1956 रुपए देना होगा. वहीं, ट्रेन संख्या 20891/20892 टाटा-बरहामपुर वंदे भारत एक्सप्रेस के चेयर कार का किराया 1520 रुपए और बिना भोजन के 1212 रुपए निर्धारित किया गया है. इकोनॉमी क्लास के लिए 2815 रुपए और बिना भोजन के 2446 रुपए का किराया होगा. ब्रह्मपुर से टाटा आने पर चेयर कार का किराया 1575 रुपए और बिना भोजन के 1211 रुपए रहेगा, जबकि इकोनॉमी क्लास का किराया 2865 रुपए और बिना भोजन के 2446 रुपए रखा गया है.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।